राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 14
अंक : 169
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
गुरुवार 15 मई 2025
मूल्य :2 /-
RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट | पेज 3 बायर्स की रजिस्ट्री नहीं कराने पर 95 सोसाइटी को नोटिस | पेज 4 प्रधान की हत्या कर हिस्ट्रीशीटर बोला- चुनाव हम ही लड़ेंगे | पेज 6 1,151 दिनों से नंबर वन : टेस्ट ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने रचा

संक्षिप्त खबरें

पानीपत में पाकिस्तानी जासूस पकड़ा

पानीपत। हरियाणा के पानीपत से पुलिस ने पाकिस्तानी जासूस पकड़ा है। वह पाकिस्तानी आतंकी इकबाल के अलावा वहां के कई संगठनों के टच में था। वह उन्हें वॉट्सऐप व अन्य सोशल मीडिया एप के जरिए भारत की खुफिया जानकारी भेज रहा था। इनमें ज्यादातर जानकारी रेलवे स्टेशनों से जुड़ी हुई है। पुलिस ने उसके नंबर से हो रही संदिग्ध गतिविधि को ट्रेस करने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। शुरूआती जांच में पता चला कि पकड़ा गया जासूस नौमान इलाही मूल रूप से उत्तर प्रदेश के कैराना का रहने वाला है। वह यहां एक फैक्ट्री में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था।

23 वर्षीय टीचर को मिली गर्भपात की अनुमति

सूरत। गुजरात में सूरत की सूरत में एक विशेष पोक्सो कोर्ट ने मंगलवार को 23 वर्षीय शिक्षिका को गर्भपात की अनुमति दे दी। टीचर को 22 सप्ताह का गर्भ है। कोर्ट ने आदेश में कहा है कि महिला का गर्भपात सूरत नगर निगम द्वारा संचालित एसएमआईएमईआर अस्पताल में एक सप्ताह में किया जाए। साथ ही भ्रूण को डीएनए परीक्षण के लिए सुरक्षित रखा जाए। आरोपी ट्यूशन टीचर अपने 13 साल के छात्र को बीती 25 अप्रैल को भगा ले गई थी। पूछताछ में टीचर ने पुलिस को बताया कि वह स्टूडेंट के बच्चे की मां बनने वाली है। उसके पेट में 5 महीने का गर्भ है। इसी के चलते वह स्टूडेंट को लेकर भाग निकली थी।

मणिपुर : असम राइफल्स की बड़ी कार्रवाई, 10 उग्रवादी किए ढेर

इंफाल। मणिपुर के चंदेल जिले में असम राइफल्स की एक इकाई के साथ बुधवार को हुई मुठभेड़ में कम से कम 10 उग्रवादी मारे गए। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभियान अभी भी जारी है।

असम राइफल्स इकाई ने कल अभियान शुरू किया था

सेना की पूर्वी कमान ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत-म्यांमार सीमा के पास चंदेल जिले के खेंगजॉय तहसील के न्यू समतल गांव के पास सशस्त्र कैडरों की आवाजाही की विशेष खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए, स्पीयर कोर के तहत असम राइफल्स इकाई ने 14 मई को एक अभियान शुरू किया।

संदिग्ध कैडरों द्वारा सैनिकों पर गोलीबारी की गई

अभियान के दौरान, संदिग्ध कैडरों द्वारा सैनिकों पर गोलीबारी की गई, जिस पर उन्होंने तुरंत प्रतिक्रिया दी, फिर से तैनात हुए और एक संतुलित और मापा तरीके से जवाबी कार्रवाई की। इसके बाद हुई गोलीबारी में, 10 संदिग्धों को मार गिराया गया और बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया।

राजस्थान-यूपी में हीटवेव अलर्ट

एमपी सहित 20 राज्यों में बारिश का अनुमान; मानसून आने में 12 दिन बाकी

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के 20 राज्यों में बारिश का अनुमान है। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश में आंधी के साथ तेज बारिश हो सकती है। वहीं राजस्थान, उत्तर प्रदेश में हीटवेव अलर्ट है। मौसम विभाग ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून बुधवार को बंगाल की खाड़ी पहुंच गया। यह 27 मई को केरल में दस्तक देगा। यानी मानसून आने में 12 दिन बचे हैं। मानसून ने मंगलवार को निकोबार द्वीप समूह पर दस्तक दी थी। हर साल 22 मई के आसपास अंडमान में प्रवेश करने वाला मानसून इस साल नौ दिन पहले आया है।

अगले 2 दिनों का मौसम अपडेट ?

16 मई : छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में तेज आंधी और बारिश का असर बना रहेगा।
पश्चिम बंगाल के कुछ इलाकों में 70 किमी प्रति घंटे तक की हवाएं चल सकती हैं। दक्षिण भारत के तेलंगाना, केरल और तमिलनाडु के कई हिस्सों में भी आंधी-बारिश और बिजली गिरने के आसार हैं।
17 मई : मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, सिक्किम और झारखंड में मौसम खराब बना रहेगा। साथ ही ओडिशा में भी गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। दक्षिण भारत में कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और लक्षद्वीप में तेज बारिश का असर रहेगा। पूर्वोत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों में लगातार भारी बारिश जारी रहने की संभावना है। गुजरात और महाराष्ट्र में भी गरज के साथ हल्की बारिश हो सकती है।

शपथ समारोह

नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेने के बाद न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई द्वारा दर्शकों का अभिवादन करते हुए।

कांग्रेस बोली- शशि थरूर ने लक्ष्मण रेखा पार कर दी

केंद्र ऑपरेशन सिंदूर का राजनीतिकरण कर रही; सांसद ने केंद्र सरकार की तारीफ की थी

नई दिल्ली। कांग्रेस कार्यसमिति की बुधवार को दिल्ली में बैठक हुई। इसमें ऑपरेशन सिंदूर पर पार्टी के कुछ नेताओं, जिनमें शशि थरूर भी शामिल हैं। उनके दिए बयानों पर चर्चा की गई। साथ ही केंद्र सरकार पर ऑपरेशन सिंदूर के राजनीतिकरण का आरोप लगाया।
एजेंसी के मुताबिक बैठक में कहा गया कि, यह व्यक्तिगत विचार व्यक्त करने का समय नहीं है, बल्कि पार्टी के आधिकारिक रुख को स्पष्ट करने का समय है। हम एक लोकतांत्रिक पार्टी हैं, और लोग अपनी राय व्यक्त करते रहते हैं, लेकिन इस बार थरूर ने लक्ष्मण रेखा पार कर ली है।
दरअसल, शशि थरूर ने 8 मई को कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान और दुनिया के लिए मजबूत संदेश है। भारत ने 26 बेकसूर नागरिकों की मौत का बदला लेने के लिए सटीक कार्रवाई की।
CWC ने अपने प्रस्ताव में कहा- राष्ट्र दुख और संकल्प में एकजुट है। भारतीय सशस्त्र बलों ने समय-समय पर हमारे राष्ट्र की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा करते हुए वीरता के साथ आगे आकर काम किया है।
कांग्रेस ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर देश के डिफेंस फोर्स ने किया है, इसलिए कोई भी राजनीतिक दल इस पर अपना विशेष दावा नहीं कर सकता, जैसा कि भाजपा कर रही है।

पाकिस्तान ने बीएसएफ के अगवा जवान को छोड़ा

- डीजीएमओ लेवल की बातचीत के बाद रिहाई, 20 दिन बाद अटारी-वाघा बॉर्डर से लौटे पूर्णम कुमार

अमृतसर। पाकिस्तान ने भारत के बीएसएफ जवान पूर्णम कुमार शॉ को छोड़ दिया है। कॉन्स्टेबल पूर्णम बुधवार सुबह साढ़े 10 बजे अटारी-वाघा बॉर्डर से भारत लौट आए। डीजीएमओ लेवल पर बातचीत के बाद उन्हें 20 दिनों के बाद छोड़ा गया है। उन्हें मेडिकल जांच के लिए ले जाया गया है। पूछताछ के बाद उन्हें घर जाने दिया जाएगा।
बीएसएफ ने प्रेस रिलीज के जरिए कॉन्स्टेबल पूर्णम के भारत लौटने की जानकारी दी है। इसमें बताया कि पूर्णम शॉ 23 अप्रैल को फिरोजपुर सेक्टर में ऑपरेशनल ड्यूटी के दौरान गलती से पाकिस्तान चले गए थे। इसके बाद उन्हें पाकिस्तानी रेंजर्स ने हिरासत में ले लिया था। पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमले के अगले दिन पाकिस्तान रेंजर्स ने बीएसएफ जवान पूर्णम कुमार शॉ की दो फोटो जारी की थीं। पहली फोटो में पूर्णम पेड़ के नीचे खड़े थे। उनकी राइफल, पानी की बोतल, बैग जमीन पर पड़ा था। दूसरी फोटो में जवान की आंखों पर पट्टी बंधी थी।

मूल रूप से पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं शॉ

जवान शॉ मूल रूप से पश्चिम बंगाल में हुगली के रिसड़ा गांव के रहने वाले हैं। वह 23 अप्रैल को फिरोजपुर में किसानों के साथ भारत-पाक बॉर्डर पर ड्यूटी कर रहे थे। इस दौरान वह गलती से एक पेड़ के नीचे बैठने के लिए पाकिस्तान की सीमा में दाखिल हो गए। जहां पाकिस्तानी रेंजर्स ने उन्हें पकड़ लिया और अपने साथ ले गए।

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में सेना को मिला हथियारों का जखीरा

एके-47, हैंड ग्रेनेड, हजारों गोलियां बरामद

श्रीनगर। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर के बाद भी सुरक्षाबलों का ऑपरेशन लगातार जारी है। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले के केलर में बुधवार को भारी मात्रा में हथियारों का जखीरा बरामद हुआ है। इसमें एके-47 गन समेत कई तरह की बंदूकें, हैंड ग्रेनेड, हजारों की संख्या में गोलियां शामिल है।
केलर में ही 13 मई को सुरक्षाबलों के साथ एनकाउंटर में लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकवादी मारे गए थे। शोपियां जिले के केलर स्थित शुकरू फॉरेस्ट एरिया में मंगलवार को शाम 4.30 बजे मुठभेड़ खत्म हुई थी। इसे ऑपरेशन को केलर नाम दिया गया था। मारे गए आतंकियों में लश्कर-ए-तैयबा का टॉप कमांडर शाहिद अहमद कुट्टी भी शामिल था।

मंगलवार को ऑपरेशन केलर में ढेर हुए थे तीनों आतंकी

13 मई की दोपहर 12 बजकर 53 मिनट पर भारतीय सेना के असिस्टेंट डायरेक्टर जनरल ऑफ पब्लिक इन्फॉर्मेशन यानी एडीजीपीआई ने सोशल मीडिया एक्स पर ऑपरेशन केलर की जानकारी दी। पोस्ट में लिखा-'भारतीय सेना की राष्ट्रीय राइफल्स विंग को खुफिया सोर्सेज से शोपियां के शोकल केलर इलाके में आतंकियों के होने की जानकारी मिली।

हैप्पी मॉर्निंग

किसी शादी में पंडित जी ने दूल्हे का हाथ दुल्हन के हाथ में थमा दिया।
एक बच्चा ये देख रहा था, उसने अपने पिता से पूछा -पिताजी दूल्हा और दुल्हन आपस में हाथ क्यों मिला रहे हैं? पिता ने उत्तर दिया- बेटा, पहलवान अखाड़े में उतरने से पहले हाथ जरूर मिलाते हैं!

शायरी

कुछ उसूलों का नशा था कुछ मुक़द्दस ख़्वाब थे
हर ज़माने में शहादत के यही अस्बाब थे

चीन ने अरुणाचल प्रदेश की 30 जगहों के नाम बदले

सरकारी वेबसाइट पर लिस्ट जारी की; 8 साल में 92 से ज्यादा जगहों के नाम बदले

नई दिल्ली/ इस्लामाबाद। चीन ने भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश की 30 जगहों के नाम बदले हैं। इसकी जानकारी अपनी सरकारी वेबसाइट ग्लोबल टाइम्स पर जारी भी की है। इन जगहों के नाम मैंडेरिन (चीनी भाषा) में रखे गए हैं।
चीन ने अरुणाचल को लेकर अपना प्रोपेगैंडा वॉर भी फिर छेड़ दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा- नाम बदलने की चीन की यह हरकत मूर्खतापूर्ण है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। चीन ने नाम बदलने में रचनात्मकता दिखाई है, लेकिन अरुणाचल भारत का अटूट हिस्सा है। चीन अरुणाचल प्रदेश में अपना दावा जताने की कोशिश में इसके शहरों, गांवों, नदियों आदि के नाम बदलता रहा है। इसके लिए वह चीनी, तिब्बती और पिनयिन नाम देता है, लेकिन जब भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का रुतबा बढ़ रहा होता है ठीक उसी समय चीन की यह हरकत सामने आती है।

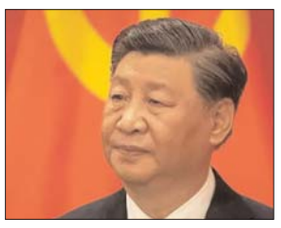

आखिरी बार जब भारत ने जी-20 शिखर सम्मेलन के समय एक बैठक अरुणाचल में की थी तब भी चीन ने इस क्षेत्र में कुछ नाम बदलने की घोषणा की थी। इससे पहले 2017 में दलाई लामा जब अरुणाचल आए थे तब भी नाम बदलने की हरकत की थी।

एमपी हाईकोर्ट के आदेश पर मंत्री विजय शाह पर एफआईआर

देश की एकता खतरे में डालने की लगी धारा; कर्नल सोफिया पर आपत्तिजनक बयान दिया था

महू। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के आदेश के बाद आखिरकार पुलिस ने बुधवार रात करीब 11 बजे मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली। इंदौर के मानपुर थाना में उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया है। मंत्री विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित बयान दिया था। उन्हें आतंकियों की बहन बताया था। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने उनके इस बयान पर स्वत: संज्ञान लिया था। जबलपुर हाईकोर्ट के जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस अनुराधा शुक्ला की बेंच ने डीजीपी को आज की तारीख में ही मंत्री शाह पर एफआईआर के निर्देश दिए थे। हाईकोर्ट के आदेश के बाद विजय शाह के खिलाफ धारा 152, 196(1)(बी) और 197(1)(सी) के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

हाईकोर्ट ने कहा-

भारत की एकता अखंडता को खतरे में डालने का अपराध दर्ज करें। अगर एफआईआर दर्ज नहीं की गई तो डीजीपी पर कोर्ट की अवमानना की कार्रवाई होगी। मंत्री विजय शाह का बयान सांप्रदायिकता को बढ़ाने वाला हैं।
मंत्री ने रविवार को इंदौर के महू के रायकुंडा गांव में एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। यहीं विवादास्पद बयान दिया था। हालांकि, मंगलवार को वीडियो वायरल हुआ। उन्होंने कर्नल सोफिया कुरैशी को आतंकवादियों की बहन बताया था।बता दें कि विजय शाह ने इंदौर के मानपुर थाना क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में ये बयान दिया था, इसलिए मानपुर थाना में एफआईआर दर्ज की गई है।

अर्थसार

सेंसेक्स:
81,330.56
+182.34 (0.22%)
निफ्टी:
24,666.90
+88.55

मौसम

अधिकतम : 41 डिग्री से0
न्यूनतम : 26 डिग्री से0
सूयोदय शुक्रवार : 5 : 37
सूर्यास्त गुरुवार : 7 : 18

जेएंडके पुलिस के इनपुट पर पंजाब में संदिग्ध पकड़ा

अमृतसर एयरपोर्ट पर पहली फ्लाइट लैंड; बॉलीवुड एक्टर ने पीएम की तारीफ की

एजेंसी

पंजाब। पंजाब के पठानकोट कैंट रेलवे स्टेशन पर मंगलवार रात एक संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। यह व्यक्ति पूजा एक्सप्रेस से जम्मू से पठानकोट आ रहा था। जम्मू-कश्मीर पुलिस से मिले इनपुट पर पठानकोट रेलवे पुलिस ने संदिग्ध को ट्रेन से उतरते ही पकड़ लिया।
उधर, भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर के बाद मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात अमृतसर एयरपोर्ट पर पहला यात्री विमान लैंड हुआ। यह फ्लाइट कतर एयरवेज की थी। एयर इंडिया एक्सप्रेस 15 मई से यहां से दुबई, शारजाह, बैंकॉक के लिए फ्लाइट शुरू करेगा। इंडिगो एयरलाइंस ने भी पंजाब के लिए बुधवार से फ्लाइट शुरू करने की घोषणा कर दी है। इसके अलावा अमृतसर और पठानकोट में स्कूल भी सुबह साढ़े 10 बजे खुल गए। हालांकि गुरदासपुर में बॉर्डर पर स्थित गांवों के स्कूल 20 मई तक बंद किए गए हैं।
वहीं, 13 मई को पीएम नरेंद्र मोदी ने आदमपुर एयरबेस पहुंच कर जवानों को हौसला बढ़ाया था। बॉलीवुड एक्टर करन कुंद्रा ने पीएम मोदी के आदमपुर एयरबेस पहुंचने पर तारीफ की है।

घुसपैठ

पहचान छुपाकर अलग-अलग जिलों में रह रहे थे; स्पेशल फ्लाइट से पश्चिम बंगाल भेजा

राजस्थान से 148 बांग्लादेशी घुसपैठियों को डिपोर्ट किया

जोधपुर। राजस्थान से बुधवार को 148 बांग्लादेशी घुसपैठियों को डिपोर्ट किया गया है। अवैध रूप से रह रहे इन बांग्लादेशी नागरिकों को जोधपुर एयरपोर्ट से विशेष विमान से पश्चिम बंगाल भेजा गया है। सीमा सुरक्षा बल इन सभी को बांग्लादेश भेजने के लिए आगे की कार्रवाई करेगा।
दरअसल, पहलगाम में आतंकी हमले के बाद राजस्थान में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों को वापस भेजने का अभियान चलाया गया। इसके तहत अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान कर पकड़ा गया और अब उनको वापस बांग्लादेश भेजने की प्रक्रिया शुरू की गई है।

घुसपैठियों को लेकर पुलिस और बीएसएफ ने कोऑर्डिनेट किया है। बांग्लादेश सरकार को भी उनके नागरिकों की जानकारी दी गई है।

पहले फेज में 148 घुसपैठियों को पश्चिम बंगाल भेजा

डीजी इंटेलिजेंस संजय अग्रवाल ने कहा- घुसपैठियों को रखने के लिए जयपुर में 2 सेंटर बनाए गए हैं। सीकर से डिटेन घुसपैठियों को जयपुर के डिटेंशन सेंटर में रखा गया था। पहले फेज में जयपुर के प्रतापनगर डिटेंशन सेंटर से 148 घुसपैठियों को बुधवार सुबह जोधपुर लाया गया था। यहां से जोधपुर से पश्चिम बंगाल भेजा गया है। डीजी इंटेलिजेंस ने बताया- पश्चिम बंगाल से इन सभी को बांग्लादेश भेजने की आगे की कार्रवाई सीमा सुरक्षा बल करेगा। आगे भी ये कार्रवाई जारी रहेगी। इसी तरह जो अवैध लोग है, उन्हें नियमानुसार डिपोर्ट किया जाएगा।

घुसपैठियों के लिए बनाए 6 डिटेंशन सेंटर

राजस्थान में बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ विशेष अभियान के तहत 6 डिटेंशन सेंटर बनाए गए हैं। इनमें अलवर, उदयपुर का झाड़ोल, नागौर के मेड़ता, बहरोड़ में 1-1 और जयपुर में 2 डिटेंशन सेंटर बनाए गए हैं।
इनमें अलवर का डिटेंशन सेंटर स्थायी है, जबकि घुसपैठियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करने के लिए 5 अस्थायी डिटेंशन सेंटर बनाए गए हैं। इन डिटेंशन सेंटर में करीब 1008 बांग्लादेशियों को डिटेन किया गया है।
सीकर से अब तक 393 अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को पकड़ा जा चुका है। इनमें अकेले खंडेला में 50 से ज्यादा घुसपैठियों को पकड़ा गया है। सीकर में रहकर ज्यादातर बांग्लादेशी नागरिक ईंट-भट्टों पर काम कर रहे थे। इसी तरह अजमेर जिले में अवैध रूप से रह रहे 31 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा गया है।

संपादकीय

सोशल मीडिया : फेक दुनिया, ट्रोलर्स की भरमार

आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स ने लोगों को एक-दूसरे से जोड़ने के साथ-साथ सूचनाओं के आदान-प्रदान का एक नया माध्यम प्रदान किया है। लेकिन इस चमकती-दमकती डिजिटल दुनिया के पीछे एक स्याह सच्चाई भी छिपी है—फेक न्यूज, अफवाहें, और ट्रोलर्स की भरमार। यह एक ऐसी दुनिया है जहाँ सच और झूठ के बीच की रेखा धुंधली हो चुकी है, और ट्रोलर्स इसका फायदा उठाकर समाज में भ्रम और अराजकता फैलाने में जुटे हैं।

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

फेक न्यूज का जाल

सोशल मीडिया पर फेक न्यूज का प्रसार एक गंभीर समस्या बन चुका है। लोग बिना सत्यापन के खबरों को शेयर करते हैं, जिससे गलत सूचनाएं तेजी से फैलती हैं। उदाहरण के लिए, किसी घटना की आधी-अधूरी जानकारी या पूरी तरह मनगढ़ंत कहानियां वायरल हो जाती हैं। यह न केवल लोगों के बीच भय और अविश्वास पैदा करता है, बल्कि सामाजिक तनाव को भी बढ़ावा देता है। हाल के वर्षों में, धार्मिक और राजनीतिक मुद्दों पर आधारित फेक न्यूज ने कई बार हिंसा को भड़काया है।

ट्रोलर्स: डिजिटल दुनिया के शरारती तत्व

ट्रोलर्स सोशल मीडिया की एक ऐसी नस्ल हैं जो दूसरों को परेशान करने, अपमानित करने, और विवाद पैदा करने में माहिर हैं। ये लोग अक्सर नकली प्रोफाइल बनाकर या अनाम रहकर अपनी हरकतें करते हैं। कोई भी व्यक्ति, चाहे वह सेलिब्रिटी हो, राजनेता हो, या आम इंसान, इनके निशाने पर आ सकता है। ट्रोलर्स का मकसद होता है ध्यान आकर्षित करना और समाज में नकारात्मकता फैलाना। उनकी टिप्पणियां और पोस्ट्स कभी-कभी इतनी जहरीली होती हैं कि लोग मानसिक तनाव का शिकार हो जाते हैं।

सोशल मीडिया का दुरुपयोग

सोशल मीडिया का दुरुपयोग केवल फेक न्यूज और ट्रोलिंग तक सीमित नहीं है। साइबरबुलिंग, ऑनलाइन घृणा, और व्यक्तिगत हमले भी इस मंच की कड़वी सच्चाई हैं। कई बार लोग अपनी निजी जिंदगी की तस्वीरें या जानकारी शेयर करते हैं, जिसका गलत इस्तेमाल होता है। हैकर्स और स्कैमर्स भी इस मंच का उपयोग लोगों को ठगने के लिए करते हैं। इसके अलावा, सोशल मीडिया पर लाइक्स और फॉलोअर्स की होड़ ने लोगों को एक आभासी दुनिया में धकेल दिया है, जहां वे अपनी असल जिंदगी को भूलकर केवल दिखावे में व्यस्त रहते हैं।

समाधान की दिशा में कदम

इस समस्या से निपटने के लिए कुछ ठोस कदम उठाए जा सकते हैं। सबसे पहले, लोगों को डिजिटल साक्षरता के प्रति जागरूक करना जरूरी है। हमें यह सीखना होगा कि किसी भी जानकारी को बिना जांचे-परखे शेयर न करें। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को भी अपनी नीतियों को और सख्त करना चाहिए ताकि फेक न्यूज और ट्रोलिंग पर लगाम लगाई जा सके। इसके अलावा, साइबर कानूनों को और प्रभावी बनाने की जरूरत है ताकि ट्रोलर्स और साइबर अपराधियों को सजा मिल सके।

निष्कर्ष

सोशल मीडिया एक शक्तिशाली उपकरण है, लेकिन इसका गलत इस्तेमाल समाज के लिए खतरा बन सकता है। फेक न्यूज और ट्रोलर्स की भरमार ने इस मंच की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए हैं। यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम इस डिजिटल दुनिया को सुरक्षित और सकारात्मक बनाएं। जागरूकता, सतर्कता, और सही दृष्टिकोण के साथ हम इस फेक दुनिया को एक बेहतर जगह बना सकते हैं, जहां सच की जीत हो और ट्रोलर्स का प्रभाव कम हो।

देश की समरसता-संप्रभुता की रक्षा का वक्त

बारह मई की सुबह से ही टीवी चैनलों पर प्रधानमंत्री के 'राष्ट्र के नाम संदेश' की चर्चा होने लगी थी। कई खबरिया चैनलों ने तो बाकायदा यह चर्चा भी की कि प्रधानमंत्री अपने संदेश में क्या कहेंगे! आखिरकार प्रधानमंत्री बोले। अपने संदेश में उन्होंने जो कुछ कहा वह लोगों के कयास से बहुत अलग नहीं था। बड़ी स्पष्टता और बेबाकी के साथ उन्होंने यह बताया कि भारत-पाक के बीच का 'संघर्ष-विराम' हमने अपनी शर्तों पर किया है। अपने लगभग बाईस मिनट के भाषण में प्रधानमंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का नाम लिये बिना यह स्पष्ट करने की कोशिश की कि हमने यह कदम किसी अन्य देश के दबाव में आकर नहीं उठाया है। प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि पाकिस्तान के आग्रह पर ही संघर्ष-विराम के लिए बातचीत हुई थी। उन्होंने यह कहना भी ज़रूरी समझा कि पाकिस्तान से साफ कह दिया गया है कि अब यदि आतंकवाद की एक भी घटना घटी तो इसे भारत के खिलाफ युद्ध ही माना जायेगा और हम उसी के अनुरूप कदम उठायेंगे। हम क्या कदम उठा सकते हैं, यह हमारी सेनाएं इन दिनों में बखूबी बता चुकी हैं।

कहने को पाकिस्तान कुछ भी कह सकता है, पर सारी दुनिया ने देखा है कि इस दौरान भारत ने पाकिस्तान स्थित आतंकी अड्डों को तहस-नहस करने में पूरी सफलता पायी है। हमारे सेना-अधिकारी यह बात पहले से कहते आ रहे थे, प्रधानमंत्री ने इसे दुहरा कर देश के दावे पर मुहर ही लगायी है। बिना पाकिस्तान में प्रवेश किये ही हमारी सेनाओं ने सौ से अधिक आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया है। सैन्य-कार्रवाई की दृष्टि से यह बहुत बड़ी सफलता है। अपनी सेना की इस सफलता पर देश निश्चित रूप से गर्व कर सकता है।

प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में यह भी स्पष्ट कर दिया है कि 'पानी और खून साथ-साथ नहीं बह सकते।' इसका सीधा अर्थ यही है कि सिंधु-नदी के जिस पानी को भारत ने पाकिस्तान में पहुंचने से रोका है, वह फिलहाल फिर से नहीं बहेगा। पाकिस्तान को अपनी करनी से यह बताना होगा कि वह कायराना आतंकवादी हमलों की नीति से बाज़ आ गया है।

एक और बड़ी बात जो प्रधानमंत्री मोदी के इस संदेश से स्पष्ट होकर सामने आयी है, वह यह है कि भारत न्यूक्लियर ब्लैकमेलिंग का शिकार नहीं होगा। आज भारत और पाकिस्तान दोनों ही एटॉमिक ताकतें हैं। दोनों के पास परमाणु बम हैं। और, दुर्भाग्य से, पाकिस्तान जब-तब यह धमकी देता रहता है कि वह परमाणु शक्ति का उपयोग कर सकता है। अब प्रधानमंत्री ने यह स्पष्ट करना ज़रूरी समझा है कि 'हम इस धमकी से नहीं डरेंगे।' हमारी सेनाओं के आला अफसर भी यह कह चुके हैं कि 'भय बिनु होय न प्रीति।' पाकिस्तान को इस संकेत की महत्ता समझनी चाहिए।

बहरहाल, पहलगाम के अमानवीय कृत्य के बाद भारत ने जो कदम उठाये हैं, वे यह तो स्पष्ट करते हैं कि अब पाकिस्तानी ज़मीन से संचालित होने वाली आतंकवादी गतिविधियों को सहने के लिए यह देश तैयार नहीं है। बिहार की एक 'चुनावी सभा' में भी प्रधानमंत्री ने यह साफ कहा था कि पहलगाम के अपराधियों को कल्पनातीत सज़ा दी जायेगी। अब हमने यह स्पष्ट कर दिया है कि 'कल्पनातीत' के क्या अर्थ हो सकते हैं।

यह अल्पविराम है, युद्ध तो होगा ही !

डॉ. आशीष वशिष्ठ

पाकिस्तान अपने चरित्र के अनुरूप आचरण करेगा, यह मेरा ही नहीं, हर जागरूक नागरिक का अटल विश्वास है। भारतीय नीति और विचार यह है कि हमारे लिए आतंकवाद समाप्त हो जाए तो हमारा संघर्ष और युद्ध समाप्त हो जाएगा।

पहलगाम आतंकी घटना के बाद भारत के वीर जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान स्थित आतंकी अड्डों को जिस तरह से नष्ट भ्रष्ट किया, विश्वभर में उसका कोई दूसरा उदाहरण सहसा ही स्मरण नहीं आता। आतंकी ठिकानों की विनाश और सैकड़ों आतंकियों के अर्थी एक साथ उठने से बौखलाए पाकिस्तान ने भारतीय शहरों, आम नागरिकों, पूजा स्थलों और सैन्य ठिकानों पर हमले करके जिस अदूरदर्शिता का परिचय दिया उसके बारे में क्या कहा ही कहा जाए।

पाकिस्तानी सेना के हमलों के प्रत्युत्तर में जब वीर भारतीय सैनिकों ने अपने हथियारों का रुख पाकिस्तान की ओर मोड़ा तो तीन ही दिन में पाकिस्तान दया की भिक्षा मांगने लगा। दुनिया में श्रेष्ठ सैनिकों में शामिल भारतीय सैनिकों ने जिस तरह पाकिस्तान के हमलों को कुशलता पूर्वक असफल किया और उसके सैन्य ठिकानों पर अचूक निशाना लगाया है, उससे विश्व की तमाम छोटी—बड़ी शक्तियां अवाक और संज्ञाशून्य की स्थिति में है। दोनों देशों के डीजीएमओ की बातचीत के बाद मौखिक संघर्ष विराम हो चुका है। पाकिस्तान की प्रवृति, चरित्र और इतिहास के आलोक में एक बात स्पष्ट तौर पर जान लीजिए, या गांठ बांध लीजिए, आज नहीं तो कल युद्ध तो होना ही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 मिनट के अपने सटीक, संतुलित और सारगर्भित संबोधन में पाकिस्तान के दुष्ट आचरण और दुष्प्रवृति को समस्त विश्व के समक्ष निरावृत करने में कोई कसर शेष नहीं छोड़ी। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से साहसी भारतीय सैनिकों ने पाकिस्तान को जितनी गहरे घाव दिये हैं, वो उसकी आने वाली संततियों को भी विस्मृत नहीं होंगे। वर्ष 1948, 1965, 1971 और 1999 में पाकिस्तान से हुए युद्ध में भारत ने पाकिस्तान को इतनी बुरी तरह से नहीं पीटा, जितना ऑपरेशन सिंदूर में उसको क्षति पहुंची है। जितने गहरे घाव उसे इस बार वीर भारतीय सैनिकों ने दिये हैं, वो अगर पूर्व में दिये गये होते तो यह दिन देखने की आवश्यकता नहीं होती। एक दृढ़ राजनीतिक इच्छा शक्ति के अभाव में पाकिस्तान हर बार बचता रहा। और हमारे सैनिक चाहकर भी पाकिस्तान को छोड़ते रहे। लेकिन वर्तमान में पीएम मोदी की सरकार ने जिस दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय दिया है, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए वो कम ही है।

साहसी भारतीय सेना के हमलों से हो रहे प्रत्यक्ष और संभावित नुकसान के दृष्टिगत पाकिस्तान अपने आका अमेरिका की शरण में गया, लेकिन उसे वहां से भी कोई संतोषप्रद आश्वासन प्राप्त नहीं हुआ। अंततोगत्वा पाकिस्तान के मिलट्री ऑपरेशन के डीजी ने अपने भारतीय समकक्ष से संपर्क साधा। भारतीय सेना ने अपने संकल्पों, नियमों और इच्छा अनुकूल संघर्ष विराम की उद्घोषणा की। संघर्ष विराम का क्रेडिट लेने का भरपूर प्रयास अमेरिका और उसके राष्ट्रपति ट्रम्प ने किया। लेकिन भारतीय सेना की ब्रीफिंग और पीएम मोदी के संबोधन ने अमेरिका के सारे दावों की वायु निकाल दी।

एक प्रसिद्ध कहावत है, चोर चोरी से जाए, हेरा फेरी से न जाए। और पाकिस्तान ही वह चोर है, जो हेरा फेरी से बाज नहीं आएगा। संघर्ष विराम की घोषणा के बाद भी उसके आचरण में अधिक परिवर्तन देखने को नहीं मिला। इसलिए भारत सरकार और पीएम मोदी ने स्पष्ट संदेश पाकिस्तान को दिया है कि भविष्य में आतंक की घटना को युद्ध माना जाएगा।

पाकिस्तान अपने चरित्र के अनुरूप आचरण करेगा, यह मेरा ही नहीं, हर जागरूक नागरिक का अटल विश्वास है। भारतीय नीति और विचार यह है कि हमारे लिए आतंकवाद समाप्त हो जाए तो हमारा संघर्ष और युद्ध समाप्त हो जाएगा। उसे हम अपनी जीत मान लेंगे। लेकिन पाकिस्तान के लिए यह लड़ाई कभी समाप्त नहीं होगी क्योंकि उसका वास्तविक लक्ष्य है भारत को मिट्टी में मिलाना है। उसका जन्म ही भारत से घृणा के आधार पर हुआ है। जब तक भारत है, तब तक पाकिस्तान की लड़ाई है। तो भारत का होना, भारत की उपस्थिति, भारत का अस्तित्व ये पाकिस्तान के लिए जोखिम है। वो इसी जोखिम को समाप्त करने का प्रयास करता रहता है।

भारत को मिट्टी में मिलाने के पाकिस्तान ने पहले युद्ध के माध्यम से प्रयास किए। जब उसने यह देखा कि युद्ध में हानि अधिक है, और वह अपने लक्ष्यों का प्राप्त नहीं कर पा रहा है तो उसने छद्म युद्ध शुरू किया। इस छद्म युद्ध के अंतर्गत आतंकवादियों का संरक्षण, प्रशिक्षण देकर भारत में अशांति फैलाने की नीति पर चलना शुरू किया। इसमें कोई बड़ा खर्च भी नहीं है।

शस्त्र क्रय करने के लिए उसे धन अमेरिका, यूरोप, तुर्की और चीन दे ही देते हैं। अफगान युद्ध का उसने खूब लाभ उठाया। अमेरिका से उसने पैसा भी लिया, हथियार भी लिए। पहले रूस से लड़ने के लिए, फिर अफगानिस्तान से लड़ने के लिए। अमेरिका को भी धोखा देता रहा। ओसामा बिन लादेन को अपने यहां छुपा कर रखा और अमेरिका को पता नहीं लगने दिया। आखिरकार अमेरिका ने खोज लिया और खोज कर मारा।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि पाकिस्तान किसी को भी धोखा दे सकता है। और भारत को तो हमेशा धोखा ही देगा। पाकिस्तान की एक बात पर हमेशा विश्वास करना चाहिए कि उस पर कभी भरोसा नहीं करना चाहिए। वो हमेशा दगा देखा, हमेशा धोखा देगा। इसलिए वो चाहे कोई भी वायदा करे तब भी उस पर भरोसा नहीं करना चाहिए कि वो भविष्य में आतंकवाद का साथ नहीं देगा। वो सिर्फ अवसर की प्रतीक्षा करेगा। वर्तमान में जो स्थितियां वहां भारत के हमले के बाद उपजी हैं, उसके चलते पाकिस्तान की सेना और सरकार आमजन में अपनी छवि और साख को बनाए रखने के लिए भारत को नुकसान पहुंचाने में पीछे नहीं हटेगा। ये बात गांठ बांध लीजिए। ये संघर्ष विराम उसे इसीलिए चाहिए था, सांस लेने का अवसर। जो घाव भारतीय सेना ने उसे दिये है, उन पर मरहम पट्टी का अवसर चाहिए था। उसे फिर से तैयारी का अवसर चाहिए था। फिर से आतंकवादी गतिविधियों की रणनीति बनाने का समय और मौका चाहिए था। उसे तीन वस्तुओं की आवश्यकता थी। समय, पैसा और हथियार। और उसको ये तीनों चीजें संघर्ष विराम ही दिला सकता था। और उसे संघर्ष विराम मिल चुका है।

विश्व में पाकिस्तान की ही नहीं, अमेरिका की छवि धोखेबाज देश की है। विश्व भर में उसकी धोखेबाजी के किस्सों की लंबी सूची है। और जहां तक बात भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की है। जब भी दोनों देशों के बीच तनाव होगा, संघर्ष होगा, अमेरिका का झुकाव पाकिस्तान की ओर होगा। अमेरिका को भारत की जरूरत है, चीन पर नियंत्रण के लिए। जब तक ये जरूरत नहीं थी तब तक अमेरिका भारत का विरोध ही करता रहा। मेरा मानना है कि संघर्ष विराम की घोषणा करके भारत अपनी शराफत में मारा गया। भारत अमेरिका पर जरूरत से ज्यादा विश्वास के कारण मारा गया।

यह बात जान लीजिए कि संघर्ष विराम के लिए पाकिस्तान की आतुरता का मुख्य कारण यह था कि उसे लगा कि पहले अपने अस्तित्व को बचाना आवश्यक है। वो उस नीति पर चल रहा था कि बचेंगे, तो भविष्य में लड़ेंगे। तो उसने अपना बचाव कर लिया है। और वह भविष्य में लड़ेगा यह मान कर चलिए। निकट समय में ही आपको किसी ने किसी आतंकवादी घटना का दुखद समाचार सुनने, देखने और पढ़ने को मिलेगा। पाकिस्तान रुकने वाला नहीं है। वास्तव में जिस दिन पाकिस्तान आतंकवाद रोक देगा, उसके अस्तित्व का औचित्य ही समाप्त हो जाएगा।

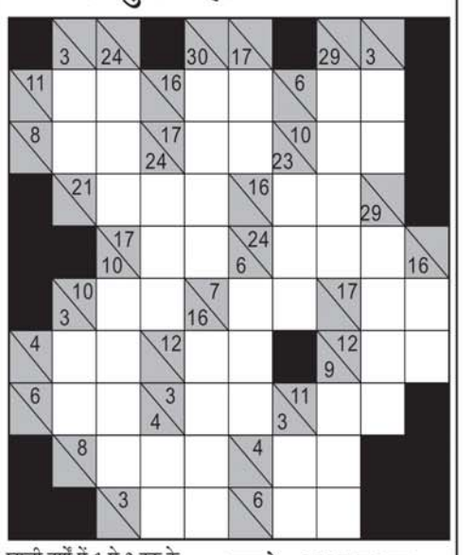

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हमारे सैन्य बल पाकिस्तान के चरित्र से परिचित हैं। इसलिए राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में पीएम मोदी ने तमाम अहम बातों के अलावा यह भी स्पष्ट कर दिया की ऑपरेशन सिंदूर अभी स्थगित ही हुआ है। अर्थात् यह कि आतंक के विरुद्ध भारत का एक्शन जारी रहेगा।

टाईम पास

काकुरो पहेली -3530

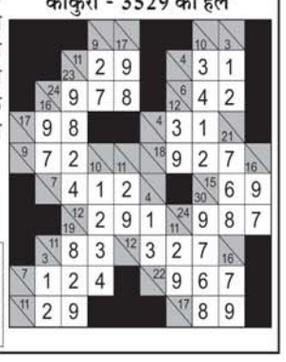

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3529 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक कवि की कविताएं कोई नहीं सुनता था आखिरकार एक दिन जब एक व्यक्ति ने उनकी कविता सुनी तो कवि ने उसका आभार मानते हुए कहा कि 'आप पहले ऐसे महानुभाव है जिन्होंने कि मेरी कविताएं इतने ध्यान से सुनी हैं.'

दूसरा व्यक्ति- 'जरा जोर से बोलिए मैं थोड़ा ऊंचा सुनता हूँ.'

□ □ □

एक कैदी से मिलने जेल में कोई नहीं आता था, यह देख कर जेलर को उस पर दया आ गई उसने कैदी को बुलाकर पूछा कि 'क्या बात है तुमसे मिलने तुम्हारा कोई रिश्तेदार जेल में क्यों नहीं आता है ?'

कैदी- 'क्योंकि साहब वे सब भी तो यहीं ही है !'

□ □ □

दो मित्र आपस में बातें कर रहे थे. एक बोला- 'क्या यह ताज्जुब की बात नहीं कि रमेश के भाग्य ने उसका आखिर तक साथ दिया.'

'वह कैसे ?'

'खाना खाते हुए वह एक मोती निगल गया था.' मित्र ने पूरी बात बताते हुए कहा -'जब उसका ऑपरेशन करके वह मोती निकाला गया तो वह इतना कीमती निकला कि उसकी कीमत से न केवल आपरेशन का बिल ही चुक गया, बल्कि उसका क्रिया-कर्म भी ठाठ से सम्पन्न हुआ.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3530

बायें से दायें:-

१. 'बरसो रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२
२. राजेशखन्ना, धर्मेन्द्र, वहीदा की फिल्म-३
४. 'नींद कभी रहती थी आँखों में' गीत वाली फिल्म-३
६. राज सोलंकी, हिना रहमान, पायल की फिल्म-२
७. 'कहना है जो दिल से कहो' गीत वाली फिल्म-४
९. संजीवकुमार, नूतन की फिल्म-२
११. 'हम और तुम तुम और' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१४. 'कुछ लोग यहाँ पर ऐसे है' गीत वाली फिल्म-४
१५. मकरंद देशपांडे, शबाना, श्वेता की फिल्म-३
१६. 'जब आती होगी याद मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
१९. 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
२०. अनिल धवन, रेहाना की फिल्म-२,२
२२. 'पर्दे में रहने दो पर्दा ना' गीत वाली फिल्म-३
२४. सुनील दत्त, साधना की फिल्म-३
२५. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२६. अभिषेक, उदय, एशा की फिल्म-२
२७. 'शरमाए काहे घबराये' गीत वाली फिल्म-२
२९. आमिर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
३०. 'लगन लागी मन की लगन' गीत वाली फिल्म-२
३१. फिल्म 'मनोरंजन' में नायिका कौन थी-३
३२. शाहरूख, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. ऋषि, अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-४
२. 'नील गगन पे उड़ते बादल आ' गीत वाली फिल्म-४
३. फिल्म 'मि. बॉण्ड' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
४. जीतेंद्र, रीना राय, रामेश्वरी की 'धक धक से धड़कना' गीत वाली फिल्म-२
५. 'सपनों का शहर हो' गीत वाली अरशद वारसी, महिमा चौधरी की फिल्म-३
८. सुष्मिता की पहली फिल्म ?-३
१०. 'चूड़े वाली छमिया मिला नैन रे' गीत वाली सनी, जयाप्रदा की फिल्म-३
१३. विनोद खन्ना, बिन्दू की 'दिल करने लगा है प्यार तुम्हे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'जीना तेरी बाहों' गीत वाली सुनील शेट्टी, इंद्रकुमार, नम्रता की फिल्म-३
१७. प्रदीपकुमार, नर्गिस की 'दिल की गिरह खोल दो' गीत वाली फिल्म-२,२,२
१८. 'नजर के सामने जिगर' गीत वाली राहुल राय, अनु अग्रवाल की फिल्म-३
१९. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'ढपली वाले ढपली बजा' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'गोरी जो मटके बालों' गीत वाली सुनील, रवीना, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
२३. राजेंद्र कुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'हर एक घर में दिया' गीत वाली संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की फिल्म-२
२८. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'अभी साँस लेने की' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3529

सूडोकु -3530

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3529 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

शब्द पहेली - 3530

बाएँ से दाएँ

1.छुट्टी,रजा-4
3.वध,आघात-4
5.दशानन-3
7.अनमोल,अनूठा-3
8.अनाथ,बेसहारा-3
10.खजूर-3
11.रहम करना-2,3
14.गहराई नापना-2,3
17.लगातार,सतत-5
20.संतुष्ट होना-2,3
23.बीच में,दौरान-3
24.खुश,आनंदित-3
25.शिक्षा-3
26.शोक-3
27.जांचना,परखना-4
28.धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे

2.मयखाना,मधुशाला-5
3.प्रेमकहानी-5
4.चापलूसी-4
6.नटना,वचन तोड़ना-4
7.फिजूल,व्यर्थ-3
9.अव्यवस्थित समूह,भीड़-3
12.गुजर करना-3
13.वेग,गति-3
15.खूबसूरत-3
16.पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17.गुजारिश,मांग-4
18.सुअर-3
19.गुस्सा होना-5
20.ममतापूर्ण-5
22.अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली - 3529 का हल

बायर्स की रजिस्ट्री नहीं कराने पर 95 सोसाइटी को नोटिस

आज होगी नोएडा डीएम की बिल्डरों के साथ बैठक, दिया जाएगा अल्टीमेटम

नोएडा। फ्लैटों की रजिस्ट्री नहीं कराने वाले बिल्डरों के साथ गुरुवार को डीएम मनीष कुमार वर्मा कलेक्ट्रेट में बैठक करेंगे। अधिकारियों का कहना है कि अब बिल्डरों को रजिस्ट्री कराने के लिए अल्टीमेटम दिया जाएगा।

नोएडा, ग्रेनो व यमुना प्राधिकरण ने कई ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी को ऑक्यूपेंसी व कंपलीशन सर्टिफिकेट जारी कर रखा है।

इसके बाद संबंधित सोसाइटी के बिल्डर फ्लैटों की रजिस्ट्री नहीं करा रहे हैं। करीब डेढ़ महीने पहले डीएम ने कलेक्ट्रेट में बैठक में बिल्डरों को एक महीने के अंदर रजिस्ट्री कराने के निर्देश दिए थे। लेकिन तक इस प्रक्रिया में खास तेजी नहीं आई है।

बिल्डरों ने नहीं दिया कोई जवाब

इससे पहले निबंधन विभाग ने नोएडा की 30, ग्रेनो व यमुना की 65 बिल्डर सोसाइटियों को नोटिस जारी कर रजिस्ट्री कराने के लिए कहा था। निबंध विभाग के एआईजी भोला शंकर वर्मा ने बताया कि नोटिस देने के बाद भी बिल्डरों ने न तो कोई संतोषजनक जबाव दिया और न ही रजिस्ट्री कराई।

बिल्डरों की इस लापरवाही के चलते फ्लैट खरीदारों को मालिकाना हक नहीं मिल पा रहा है जिससे वे विभिन्न सरकारी योजनाओं, ऋण और अन्य सुविधाओं से वंचित रह जा रहे हैं। अब बिल्डरों पर सख्ती बरतने के लिए

गुरुवार को डीएम ने कलेक्ट्रेट में बैठक बुलाई है। इस बैठक में तय होगा कि ऐसे बिल्डरों के खिलाफ क्या एक्शन लिया जाए।

अमिताभ कांत की सिफारिश नहीं ले रहे लाभ

बता दे रजिस्ट्री के लिए प्रदेश सराकर नोएडा , ग्रेटरनोएडा और यमुना में अमिताभ कांत की सिफारिश लागू की थी।

जिसके तहत बिल्डरों को कुल बकाया का 25 प्रतिशत जमा करना था। जिसके बाद बायर्स की रजिस्ट्री हो सकती है। नोएडा में 57 बिल्डर परियोजनाएं है। जिसमें से जिसमें से 27 बिल्डर प्रोजेक्ट ने कुल बकाया का 25 प्रतिशत राशि को जमा कराया।

नोएडा में 3621 बायर्स की रजिस्ट्री

इस तरह से अब तक प्राधिकरण को 502 करोड़ रुपए मिले। इसके सापेक्ष 3621 बायर्स की रजिस्ट्री हो चुकी है। प्राधिकरण ने बताया कि रजिस्ट्री कराने के लिए कैंप लगाने का सिलसिला लगातार जारी है। इसके बाद भी अब भी ऐसे बिल्डर है जिन्होंने इसका लाभ नहीं लिया और न ही बायर्स की रजिस्ट्री करवा रहे है। यही हाल ग्रेटरनोएडा और यमुना का भी है। यहां भी बिल्डर अमिताभ कांत की सिफारिश के तहत पैसा जमा नहीं कर रहे। जिससे बायर्स की रजिस्ट्री नहीं हो रही। यही वजह है कि आज डीएम कार्यालय में बैठक की जाएगी।

नोएडा में 117 सोसाइटी को जारी हो रहा नोटिस

स्वयं नहीं कर रहीं गीले और सूखे कचरे का निस्तारण, प्राधिकरण को राजस्व नुकसान

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण बल्क वेस्ट जनरेट करने वाली 117 सोसाइटी को नोटिस जारी कर रहा है। ये सभी वो सोसाइटी है जो रोजाना करीब 100 किलो वेस्ट पैदा कर रहा है।

नियमत: इन सोसाइटी को अपने परिसर में ही कूड़ा निपटारा के लिए प्लांट लगाना था। लेकिन ऐसा इन्होंने नहीं किया। बल्कि अपना कूड़ा या तो खुले में फेंका या फिर डोर टू डोर कूड़ा उठाने वाले एजेंसी को दिया।

प्राधिकरण को राजस्व नुकसान

डोर टू डोर एजेंसी कूड़ा उठाने के लिए प्रत्येक फ्लैट से पैसा लेती है। जबकि उसका प्राधिकरण के साथ एक निश्चित मात्रा में रोजाना कूड़ा निस्तारण का एग्रीमेंट है। इससे ज्यादा कूड़ा निस्तारित करने पर होने वाला अतिरिक्त खर्चा प्राधिकरण को वहन करना पड़ता है। ऐसे में हर बार कंपनी

ज्यादा कूड़ा दिखा रही है। जबकि ये पैसा फ्लैट मालिकों से ले रही है। ऐसे में दोनों तरफ से एजेंसी की कमाई हो रही है।

5 हजार वर्गमीटर और बड़े भूखंड पर लागू नियम

नियमों के तहत पांच हजार वर्ग मीटर या इससे बड़े आकार के जो भी भूखंड है उनके अपने परिसर में ही कूड़ा निस्तारण की प्रक्रिया करनी चाहिए लेकिन नोएडा में ऐसा नहीं हो रहा है। ऐसे भूखंडों पर सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट जरुरी है। नोएडा क्षेत्र में करीब 117 ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी हैं।

गीला और सूखा दोनों कचरे का करना है निपटारा

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया पांच हजार वर्ग मीटर से अधिक भूखंड वाले बड़े कूड़ा उत्पादकों की श्रेणी में आते हैं। ऐसे उत्पादकों को अपने परिसर में ही गीले-सूखे कूड़े के लिए निस्तारित प्लांट लगाना जरुरी है।

नोएडा में घर-घर से कूड़ा उठाने का काम एजी एनवायरो एजेंसी करती है। यह एजेंसी ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी से प्रति फ्लैट के हिसाब से शुल्क ले लेती है लेकिन जब इस कूड़े का निस्तारण होता है तो उसका खर्चा प्राधिकरण को वहन करना होता है।

15 दिन में प्रस्तुत करे कार्ययोजना

नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ वंदना त्रिपाठी ने बताया कि सभी ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी को जल्द नोटिस जारी करने शुरू किए जाएंगे।

सोसाइटी वालों को 15 दिन में कूड़ा निस्तारण की योजना बतानी होगी। अगर कूड़ा निपटारा नहीं करते है तो यह शुल्क प्राधिकरण को देना होगा।

ग्रीष्मकालीन कीट/ रोग एवं खरपतवार नियंत्रण हेतु एडवाईजरी जारी

गाजियाबाद। फसलों में प्रतिवर्ष कीट/रोग एवं खरपतवार से होने वाली क्षति एवं कृषि रक्षा रसायनों के अविवेकपूर्ण प्रयोग से स्वास्थय पर प्रतिकूल प्रभाव के दृष्टिगत परम्परागत कृषि विधियों मेंडो की साफ सफाई एवं जुताई के साथ-साथ भूमि शोधन एवं बीज शोधन को अपनाया जाना नितान्त आवश्यक है।

इससे कीट/रोग एवं खरपतवारों का प्रकोप कम होन के साथ उत्पादन में वृद्धि होती है तथा कृषकों की उत्पादन लागत कम होने से उनकी आय में वृद्धि होती है। इन विधियों को सही तरीके से अपनाने हेतु जिला कृषि रक्षा रक्षा अधिकारी गाजियाबाद श्री विकास कुमार द्वारा कृषकों को सलाह दी। मेंडो की सफाई- मेडो पर उगने वाले खरपतवारों की सफाई से किनारों की प्रभावित फसलों के बीच खाद एवं उर्वरकों की प्रतिस्पर्धा कम हो जाती है खरपतवारों को आगामी बोयी जाने वाली फसल में फैलने से रोका जा सकता है।

माह दिसम्बर में गेहूं की फसल में दीमक एवं खरपतवार नियंत्रण का कार्य आवश्यक है। मेंडो पर उगे हुये खरपतवारों को नष्ट करने से हानिकारक कीटों एवं सूक्ष्म जीवों के आश्रय नष्ट हो जाते है। सिंचाई के जल को खेत में रोकने में सहायता मिलती है।

ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई - ग्रीष्मकालीन जुताई करने से मृदा की संरचना में सुधार होता है जिससे मृदा की जलधारण क्षमता बढती है। खेतों की कठोर परत को तोडकर मृदा को जड़ों के विकास के लिये अनुकूल बनाने हेतु गहरी जुताई अत्यन्त लाभकारी होती है।

खेत में उगे हुये खरपतवार एवं फसल अवशेष मि ?ट्टी में दबकर सड़ जाते हैं। जिससे मृदा में जीवांश की मात्रा बढ़ती है।

कंस्ट्रक्शन साइट के लेबर आवास में आग, मजदूरों का सामान जला

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के दादरी में शिव नादर कॉलेज में तिरुपति कंस्ट्रक्शन के लेबर आवास में आग लग गई। आग लगने के समय सभी मजदूर काम पर गए हुए थे। इस वजह से कोई जनहानि नहीं हुई।

घटना नॉर्थलैंड अंडरपास के पास स्थित निर्माणाधीन साइट पर हुई। आग इतनी तेज थी कि देखते ही देखते पूरे लेबर आवास में फैल गई। मजदूरों का सारा सामान जलकर राख हो गया।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की

कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। थाना दादरी पुलिस भी मौके पर पहुंची। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

ग्रेटर नोएडा में पानी की बर्बादी को रोकने की पहल

20 करोड़ की लागत से लगेंगे स्मार्ट मीटर, एसीईओ ने दिए टेंडर जारी करने के निर्देश

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने पानी की बर्बादी को रोकने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। प्राधिकरण स्मार्ट मीटर लगाने की योजना पर काम करेगा। इस परियोजना पर 20 करोड़ रुपए से अधिक खर्च होने का अनुमान है।

प्राधिकरण की एसीईओ प्रेरणा सिंह ने जल और सीवर विभाग की समीक्षा बैठक की। उन्होंने जल विभाग को स्मार्ट मीटर योजना का टेंडर जल्द जारी करने के निर्देश दिए। गर्मी के मौसम में

पानी की बढ़ती मांग को देखते हुए जलापूर्ति नेटवर्क को दुरुस्त करने के आदेश दिए गए। साथ ही सीवर के ओवरफ्लो को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा गया। एसीईओ ने गंगा जल परियोजना में तेजी लाने के निर्देश दिए। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में प्रस्तावित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के कार्यों को भी गति देने को कहा। समीक्षा बैठक में ओएसडी अभिषेक पाठक, वरिष्ठ प्रबंधक राजेश गौतम, गुरविंदर सिंह, विनोद शर्मा और वर्क सर्कल के प्रभारी प्रभात शंकर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

नोएडा प्राधिकरण ने कब्जा मुक्त कराई 30 करोड़ की जमीन

10 हजार वर्गमीटर जमीन पर हो रही थी अवैध प्लाटिंग, निर्माण पर चलाया जेसीबी

नोएडा। नोएडा में अवैध निर्माण ध्वस्त करने को लेकर अभियान जारी है। बुधवार को प्राधिकरण ने सेक्टर-81 में सैमसंग कंपनी के पीछे 10 हजार वर्गमीटर जमीन को कब्जा मुक्त कराया। इस जमीन की कीमत करीब 30 करोड़ रुपए आंकी जा रही है। मास्टर प्लान 2031 के अनुसार इस जमीन का प्रयोग औद्योगिक है। यहां इंडस्ट्री लग सकती है। जिन लोगों ने यहां अवैध निर्माण किया था उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा रही है।

प्राधिकरण ने बताया कि सलारपुर गांव में खसरा नंबर 244 और 245 पर अवैध रूप से प्लाटिंग की जा रही थी। यहां कालोनी का निर्माण किया जा रहा

था। प्राधिकरण को जानकारी मिली। नोटिस जारी किया गया। नहीं मानने पर प्राधिकरण की टीम ने जेसीबी की मदद से अवैध निर्माण को ध्वस्त किया और जमीन को कब्जा मुक्त कराया। यहां प्राधिकरण ने अपना बोर्ड लगा दिया है।

खरीदने और बेचने के लिए भूमाफियाओं के चंगुल में न आए।

बता दे प्राधिकरण ने जनवरी 2024 से अब तक करीब 1.93 लाख वर्गमीटर जमीन को अतिक्रमण मुक्त किया गया। इस जमीन की लागत 1068 करोड़ रुपए आंकी गई है। इसके अलावा अभियान निरंतर जारी है। ये जमीन मास्टर प्लान 2031 के अनुसार नियोजित की गई है। यहां प्लानिंग और

बता दे ये जमीन प्राधिकरण की अधिसूचित जमीन है। दो दिन पहले ही नोएडा प्राधिकरण ने बैठक कर स्पष्ट किया था कि अधिसूचित जमीन पर अवैध निर्माण नहीं होना चाहिए। इसे ध्वस्त किया जाए। प्राधिकरण ने एडवाइजरी जारी कि इस क्षेत्र में भूखंड

परियोजनाएं बनाई जानी है। इसके अलावा जमीन अतिक्रमण और अवैध निर्माण को लेकर अब तक 24 मामलों में एफआईआर दर्ज की गई है। जबकि 118 मामलों में डीसीपी स्तर पर जांच की जा रही है। इन मामलो में भी जल्द एफआईआर की जाएगी।

नोएडा के जेवर में बनेगी सेमिकंडक्टर यूनिट

देश की छठी यूनिट होगी, हर महीने बनेंगी 3.5 करोड़ चिप; 2000 लोगों को मिलेगा रोजगार

नोएडा। नोएडा के जेवर में छठी सेमिकंडक्टर यूनिट बनेगी। इसकी घोषणा केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने केंद्रीय कैबिनेट बैठक के बाद की। इस यूनिट का निर्माण करीब 3706 करोड़ में किया जाएगा।

इससे दो हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। बता दे जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और फिल्म सिटी भी बनाई जा रही है। ऐसे में आगामी समय में ये क्षेत्र उप्र का इकोनॉमिक ग्रोथ इंजन होगा। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि अभी तक पांच सेमीकंडक्टर यूनिट बन चुकी है। अब छठी यूनिट यूपी के जेवर में बनेगी। यह एचसीएल और फॉक्सकॉन कंपनी का साझा यूनिट है। यहां डिस्प्ले ड्राइव करने वाली चिप बनेगी। इस यूनिट के निर्माण में करीब 3706 करोड़ रुपए की लागत आएगी।

एचसीएल-फॉक्सकॉन सेमीकंडक्टर संयंत्र में हर महीने 20 हजार वेफर्स बनेंगे।

HCL-फॉक्सकॉन सेमीकंडक्टर संयंत्र में मोबाइल फोन, लैपटॉप, वाहन, अन्य उपकरणों के लिए डिस्प्ले ड्राइवर चिप बनेंगे।

नोएडा में जमीन विवाद में दो भाइयों पर हमला, छठा आरोपी गिरफ्तार

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दनकौर क्षेत्र में जमीन विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। खेरली हाफीजपुर कस्बे में 15 दिन पहले दो भाइयों पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने बुधवार को एक और आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है। घटना की शिकायत सतवीर भाटी ने 1 मई को दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि पड़ोस के रेवसिंह पक्ष के लोगों ने उनके चाचा केवल और तेज सिंह पर लोहे की रॉड और डंडों से हमला किया। हमलावरों ने फायरिंग भी की, लेकिन किसी को गोली नहीं लगी। दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हुए। उनका अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस अब तक 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। छठे आरोपी कोशी उर्फ कोशेन्द्र को बुलंदशहर से पकड़ा गया। दनकौर कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि 6 और आरोपियों की तलाश जारी है। जल्द ही सभी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सोसाइटी फ्लैटों की बालकनी दीवार पर नहीं रखे गमले

नोएडा प्राधिकरण का आदेश, पूना में हुई घटना के बाद लिया निर्णय

नोएड। नोएडा प्राधिकरण ने सोसाइटी के बालकनी की दीवार ये स्टैंड पर रखे गमलों को तत्काल प्रभाव से हटाने का आदेश दिया है। ताकि संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

अगर गमला गिरने से कोई अप्रिय घटना होती है तो सोसाइटी के एओए के अध्यक्ष, सचिव जहां एओए नहीं है वहां के बिल्डर एवं फ्लैट मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। साथ ही प्राधिकरण की ओर से भी सख्त एक्शन लिया जाएगा।

100 से अधिक नोएडा सोसाइटी

दरअसल ये आदेश प्राधिकरण ने हाल ही में पूणा की एक सोसाइटी में हुई घटना के बाद लिया। जिसमें सोसाइटी के फ्लैट से गमला गिरने से एक बच्चे की मौत हो गई थी। बता दे नोएडा में 100 से ज्यादा सोसाइटी है। जिसमे टावरों के बीच जाल नहीं लगे है।

लोग बालकनी में पेरा पेट वॉल पर अक्सर गमले रख देते है। ये गमले तेज हवा या किसी अन्य कारण से नीचे गिर जाते है। अक्सर ऐसी घटना यहां हो चुकी है। लेकिन इन घटनाओं में अब तक कोई घायल या कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ।

एओए सोसाइटी के लोगों के दे जानकारी

ऐसे में प्राधिकरण ने अब ये फैसला लिया है कि यहां किसी भी सोसाइटी के फ्लैट की बालकनी के पेरा पेट वॉल पर गमले नहीं रखे जाएंगे। अगर ऐसा होता है तो एक्शन लिया जाएगा।

बतौर गमले हटवाने की जिम्मेदारी भी एओए की होगी। वो सोसाइटी में नोटिस बोर्ड या वॉट्सऐप ग्रुप पर सोसाइटी में रहने वाले लोगों को एसएमएस करे।

लोगों को इस कार्य के लिए जागरूक करे ताकि इस तरह की घटना नोएडा में नहीं हो सके।

शार्ट न्यूज

गाड़ियों से बैट्री चोरी करने करने वाले 02 शातिर चोरो को मुठभेड़ के बाद किया गिरफ्तार

गाजियाबाद । गाजियाबाद में थाना सिहानी गेट पुलिस को मुखबिर सूचना मिली की पिछले दिनों में थाना क्षेत्र के पटेल नगर व लोहिया नगर में वाहनो से चोरी हुई बैट्री चोरी करने वाले चोर डीपीएस कट की तरफ से आने वाले है। जिसको लेकर पुलिस द्वारा बैरिगेट लगाकर चेकिंग की जा रही थी। इस दौरान स्कूटी सवार दो लोगों को रुकने के लिए इशारा किया गया कहा गया तो वह तेजी से स्कूटी चलाकर भागने लगे तभी इनकी स्कूटी फिसल गई और पुलिस पर फायरिंग की गई पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक बदमाश आँशु के पैर में गोली लगी है जिसको घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती किया गया। वहीं इसके दूसरे साथी प्रमोद को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिसकी निशांदेही पर चोरी की 23 बैटरी पुलिस ने बरामद की है। घायल बदमाश आँशु के विरुद्ध थाना मसूरी में 06 , थाना इंद्रापुरम पर 05 , थाना धौलाना पर 02, थाना फेज थर्ड नोएडा पर 01, थाना हसनपुर अमरोहा पर 01, थाना सिहानी गेट 03मुक़द्दमे दर्ज है, कुल 18 मुकद्दमे दर्ज है। पुलिस आरोपियों के कब्जे से एक तमंचा .315 बोर, 02 कारतुस .315 बोर, (01 जिन्दा, 01 खोखा) 01 स्कूटी बरामद की है।

जिलाधिकारी ने की जनसुनवाई

गाजियाबाद। कलेक्ट्रेट स्थित जिलाधिकारी कार्यालय में जिलाधिकारी श्री दीपक मीणा ने जनसुनवाई की। जिलाधिकारी महोदय ने जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों एवं आवेदनों को पढ़ते हुए प्रार्थियों से उक्त प्रकरण के बारे में अवगत हुए। उन्होने प्रार्थियों को आवश्वस्त किया कि शिकायतों का समयान्तराल में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराया जायेगा। जिलाधिकारी महोदय द्वारा कुछ मामलों का सम्बंधित से वार्ता कर मौके पर ही ?पूर्ण गुणवत्ता से निस्तारित करा दिया गया। शेष शिकायतों को सम्बंधित अधिकारी को निराकरण हेतु भेजते हुए, शिकायतों का पूर्ण गुणवत्ता एवं समयान्तराल में निस्तारण के लिए निर्देशित किया। जन सुनवाई के दौरान पुलिस विभाग, जीडीए, नगर निगम, राजस्व विभाग, स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग, बैंक, पेंशन, घरेलू झगड़ें से सम्बंधित शिकायतें प्राप्त हुई।

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना संचालन हेतु दिशा निर्देश एवं गाइड लाईन निर्गत किया गया है

गाजियाबाद। जिला समाज कल्याण अधिकारी, वेद प्रकाश मिश्र ने प्रेस विज्ञप्ति- के माध्यम से बताया है कि उपरोक्त के क्रम में जनपद में इन्ग्राहम इन्टर कालेज, गाज़ियाबाद में अभ्युदय योजनान्तर्गत सिविल सर्विसेज, जे0ई0ई0, नीट, एन0डी0ए0, सी0डी0एस0 एवं एक दिवसीय परीक्षा की कोचिंग हेतु योग्य अनुभवी एवं प्रोफेशनल व्याख्याताओं की सेवाये चयन समिति की अनुशंसा से परीक्षण व्याख्यान / ट्रायल लेक्चर के उपरान्त जिला समिति द्वारा सूचीबद्ध किया जायेगा। व्याख्याताओं को प्रति व्याख्यान 2000/- कार्मिक अनुभाग के शासनादेश दिनांक 03.09.2014 के अनुरूप मानदेय का भुगतान किया जायेगा। एक व्याख्यान की अवधि 90 मिनट होगी। एक अतिथि प्रवक्ता को प्रतिमाह अधिकतम 30 व्याख्यान तक अनुमन्य होंगे। जनपद में सिविल सर्विसेज, जे0ई0ई0, नीट, एन0डी0ए0, सी0डी0एस0 एवं एक दिवसीय परीक्षा की कोचिंग संचालित किये जाने हेतु इच्छुक योग्य एवं अनुभवी शिक्षकों से आवेदन पत्र मय अनुभव प्रमाण— पत्र सहित दिनांक 31.05.2025 तक विकास भवन के भूतल स्थित जिला समाज कल्याण अधिकारी, गाज़ियाबाद के कार्यालय कक्ष संख्या 110-111 में आमंत्रित किये जाते है।

नोएडा में सड़कों की खस्ता हालत

नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रबंधक नागेंद्र सिंह को बुधवार को करप्शन फ्री इंडिया संगठन ने एक ज्ञापन सौंपा। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष बलराज हूंण के नेतृत्व में यह ज्ञापन क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर दिया गया। संगठन के संस्थापक चौधरी प्रवीण भारतीय ने कासना गांव की समस्याओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि गांव में स्ट्रीट लाइट, नालियों की व्यवस्था, सफाई और मुख्य सड़कों की स्थिति बेहद खराब है। प्रदेश महासचिव मास्टर दिनेश नागर ने बिलासपुर क्षेत्र की स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि जुनेदपुर, रोशनपुर, गड़ाना, झालडा और तालडा गांवों की सड़कें गड्ढों से भरी हुई हैं। इससे लोगों को आवागमन में परेशानी होती है और दुर्घटनाएं भी होती रहती हैं। ज्ञापन सौंपने के दौरान आलोक नागर, कुलबीर भाटी, हरीश भाटी, गौरव भाटी, राकेश नागर, जयचंद भाटी, सतेंद्र खारी, भूपेंद्र सिंह, अनूप कसाना, रामविलास, लोकेश वाल्मीकि, सुनील वाल्मीकि और श्यामवीर भाटी सहित कई लोग मौजूद थे।

अखिलेश को सोशल मीडिया पर मिली धमकी

नोएडा। सूरजपुर जिला न्यायालय ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को धमकी देने के मामले में पुलिस को एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। मामला 12 अप्रैल का है, जब आगरा में विरोध प्रदर्शन के दौरान एक युवक ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर अखिलेश यादव को गोली मारने की धमकी दी थी। वीडियो में धमकी देने वाले युवक की पहचान अमरेंद्र प्रताप सिंह के रूप में हुई। अधिवक्ता रामशरण नागर ने 19 अप्रैल को सूरजपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद 21 अप्रैल को पुलिस आयुक्त को भी शिकायत की गई, लेकिन वहां भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। अधिवक्ता ने 23 अप्रैल को सूरजपुर जिला न्यायालय में याचिका दायर की। द्वितीय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने 13 मई को सुनवाई करते हुए सूरजपुर थाना को एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया। अदालत ने सोशल मीडिया पर की गई इस पोस्ट को राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी माना है। कोर्ट ने तकनीकी जांच और साक्ष्यों के आधार पर एफआईआर दर्ज करना जरूरी माना है। साथ ही एक सप्ताह के भीतर जांच रिपोर्ट न्यायालय में प्रस्तुत करने का आदेश दिया है।

भाई की हत्या का बदला, ग्रेटर नोएडा में युवक को मारी गोली, दो आरोपी गिरफ्तार

जेवर। ग्रेटर नोएडा में एक पुरानी रंजिश का मामला सामने आया है। दनकौर रेलवे स्टेशन रोड पर फल खरीदने आए 21 वर्षीय विशाल की सोमवार रात बाइक सवार बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक विशाल बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के सादोपुर गांव का रहने वाला था। वह कई वर्षों से परिवार के साथ रेलवे स्टेशन रोड पर मंडी श्याम नगर कस्बे में रह रहा था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के अनुसार, विशाल के दाएं कंधे में लगी गोली सीधे हृदय तक पहुंच गई, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक के पिता विजय की शिकायत पर पुलिस ने अच्छेजा गांव के रहने वाले चार सगे भाइयों समेत पांच लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है।

प्रधान की हत्या कर हिस्ट्रीशीटर बोला- चुनाव हम ही लड़ेंगे

बागपत में बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की, बचाव में रिटायर्ड दरोगा का बेटा घायल

बड़ौत, बागपत। बागपत में बाइक सवार 2 बदमाशों ने बुधवार की शाम ताबड़तोड़ फायरिंग कर ग्राम प्रधान की गोली मारकर हत्या कर दी। बचाव करने दौड़े रिटायर्ड दरोगा के बेटे को भी गोली मारी। इससे वह घायल हो गया। अन्य ग्रामीणों ने भागकर अपनी जान बचाई।

हिस्ट्रीशीटर ने भागते वक्त ऐलान किया कि गांव में चुनाव वही लड़ेगा। कोई कुछ भी कर ले। इसके बाद दोनों बदमाश तमंचा लहराते हुए फरार हो गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। आसपास के लोगों और परिजनों से मामले की जानकारी ली। बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए एसपी ने कई टीमें बनाई हैं। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज भी देखी जा रही है। प्रधान को उनके कंधे और कमर में चार गोली मारी है। जबकि उनके साथी को दो गोली लगी है। वारदात के बाद से गांव में तनाव है। फोर्स तैनात की गई है। मामला बड़ौत के सिरसली गांव का है।

दोस्त के घर के बाहर ताश खेल रहा था प्रधान

सिरसली गांव के प्रधान धर्मेंद्र तोमर बुधवार की शाम बुलेट से टेंपो स्टैंड के पास अपने दोस्त रिटायर्ड दरोगा तेजवीर के घर गए थे। वहां तेजवीर के घर के बाहर ग्रामीणों के साथ ताश खेल रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार दो हिस्ट्रीशीटर आए और तमंचा निकालकर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं।

मेरठ ले जाते समय रास्ते में हुई मौत

फायरिंग देख तेजवीर के बेटे विनीत ने बदमाशों को पकड़ने की कोशिश की। लेकिन बदमाशों ने उन पर भी फायर

झोंक दिया। मौके पर मौजूद सपा नेता धर्मवीर ने पुलिस को सूचना दी। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को बिनौली सीएचसी भेजा। वहां इलाज के बाद मेरठ रेफर कर दिया गया। लेकिन, प्रधान धर्मेंद्र तोमर की रास्ते में मौत हो गई। घायल विनीत का इलाज चल रहा है।

बदमाश बोले- इस बार तुम्हें चुनाव नहीं लड़ना है

प्रत्यक्षदर्शी सपा नेता धर्मवीर ने बताया, घटना के दौरान काफी संख्या में लोग वहां पर मौजूद थे। तभी हिस्ट्रीशीटर आयुष बाइक पर अपने एक साथी के साथ प्रधान धर्मेंद्र के पास पहुंचा। बाइक रोककर कहने लगा कि इस बार तुम्हें चुनाव नहीं लड़ना है। चुनाव हम लड़ेंगे। इस पर प्रधान धर्मेंद्र ने कहा कि चुनाव मैं ही लड़ूंगा।

यह बात सुनकर हिस्ट्रीशीटर आयुष व उसके साथी ने प्रधान धर्मेंद्र पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी।

पूर्व प्रधान राजू तोमर ने बताया, शरीर में चार गोली लगने से प्रधान धर्मेंद्र की हालत गंभीर हो गई थी। मेरठ ले जाते समय धर्मेंद्र की मौत हो गई। मेरठ कॉलेज में गुरुवार को उनका पोस्टमॉर्टम किया जाएगा।

प्रधानी का चुनाव लड़ना चाहता है हिस्ट्रीशीटर

ग्रामीणों का कहना है कि हिस्ट्रीशीटर आयुष अपने परिवार के लोगों को प्रधानी का चुनाव लड़ना चाहता है। वह चुनाव लड़ने की तैयारी भी कर रहा था। लेकिन धर्मेंद्र उसके रास्ते में रुकावट बन रहे थे।

जेल कुछ दिन पहले छूटकर आया था हिस्ट्रीशीटर

हिस्ट्रीशीटर आयुष हत्या के प्रयास में हरिद्वार जेल में बंद था। कुछ दिन पहले जमानत पर आया है। हिस्ट्रीशीटर आयुष पर करीब 10 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। उसके पिता सतेन्द्र व अन्य भी गांव में चल रही रंजिश में हत्या के मामले में जेल में सजा काट रहे हैं।

एसपी सूरज कुमार राय का कहना है कि सिरसली गांव के ही हिस्ट्रीशीटर आयुष व उसके साथी ने ग्राम प्रधान की गोली मारकर हत्या की है। आयुष पर करीब 10 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। चुनाव को लेकर हत्या की गई है। आरोपियों की धर पकड़ के लिए पुलिस दबिश दे रही है।

आगरा पुलिस को चकमा देकर भागा करणी सेना का अध्यक्ष

चैलेंज देकर पहुंचा था; भड़के पुलिसवालों ने कार्यकर्ताओं पर बरसाईं लाठियां

आगरा। आगरा पुलिस को चकमा देकर करणी सेना युवा का राष्ट्रीय अध्यक्ष ओकेंद्र राणा भाग गया। इसके बाद गुस्साए पुलिसवालों ने कार्यकर्ताओं पर जमकर लाठियां बरसाईं। पुलिस ने पांच आयोजकों को हिरासत में लिया है। ओकेंद्र राणा पर राणा सांगा को गद्दार कहने वाले सपा सांसद रामजी लाल सुमन के घर पर हमला करने का आरोप है।

दरअसल, ओकेंद्र राणा ने 2 दिन पहले आगरा पुलिस को चुनौती दी थी। उसने कहा था- 14 मई को आ रहा हूं। विशाल क्षत्रिय शक्ति सम्मेलन में आप सभी साथियों का स्वागत है। इसके बाद पुलिस अलर्ट हो गई थी। आज जैसे ही ओकेंद्र राणा नौफरी गांव में पहुंचा। वहां भारी संख्या में पुलिस फोर्स पहुंच गई।

पुलिस ने कार्यक्रम रोकने की कोशिश की। इस पर ओकेंद्र राणा और पुलिसकर्मियों के बीच नोकझोंक और हॉट-टॉक हो गई। ओकेंद्र राणा के समर्थकों ने पुलिसवालों को घेर लिया। इसी बीच, मौका पाकर ओकेंद्र राणा वहां से फरार हो गया।

आगरा में ओकेंद्र को दो कार्यक्रमों में शामिल होना था। एक कार्यक्रम

इसौली में था, जो नौफीर गांव से 15 किलोमीटर की दूरी पर है। दूसरा कार्यक्रम सिकरारा गांव में था, जो नौफीर गांव से करीब 45 किलोमीटर दूर है।

नौफरी गांव की सड़क के किनारे युवाओं ने एक बोर्ड लगाया। इस पर महाराणा प्रताप की पेंटिंग थी। लिखा था- राजपूतों के गढ़ में आपका स्वागत है। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप सिंह। इसी बोर्ड का अनावरण ओकेंद्र राणा करने पहुंचा था। ओकेंद्र के पहुंचने पर भीड़ बढ़ गई।

इस बोर्ड को लेकर गांव के ही कुछ लोगों ने विरोध किया। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बोर्ड के अनावरण के लिए मना किया। कहा- बिना अनुमति के बोर्ड नहीं लगाया जा सकता। इसी बात पर तनातनी बढ़ गई और मौका पाकर ओकेंद्र फरार हो गया।

पुलिस ने 5 आयोजकों को हिरासत में लिया

ओकेंद्र राणा के भागते ही पुलिसकर्मी खिसिया गए। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद लोगों पर लाठीचार्ज शुरू कर दिया। पुलिस ने बताया- थाना फतेहाबाद क्षेत्र के सिकरारा गांव में महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन था। आयोजकों ने कार्यक्रम की अनुमति नहीं ली थी। एसीपी और इंस्पेक्टर मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कार्यक्रम को रुकवा दिया। वहीं पुलिस ने 5 आयोजकों को हिरासत में लिया है।

राजघाट पर गंगा में नहाते समय डूबा युवक

वाराणसी। वाराणसी के राजघाट पर नहाने के दौरान गहरे पानी में जाने के कारण एक युवक डूब गया। घाट पर मौजूद लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से युवक को बाहर निकाल कर मंडलीय अस्पताल भेजा, जहां पर चिकित्सकीय परीक्षण के बाद डॉक्टर ने उसे को मृत घोषित कर दिया। युवक नीले कलर की लोवर और भूरे कलर की चेकदार शर्ट पहने हुए था। इंस्पेक्टर आदमपुर वीरेंद्र सोनकर ने बताया कि मृत युवक की पहचान देर रात तक नहीं हो पाई थी। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और पुलिस मृतक की पहचान में जुटी है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक युवक राजघाट पर नशे की हालत में पहुंचा था और कुछ देर घाट पर टहलने के बाद वह नहाने के लिए पानी में उतर गया। इस समय वाराणसी में गर्मी के बढ़ते प्रकोप के साथ गंगा नदी का जलस्तर लगातार घटता जा रहा है। घाटों पर सीढ़ियाँ अब पानी से काफी ऊपर दिखाई देने लगी हैं, जिससे गंगा में स्नान करना खतरे से खाली नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार, जलस्तर में आई गिरावट और गहराई का सही अंदाजा न लग पाने से हादसों का खतरा बढ़ गया है।

पत्नी और प्रेमी ने मिलकर पति को मार डाला

- पहले शराब पार्टी की, फिर लाठी से पीट-पीटकर कर दी हत्या, 5 साल से था प्रेम-प्रसंग

फतेहाबाद। आगरा के थाना शमशाबाद में एक युवक की हत्या कर दी गई।

हत्या युवक की पत्नी और उसके प्रेमी ने मिलकर की। पहले दोनों ने शराब पार्टी की। इसके बाद पहुंची पत्नी और प्रेमी ने लाठी से पीट-पीटकर मार डाला। इसके बाद दोनों फरार हो गए। मंगलवार को युवक का शव खेत में पड़ा मिला था। पुलिस ने आरोपी पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने 12 घंटे के अंदर मामले का खुलासा किया है। मामला आगरा के थाना शमशाबाद क्षेत्र के महरमपुर गांव का हैं।

बाजार में प्रेमी के साथ पत्नी को देखकर हुआ था झगड़ा

गांव निवासी भीमसेन ने दो दिन पहले अपनी पत्नी बबीता को गांव के ही रहने वाले प्रेमी दीपक और दीपू के साथ बाजार में देखा। इस पर इस पर दीपक और भीमसेन के बीच झगड़ा हुआ।

इसके बाद मामला सुलझाने के नाम पर सोमवार रात को दारू पार्टी का आयोजन किया गया। महिला का पति व प्रेमी खेतों पर बने मकान में दारू पार्टी कर रहे थे, जिसके लिए वह ढाबे से चिकन और रोटियां भी लेकर आए। शराब की बोतल और गिलास का भी प्रबंध किया गया।

शराब पार्टी में पहुंची पत्नी तो फिर शुरू हो गया विवाद

पार्टी अपने शबाब पर थी कि अचानक पत्नी वहां पहुंच गई। इससे माहौल तनावपूर्ण हो गया और विवाद शुरू हो गया।

विवाद के दौरान पत्नी और उसके प्रेमी ने मिलकर पति की पिटाई शुरू कर दी। प्रेमी ने लाठी से वार कर पति को मौत के घाट उतार दिया।

इसके बाद शव को घसीटते हुए खेत में फेंक कर अपने अपने घर चले गए। जब सुबह हुई तो गांव वालों को उसका शव पड़ा मिला।

गांव के खेतों में पड़ा मिला था शव

मृतक का शव गांव से दूर खेतों में मिला था। घटनास्थल पर शराब के खाली पाउच और गिलास बरामद हुए थे। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक की पत्नी का गांव के एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि शराब पार्टी के दौरान हत्या की गई।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में सीबीएमआर की शासी निकाय की बैठक संपन्न

लखनऊ। प्रदेश के मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में सेण्टर ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च (सीबीएमआर) की शासी निकाय की बैठक आयोजित की गई।

अपने संबोधन में मुख्य सचिव ने सीबीएमआर द्वारा किये जा रहे शोध कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सीबीएमआर में उन्नत तकनीकी पर आधारित शोध कार्यों का लाभ प्रदेश व देश में विभिन्न बीमारियों से ग्रसित रोगियों को मिले, इसके लिये कारगर कदम उठाये जायें। तकनीकी का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाये और चिकित्सकों को संस्थान द्वारा विकसित तकनीकों के बारे जागरूक किया जाये। इससे न केवल संस्थान द्वारा विकसित तकनीकों को लोकप्रियता हासिल होगी, बल्कि इसका लाभ रोगियों के उपचार में भी मिलेगा। उन्होंने वृद्धावस्था में शरीर को स्वस्थ रखने के लिए अनुसंधान करने का सुझाव भी दिया। उन्होंने कहा कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश उत्तरोत्तर बढ़ोत्तरी कर वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी का लक्ष्य प्राप्त करने हेतु अग्रसर है। जनहित में किये जा रहे शोध कार्यों में शासन द्वारा संस्थान का हर संभव सहयोग किया जायेगा।

इससे पूर्व, शासी निकाय की बैठक में सीबीएमआर के निदेशक श्री आलोक धवन द्वारा संस्थान की उपलब्धियों से अवगत कराया गया। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चिकित्सा शिक्षा विभाग के अन्तर्गत स्थापित एक स्वायत्तशासी सेन्टर है जो कि लगभग 19 वर्षों से जैव चिकित्सा के क्षेत्र में अनुसंधान करने वाला भारत का एक अग्रणी संस्थान है।

जनपद में उ0प्र0 विधान परिषद की संसदीय अध्ययन समिति ने भ्रमण कर अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

अधिकारी, जनप्रतिनिधियों के पत्रों पर कृत कार्यवाही से अवगत करायें : सदस्यगण

ललितपुर। सरकार बनने से अब तक विभागों में मा0 जनप्रतिनिधियों के पत्रों पर की गई कार्यवाही की समीक्षा हेतु सुरेन्द्र चौधरी सभापति उ0प्र0 विधान परिषद की संसदीय अध्ययन समिति की अध्यक्षता एवं समिति के सदस्यगण माननीय सदस्य विधान परिषद-श्री उमेश द्विवेदी, किरणपाल कश्यप, डॉ बाबू लाल तिवारी, रामरतन कुशवाहा सदर विधायक की गरिमामयी उपस्थिति में कलैक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रभारी जिलाधिकारी अंकुर श्रीवास्तव, पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक व मुख्य विकास अधिकारी कमलाकांत पाण्डेय ने सभी

मा0 जनप्रतिनिधियों का बुके भेंट कर स्वागत किया। बैठक में मा0 सभापति सुरेन्द्र चौधरी ने कहा कि संसदीय अध्ययन समिति का उद्देश्य कार्यपालिका व विधायिका के बीच अच्छा तालमेल बैठाकर जनता की अपेक्षाओं को पूरा करना और सेवा करना है। अधिकारियों और माननीय जनप्रतिनिधियों के बीच के समन्वय को मजबूत करने के लिए यह बैठक की जा रही है, इससे पता चलता है अधिकारी जनप्रतिनिधियों के पत्रों को कितनी गंभीरता देते हैं। उन्होने निर्देश देते हुए कहा कि सभी विभागों में जनप्रतिनिधियों के पत्रों का एक रजिस्टर बनाया जाए और नियमित रुप से पत्रों का विवरण एवं उन पर की गई कार्यवाही अंकित की जाए। अधिकारी समय-समय पर विधायकगणों से वार्ता कर विकास कार्यों के बारे में जानकारी देते रहें और उनके द्वारा बतायी गई जनसमस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित कराते हुए अवगत भी करायें। इसके साथ ही सरकार की मंशानुसार सहरिया, मलिन बस्तियों, वंचित आबादी वाले क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत आच्छादन सुनिश्चित करायें। इसी प्रकार मा0 सदर विधायक रामरतन कुशवाहा ने कहा कि जनपद में समिति का आना हम सब के लिए प्रसन्नता की बात है।

नवीन पर्यटन नीति के प्रचार प्रसार हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

ललितपुर। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अंकुर श्रीवास्तव ने जिले में नवीन पर्यटन नीति 2022 के प्रचार प्रसार को लेकर एक दिवसीय पर्यटन नीति कार्यशाला का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया। कार्यशाला में लखनऊ से केपीएमजी टीम ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के द्वारा पर्यटन नीति के अंतर्गत चिन्हित गतिविधियों यथा होटल, बजट होटल, वेलनेस सेंटर, स्टार वर्गीकृत होटल, हेरीटेज होम स्टे, फार्म स्टे, साह ?सिक पर्यटन परियोजना, मौसमी अस्थायी शिविर, कन्वेंसम सेंटर, कारवाँ पर्यटन ईकाइया, ईको पर्यटन रिजॉर्ट, प्रकाश

एवं ध्वनि शो, स्थायी तंबू आवास, धर्मशालाओं एवं आश्रम, सार्वजनिक संग्रहालय, ग्रामीण गृह प्रवास, थीम पार्क/मनोरंजन पार्क वाटर पार्क, पर्यटन सेवा प्रदाता, ढाबे आदि में निवेश करने पर प्रोत्साहन/सब्सिडी छूट आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई जिसमें बताया गया कि रु0 10 लाख से रु0 10 करोड़ तक 25 प्रतिशत सब्सिडी, रु0 10 करोड़ से अधिक तथा रु0 50 करोड़ तक 20 प्रतिशत, रु0 50 करोड़ से अधिक तथा रु0 200 करोड़ तक 15 प्रतिशत, रु0 200 करोड़ से अधिक तथा रु0 500 करोड़ तक 10 प्रतिशत एवं रु0 500 करोड़ से अधिक पर 10 प्रतिशत की सब्सिडी दी जाएगी एवं निवेशकों को पर्यटन विभाग के पोर्टल पर पंजीकरण कराये जाने को प्रोत्साहित किया गया। बैठक में डिस्ट्रिक्ट कोआर्डीनेटर के माध्यम से होम स्टे के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। होम स्टे के तहत पर्यटन क्षेत्रों के आसपास व्यक्तिगत घरों में कम से कम 2 और अधिक से अधिक 6 कमरों को टूरिस्टों के लिए तैयार रखा जाता है, जिस हेतु पोर्टल पर पंजीकरण कराना होता है। अब तक 22 होम स्टे रजिस्टर किये जा चुके हैं।

दहेज के लिए पत्नी-बेटियों को घर से निकाला

गोरखपुर। गोरखपुर में एक विवाहिता और उसकी बेटियों को पति ने सिर्फ इसलिए घर से निकाल दिया, क्योंकि, उसे दहेज के 5 लाख रुपए नहीं मिल रहे थे। महिला ने अपने पति और ससुराल पक्ष के अन्य सदस्यों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए तहरीर दी। इसके बाद पुलिस ने पति समेत 8 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पीड़िता का कहना है कि शादी के बाद से ही उस पर लगातार दहेज के लिए दबाव बनाया जा रहा था। पति और परिवार के अन्य सदस्य 5 लाख रुपये नकद और एक कार की मांग कर रहे थे। इनकार करने पर उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया। घटना गीडा इलाके के नौसढ़ की है। दरअसल, ससुराल वाले न केवल उसे गालियां देते थे, बल्कि उसे और उसकी दो छोटी बेटियों को पीटते भी थे। आरोप है कि अत्याचार की हद तब पार हो गई जब मारपीट कर तीनों को घर से बाहर निकाल दिया गया।

शार्ट न्यूज

दहेज हत्या के तीन आरोपी गिरफ्तार

ललितपुर। गिरार अपराध व अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में पुलिस ने दहेज हत्या के तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस ने दहेज हत्या के अभियोग में वाछिंत तीन अभियुक्तगण को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार व क्षेत्राधिकारी मड़ावरा राजेश कुमार श्रीवास्तव के निकट पर्यवेक्षण में जनपद में अपराध एवं अपराधियों की रोकथाम जुर्म जरायम, तलाश वांछित/वारंटी अपराधी की गिरफ्तार के अभियान के क्रम में थाना गिरार पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-28/2025 धारा-85/80(2) बीएनएस व ङ दहेज प्रतिषेध अधिनियम के अभियोग में वाछिंत तीन अभियुक्तगण हरिसिंह लोधी पुत्र जगतसिंह लोधी उम्र करीब 28 वर्ष जगतसिंह लोधी पुत्र ठलू लोधी उम्र करीब 50 वर्ष शीलाबाई लोधी पत्नी जगतसिंह लोधी उम्र करीब 46 वर्ष निवासीगण ग्राम सेमरखेड़ा थाना गिरार ललितपुर को नियमानुसार गिरफ्तार कर, न्यायिक अभिरक्षा हेतु मा0 न्यायालय भेजा गया ।

शॉर्ट वीडियो या रील देखे लेकिन अपने भावनाओं को रखें स्थिर : एसपी

हरिनारायण यादव व्यूरो विशाल इंडिया

गाजीपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद गाजीपुर नगर इकाई द्वारा M.A.H इंटर कॉलेज में strong emotions पर संगोष्ठी आयोजित किया ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ ईराज राजा पुलिस अधीक्षक गाजीपुर, जिला प्रमुख डॉ रवि शेखर सिंह,और कॉलेज के प्राचार्य मो.खालिद अमीर ने एक साथ दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किए ।कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र अपनी भावनाएं मजबूत कैसे बनाए। डॉ ईराज राजा ने कहा कि आज छात्र रील और शॉर्ट वीडियो को देखते देखते अपनी भावनाओ को भी शॉर्ट कर दे रहे ।उन्होंने कहा कि हम कितना भी शॉर्ट वीडियो या रील देखे लेकिन अपने भावनाओं को स्थिर रखने के लिए अभ्यास करने की जरूरत है। जब हमारी भावनाएं मजबूत होंगी तभी हम अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते है ।जब हमारी भावनाएं मजबूत रहेंगी तभी हम अपने परम्परा से जुड़े रहेंगे। जिला प्रमुख डॉ रवि शेखर सिंह ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि आज रील और short video का बहुत तेज फैशन चल रहा है।

घर बैठे पैसा कमाने का लालच दे 2.30 लाख ठगे

कानपुर। कानपुर के कल्याणपुर में एक युवक से साइबर ठगों ने 2.30 लाख रुपए की ठगी को अंजाम दिया। घर बैठे पैसे कमाने का लालच देकर घटना की गई। पीड़ित ने अपने और अपनी पत्नी के खाते से पैसे ट्रांसफर किए हैं। पीड़ित को जब ठगी की जानकारी हुई तो कल्याणपुर थाने में तहरीर देकर एफआईआर दर्ज कराई है। कल्याणपुर साहब नगर निवासी अमरनाथ शर्मा ने बताया कि 6 नवंबर 2024 को घर बैठे पैसा कमाने का लालच दिया गया। 300 फीस के साथ एक टेलीग्राम ग्रुप से जोड़ दिया गया। जिसमें टास्क मिलते थे। टास्क में होटल की रेटिंग देनी होता था। चार टास्क पूरे होने के बाद 1100 रुपए लगाने को कहा गया इसके बदले 1430 मिलने की बात कही गई लेकिन उन्होंने मना कर दिया। उन्होंने कई लोगों के स्क्रीनशॉट भेजे और दिखाया कि कितना प्रॉफिट लोग कमा रहे हैं। माइंड डाइवर्ट कर दिया। इसके बाद उनके कहे अनुसार कई बार में 50 हजार , 49 हजार, 59 हजार, 18 हजार रुपए अपने खाते से ट्रांसफर कर दिए। इसके अलावा पत्नी अंकित शर्मा के खाते से 49 हजार और 30 हजार रुपए दो बार में ट्रांसफर किया। कुल 2.33 लाख रुपए ट्रांसफर हो गया।

मेरठ में तेल के चार टैंकरों में लगी आग

मेरठ। मेरठ में बिजली के तारों में अचानक स्पार्किंग होने के कारण तेल के चार टैंकरों में आग लग गई। इससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आग लगते ही टैंकर के चालक-परिचालक मौके से भाग निकले। लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस और दमकल की 6 गाड़ियां मौके पर पहुंची। शाम करीब साढ़े छह बजे 33 हजार की लाइन में चिंगारी और ब्लास्ट होने से टैंकरों में आग लग गई। एक टैंकर में पेट्रोल होने की वजह से आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। करीब दो घंटे कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। मामला टीपी नगर क्षेत्र का है। पूठा गांव में किसान शैली चौधरी का घेर है, जो गांव के ही लोकेश चौधरी ने किराए पर ले रखा है। घेर के ऊपर से 33 हजार केवी की हाईटेंशन लाइन गुजर रही है। उनके घेर के बाहर तेल डिपो हैं। यहां 12 से अधिक तेल के टैंकर खड़े रहते हैं। घेर में एक कमरा बना हुआ है, जिसमें कैंटर के चालक व परिचालक बैठते हैं। लोगों का कहना है कि बुधवार शाम को चालक-परिचालक यहां बीड़ी पी रहे थे। इसी दौरान बीड़ी से उठी चिंगारी तेल के एक टैंकर के पास जाकर गिरी। इससे टैंकर में आग लग गई। आग की लपटें कुछ देर में ही आसमान को छूने लगी।

जालौन में अवैध बालू खनन पर कार्रवाई

जालौन। जालौन पुलिस ने बेतवा नदी से होने वाले अवैध बालू खनन में सक्रिय दो लोकेशन माफियाओं को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपियों में कानपुर देहात के मूसानगर निवासी नमन (27) और कालपी के भट्टीपुरा निवासी राहत (53) शामिल हैं। बेतवा नदी से प्रतिदिन हजारों ट्रक बालू का खनन होता है। इसे लाल सोना कहा जाता है। यहां कई सरकारी पट्टे संचालित हैं। लेकिन कई बार ओवरलोडिंग और बिना वैध प्रपत्रों के परिवहन भी किया जाता है। लोकेशन माफिया अधिकारियों की मौजूदगी की जानकारी ट्रक चालकों को देते हैं। इससे अवैध गाड़ियां सुरक्षित निकल जाती हैं। इसके बदले वे मोटी रकम वसूलते हैं। नमन पर थाना कालपी में मुकदमा संख्या 30/2025 दर्ज किया गया है। यह धारा 111(3)/132/61(2) बीएनएस और 3/5 सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम के तहत है। राहत पर भी इसी मुकदमा संख्या में धारा 111(3)/132/61(2) बीएनएस और 2/3 सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज है।

पीलीभीत में एलआईयू कांस्टेबल से धोखाधड़ी

पीलीभीत। पीलीभीत की स्थानीय अभिसूचना इकाई (एलआईयू) में तैनात कॉन्स्टेबल नितिन मलिक के साथ एक परिचित परिवार ने धोखाधड़ी की है। सदर कोतवाली में दर्ज शिकायत के अनुसार विनायक बिहार कॉलोनी निवासी ऋषभ चौधरी और उसके परिवार ने कॉन्स्टेबल से 18.20 लाख रुपए हड़प लिए। ऋषभ के पिता आजाद कुमार सिंह विकास भवन में बाबू पद से सेवानिवृत्त हैं। आरोपी परिवार ने कॉन्स्टेबल को बताया कि उनकी आरके इंटरप्राइजेज फर्म के खाते में 67.98 लाख रुपए फ्रीज हो गए हैं। साथ ही एक प्लॉट का एग्रीमेंट रद्द होने का हवाला देकर पैसे मांगे। कॉन्स्टेबल ने अप्रैल 2023 में एसबीआई से 8.25 लाख और अक्टूबर 2023 में बैंक ऑफ बड़ौदा से 9.90 लाख रुपए का लोन लिया। इनमें से 13.80 लाख रुपए आरोपियों की फर्म के खाते में ट्रांसफर किए और 4.40 लाख रुपए नकद दिए। आरोपियों ने पहले खाता चालू होने का बहाना बनाया। फिर आजाद कुमार की सेवानिवृत्ति के बाद फंड से भुगतान का वादा किया।

मकान का छज्जा गिरने से मामा-भांजे की मौत

गाजियाबाद। गाजियाबाद के टीला मोड़ थाना क्षेत्र की तुलसी निकेतन कालोनी में बुधवार रात मकान का छज्जा गिरने से मामा-भांजे की मौत हो गई। दोनों दुकान पर सामान लेने गए थे। जहां अचानक पहली मंजिल का छज्जा गिर गया। आसपास के लोगों ने किसी तरह दोनों को मलबे से बाहर निकाला। सूचना पर टीला मोड़ थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। दोनों को गंभीर हालत में गुरुतेग बहादुर अस्पताल में ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। यह मकान गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने 35 साल पहले गरीबों के लिए बनाए थे। जिस मकान का छज्जा गिरा है वह सबीना का है। रात में तुलसी निकेतन के पास रहने वाला आकाश (25 साल) अपने 5 साल के भांजे वंश उर्फ लड्डू के साथ दुकान पर सामान लेने गया था। जहां दोनों परचून का सामान लेने के लिए दुकान के बाहर खड़े थे। इसी दौरान पहली मंजिल का छज्जा गिर गया। जिसमें बच्चे की गर्दन बुरी रह से जख्मी हो गई। जबकि आकाश के सिर में गंभीर चोट लगी।

संक्षिप्त समाचार

ऑपरेशन सिंदूर में घायल पाक सैनिक अब भी अस्पतालों में, दुख बांटने पहुंचे आसिम मुनीर और मरियम

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत के ऑपरेशन सिंदूर का ऐसा असर हुआ है कि एक हफ्ते बाद भी पाक सैनिक अस्पतालों में भर्ती हैं। घायल हैं और उनका इलाज चल रहा है। भारतीय एयरफोर्स की सटीक बमबारी ने न सिर्फ आतंकियों का सफाया किया, पाकिस्तान की सैन्य कमर तोड़ दी—झटका इतना जबरदस्त था कि अब तक घायल अफसर और जवान अस्पतालों में कराह रहे हैं। पाक आर्मी चीफ आसिम मुनीर और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने घायल सैनिकों का हालचाल लेने के लिए अस्पताल का दौरा किया। पाकिस्तान सेना के जवानों को देखने पहुंची मरियम नवाज घायलों के सिर पर हाथ रखकर उन्हें ढाढस बांधते नजर आई। उधर, मुनीर ने भी रावलपिंडी में मीलिट्री अस्पतालों का रुख किया और घायल जवानों से मुलाकात की। इन तस्वीरों ये यह स्पष्ट हो गया कि भारतीय सेना की सटीक रणनीति ने पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाया है। साथ ही पाकिस्तान के उन दावों की भी पोल खुल गई कि भारतीय सैनिकों के हमले पाकिस्तान और सैनिकों पर ज्यादा वार नहीं कर पाए। पाक के 40 से ज्यादा जवान अफसर मारे गए भारतीय सेना प्रेस ब्रीफिंग में स्पष्ट कर चुकी है कि सेना ने पाकिस्तान की दुर्दशा की है। सेना ने बताया कि हमारा लक्ष्य आतंकी ठिकाने और आतंकवादी ही थे, लेकिन पाकिस्तानी सैनिकों ने इसे अपनी लड़ाई समझा और हम पर हमलों की नाकाम कोशिश की। इसके जवाब में हमारे वीर जवानों ने उनके सैन्य ठिकानों पर ताबड़तोड़ हमले किए। कई एयरबेस उड़ा दिए और हमले में पाक के 40 से अधिक जवान और अफसर मारे गए। आतंक के खिलाफ कड़ा प्रहार भारतीय सैन्य अधिकारियों ने इस ऑपरेशन को सटीकता और तत्परता से पूरा किया, जिससे पाकिस्तान को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ आतंकवादियों के खिलाफ भी सख्त संदेश दिया। पीएम मोदी ने भी 12 मई को राष्ट्र के नाम संबोधन में स्पष्ट किया कि आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि पाकिस्तान के साथ अब सिर्फ आतंकवाद पर ही बात होगी। साफ कर दिया है कि देश की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। आसिम मुनीर ने अस्पताल में घायल जवानों से मुलाकात के बाद एक बार फिर गीदड़भभकी दी है। मुनीर ने कहा कि 'हमारे दुश्मन कभी भी हमें झुका नहीं सकते। हमारी सेना के हौसले बुलंद हैं और हम दुश्मन का सामना करने के लिए हमेशा तैयार हैं।'

स्क्रीनशॉट को बताया अफवाह

बीजिंग, एजेंसी। चीनी रक्षा मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर सोमवार को एक रिपोर्ट जारी की गई। इसके मुताबिक इंटरनेट पर वाई-20 द्वारा पाकिस्तान को हथियारों की आपूर्ति के बारे में कई तरह की सूचनाएं देखी गई हैं। इस तरह के सभी दावे झूठे हैं। पीएलएएफ ने गलत जानकारी से संबंधित कई फोटो और शब्दों के स्क्रीनशॉट भी पोस्ट किए, प्रत्येक स्क्रीनशॉट को लाल रंग से 'अफवाह' लिख कर चिह्नित किया गया।

अमेरिका पहुंचे 49 श्वेत दक्षिण अफ्रीकी शरणार्थी, ट्रंप प्रशासन के किया स्वागत

वाशिंगटन, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका से 49 श्वेत लोगों का एक समूह निजी चार्टर विमान से सोमवार को वाशिंगटन के बाहर डुलेस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचा, जिन्होंने अमेरिकी झंडा हाथ में पकड़ा था। इस समूह में बच्चे भी शामिल थे। अमेरिका पहुंचने पर उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडौ और होमलैंड सुरक्षा उप सचिव ट्रॉय एडगर ने उनका स्वागत किया। इस दौरान श्वेत लोगों ने कहा कि उन्हें अपने देश में भेदभाव और हिंसा का सामना करना पड़ा। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका की सरकार इस बात का दृढ़ता से खंडन करती है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को पत्रकार वार्ता की। इस दौरान ट्रंप ने कहा कि वे उन्हें हो रहे नरसंहार के कारण शरणार्थी के रूप में स्वीकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रंगभेद के कारण दक्षिण अफ्रीका में, श्वेत किसानों को मार दिया जा रहा है। ट्रंप ने कहा कि वे अगले सप्ताह इस मुद्दे पर दक्षिण अफ्रीका की सरकार से बात करेंगे।

ट्रंप प्रशासन को राहत, जज ने आईआरएस पर रोक लगाने से किया इनकार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक संघीय जज ने इंटरनल रेवेल्यू सर्विस विभाग द्वारा इमीग्रेशन और कस्टम एनफोर्समेंट विभाग को अप्रवासियों का टैक्स डेटा साझा करने पर रोक लगाने वाली मांग को खारिज कर दिया है। अदालत के इस फैसले को ट्रंप प्रशासन के लिए राहत माना जा रहा है। एक गैर लाभकारी समूह ने यह याचिका दायर की थी, जिसमें कहा गया था कि जो लोग टैक्स देते हैं, उनकी निजता का सम्मान किया जाना चाहिए। दरअसल इमीग्रेशन विभाग टैक्स डेटा का इस्तेमाल अवैध अप्रवासियों को निर्वासित करने में कर रहा है। जिस जज ने मांग खारिज की है, उनकी नियुक्ति ट्रंप प्रशासन में हुई थी।

तुर्की रूस-यूक्रेन शांति वार्ता को हर कदम पर समर्थन देने के लिए तैयार : राष्ट्रपति एर्दोगन

अंकारा , एजेंसी। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की से फोन पर बातचीत की। राष्ट्रपति एर्दोगन के कार्यालय द्वारा जारी बयान के मुताबिक दोनों राष्ट्राध्यक्षों के बीच हुई इस बातचीत में रूस और यूक्रेन के बीच शांति वार्ता को सुविधाजनक बनाने के लिए तुर्की की प्रतिबद्धता दोहराई गई। एर्दोगन ने इस बात पर जोर दिया है कि शांति का माहौल बनाने के लिए युद्धविराम आवश्यक है। दोनों पक्षों को संघर्ष को समाप्त करने के उद्देश्य से कूटनीतिक वार्ता के लिए मौजूद अवसर का लाभ उठाना चाहिए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक एर्दोगन ने शांति वार्ता के अवसर पर तुर्की में रूस और यूक्रेन प्रतिनिधिमंडलों की मेजबानी करने की इच्छा जाहिर की।

तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की से फोन पर बातचीत की। राष्ट्रपति एर्दोगन के कार्यालय द्वारा जारी बयान के मुताबिक दोनों राष्ट्राध्यक्षों के बीच हुई इस बातचीत में रूस और यूक्रेन के बीच शांति वार्ता को सुविधाजनक बनाने के लिए तुर्की की प्रतिबद्धता दोहराई गई। एर्दोगन ने इस बात पर जोर दिया है कि शांति का माहौल बनाने के लिए युद्धविराम आवश्यक है। दोनों पक्षों को संघर्ष को समाप्त करने के उद्देश्य से कूटनीतिक वार्ता के लिए मौजूद अवसर का लाभ उठाना चाहिए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक एर्दोगन ने शांति वार्ता के अवसर पर तुर्की में रूस और यूक्रेन

प्रतिनिधिमंडलों की मेजबानी करने की इच्छा जाहिर की। तैयप एर्दोगन की जेलेंस्की के साथ यह बातचीत रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से हुई बातचीत के ठीक एक दिन बाद हुई है। इस दौरान एर्दोगन ने कहा कि तुर्की इस्तांबुल में फिर से रूस और यूक्रेन के बीच शांति वार्ता की मेजबानी करने के लिए तैयार है। सोमवार की कैबिनेट की बैठक के बाद राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने कहा कि तुर्की वैश्विक शांति और कूटनीति में एक महत्वपूर्ण किरदार बन गया है। एर्दोगन ने मध्यस्थता, मानवीय सहायता और संघर्ष समाधान की कोशिश में अपनी भूमिका पर जोर दिया। तुर्की के विदेश मंत्री हकान फिदान ने भी राष्ट्रपति के संदेश को दोहराते हुए कहा कि तुर्की रूस-यूक्रेन वार्ता को सुविधाजनक बनाने और मेजबानी करने के मामले में हर तरह का सहयोग और योगदान देने को तैयार है। सोमवार को अंकारा में अपने सीरियाई और जॉर्डन के समकक्षों के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान फिदान ने कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच प्रस्तावित बैठक के तौर-तरीकों के प्रारूप पर चर्चा जारी है। फिदान ने कहा, ÷यूक्रेन वार्ता शुरू होने से पहले युद्धविराम की मांग करता है, वहीं रूस युद्धविराम की घोषणा से पहले वार्ता शुरू करना पसंद करता है।÷ फिदान ने कहा, ÷दोनों पक्ष लगातार अमेरिकी समर्थन हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन हमारी स्थिति स्पष्ट है। हम दोनों पक्षों को युद्धविराम शुरू करने के लिए जल्द से जल्द एक साथ आने के लिए आमंत्रित करते हैं।÷

रविवार को क्रेमलिन में पत्रकारों को दिए गए एक बयान में पुतिन ने 15 मई को इस्तांबुल में यूक्रेन के साथ सीधी वार्ता फिर से शुरू करने का प्रस्ताव रखा। पुतिन ने कहा कि रूस चल रहे संघर्ष के मूल कारणों को संबोधित करने और एक स्थायी और स्थिर शांति के लिए आधार तैयार करने के लिए यूक्रेन के साथ गंभीर वार्ता के लिए तैयार है। इसके जवाब में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि यह एक सकारात्मक संकेत है कि रूस ने युद्ध को समाप्त करने पर विचार करना शुरू कर दिया है। हालांकि जेलेंस्की ने शांति वार्ता से पूर्व युद्धविराम की आवश्यकता बताई। 2022 में भी रूस और यूक्रेन के वार्ताकारों के बीच इस्तांबुल में बातचीत की गई थी लेकिन ये वार्ता जारी युद्ध को रोकने में विफल रही थी।

लैटिन अमेरिका को अरबों देकर भी चीन का जबरदस्त फायदा ?

बीजिंग, एजेंसी। अमेरिका और चीन ने व्यापार युद्ध में नरमी दिखाते हुए आपसी सहमति से एक-दूसरे के ज्यादातर सामानों

पर लगाए गए भारी आयात शुल्क को फिलहाल टाल दिया है। जब दुनिया अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वॉर की अनिश्चितता से जूझ रही थी, तब राष्ट्रपति शी जिनपिंग चुपचाप एक और मोर्चे पर चाल चल रहे थे। ट्रंप से समझौता होते ही चीन ने लैटिन अमेरिका के लिए अपना खजाना खोल दिया, लेकिन अपनी शर्तों पर। लगभग 10 अरब डॉलर (करीब 83 हजार करोड़ रुपए) की क्रेडिट लाइन देकर चीन ने सिर्फ मदद का हाथ नहीं बढ़ाया, बल्कि एक बड़ा रणनीतिक दांव चला है।

चीन की स्कीम क्या है : चीन ने लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई देशों को विकास सहायता के रूप में लगभग 10 अरब डॉलर (यूएसडी के समतुल्य) की क्रेडिट लाइन देने का ऐलान किया है, लेकिन यह राशि अमेरिकी डॉलर में नहीं, बल्कि चीनी मुद्रा युआन में दी जाएगी। यह घोषणा चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने चाइना-सीलैक (फोरम के एक सम्मेलन के दौरान की। चीन ने कहा कि वह लैटिन अमेरिका के विकास में मदद करेगा – लेकिन शर्त है कि ये मदद युआन में होगी, न कि डॉलर में।

चीन की 3 बड़ी चाल : युआन को बनाना नया डॉलर- चीन चाहता है कि वैश्विक लेनदेन में युआन का इस्तेमाल बढ़े। जब लैटिन अमेरिका युआन में कर्ज लेगा, तो व्यापार और आयात भी युआन में होगा। इससे डॉलर पर निर्भरता घटेगी और युआन की वैश्विक पकड़ बढ़ेगी।

बेल्ट एंड रोड की नई शाखा- यह फाइनेंसिंग चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का हिस्सा है, जिसके ज़रिए वह विकासशील देशों में सड़क, रेल और बंदरगाह जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर बनाकर अपना आर्थिक व राजनीतिक प्रभाव बढ़ा रहा है। सॉफ्ट पॉवर और स्ट्रैटेजिक पकड़- चीन ने 5 देशों को वीज़ा-फ्री यात्रा की सुविधा भी देने की बात की है। यह डिप्लोमैटिक सॉफ्ट पॉवर का हिस्सा है – जिससे लैटिन देशों में चीन की छवि एक मददगार नेता की बनेगी।

नेशनल पार्क में चढ़ाई के दौरान हुआ हादसा, तीन पर्वतारोहियों की मौत

सिएटल , एजेंसी। सिएटल के उपनगरीय इलाके नॉर्थ कैसकेड्स में रविवार को हुए एक हादसे में तीन पर्वतारोहियों की मौत हो गई। दरअसल पर्वतारोही रविवार को नॉर्थ कैसकेड पार्क में पहाड़ों पर चढ़ाई कर रहे थे। इसी दौरान चार पर्वतारोहियों की एक टीम एक सीधी पहाड़ी पर चढ़ाई कर रही थी, उसी दौरान कुछ ऐसा हुआ कि चारों पर्वतारोही नीचे गिरने लगे। एक पर्वतारोही ने जैसे तैसे खुद को बचा लिया, लेकिन बाकी तीन नीचे गिर गए, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची और हादसे का शिकार हुए लोगों को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने तीन को मृत घोषित कर दिया।

ब्रिटिश पीएम के लंदन वाले घर में लगी आग, आतंकवाद विरोधी पुलिस ने संभाली जांच की जिम्मेदारी

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के उत्तरी लंदन स्थित घर में सोमवार तड़के आग लग गई। पुलिस और दमकल विभाग इस मामले की जांच कर रहे हैं। अच्छी बात यह रही कि इस घटना में किसी को चोट नहीं पहुंची, लेकिन घर का मुख्य दरवाजा क्षतिग्रस्त हो गया। जानकारी के मुताबिक, यह घटना 12 मई को रात करीब 1:11 बजे हुई। लंदन फायर ब्रिगेड को एक मकान के बाहर आग लगने की सूचना मिली।

पाकिस्तानी फर्म से अमेरिकी सैटेलाइट कंपनी ने पार्टनरशिप खत्म की

वाशिंगटन, एजेंसी। 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकी हमले से पहले इस इलाके की सैटेलाइट तस्वीरें ली गई थीं। अमेरिका की स्पेस टेक कंपनी मैक्सार टेक्नोलॉजीस को पहलगाम और उसके आस-पास के इलाकों की हाई- रेजोल्यूशन सैटेलाइट तस्वीरें देने के लिए बड़ी मात्रा में ऑर्डर मिले थे। द प्रिंट की एक रिपोर्ट के अनुसार 2 से 22 फरवरी 2025 के बीच, मैक्सार टेक्नोलॉजीस को कम से कम 12 ऑर्डर मिले। यह सामान्य संख्या से दुगुना था। इस कंपनी के ग्राहकों में पाकिस्तान की बिजनेस सिस्टम्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड भी शामिल थी। इस कंपनी का नाम अमेरिका में हुए संघीय अपराधों से जुड़ा हुआ है। अब मैक्सार टेक्नोलॉजीस ने क्क्स्ढ्ढ से अपनी पार्टनरशिप खत्म कर दी है। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार डेटा से यह स्पष्ट नहीं है कि पहलगाम की सैटेलाइट तस्वीरों के ऑर्डर क्क्स्ढ्ढ ने दिए थे या नहीं। पहलगाम की सैटेलाइट तस्वीरों के लिए ऑर्डर जून 2024 से ही आने लगे थे। मैक्सार पोर्टल के एक्सेस में पहलगाम के अलावा जम्मू-कशमीर के पुलवामा, अनंतनाग, पुंछ, राजौरी और बारामूला जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के सैटेलाइट इमेज मिलें। हर एक सैटेलाइट तस्वीर की कीमत 3 लाख रुपए से शुरू होती है और रेजोल्यूशन के अनुसार इनकी कीमत बढ़ती जाती है। पहलगाम हमले से दस दिन पहले एक ऑर्डर मिला था अब तक यह साफ नहीं है कि ये तस्वीरें 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमलों की प्लानिंग में इस्तेमाल हुईं या नहीं, लेकिन भारत मैक्सर से यह जांच कराने को कह सकता है कि ये तस्वीरें किसने और क्यों मंगवाई थी। फरवरी 2025 में पहलगाम की सैटेलाइट इमेज के सैटेलाइट फ्रीक्वेंसी रेंज से ऑर्डर की संख्या सबसे ज्यादा रही। 12, 15, 18, 21 और 22 फरवरी को इमेज खरीदे गए। मार्च में कोई

ऑर्डर नहीं आया। इसके बाद 12 अप्रैल को, हमले से ठीक दस दिन पहले एक ऑर्डर मिला। इसके बाद 24 और 29 अप्रैल को भी इमेज के लिए दो ऑर्डर आए। उसके बाद से कोई नया ऑर्डर नहीं दिया गया। मैक्सार टेक्नोलॉजीस भारत की कई सरकारी एजेंसियों से जुड़ी है मैक्सार टेक्नोलॉजीस अपने बेहतर सैटेलाइट इमेज के लिए जानी जाती है। यह 30ष्ठ से लेकर 15ष्ठ तक की पिक्सेल रेजोल्यूशन वाली हाई- डेफिनिशन इमेज देती हैं। भारत में रक्षा मंत्रालय और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन सहित कई सरकारी एजेंसियां मैक्सर से जुड़ी हैं। कम से कम 11 भारतीय स्पेस टेक स्टार्टअप और कंपनियां मैक्सार टेक्नोलॉजीस की कस्टमर और पार्टनर है। इन हाई-रेजोल्यूशन इमेज का इस्तेमाल आमतौर पर सेना संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए करती है। इसके अलावा हथियारों की तैनाती और इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास की निगरानी, घुसपैठ और तस्करी को रोकने के लिए भी इसका इस्तेमाल किया जाता है। बीएसआई के मालिक ओबैदुल्लाह सईद को एक साल की सजा हुई थी अमेरिकी अधिकारियों ने इससे पहले बीएसआई के मालिक ओबैदुल्लाह सईद पर अमेरिका से पाकिस्तान एटॉमिक एनर्जी कमीशन को हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटर इक्विपमेंट और सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन समाधान अवैध रूप से देने का आरोप लगाया था। यह एजेंसी विस्फोटक और परमाणु हथियारों के पुर्जे डिजाइन करने के साथ उनका टेस्ट करती है। साथ ही ठोस ईंधन वाली बैलिस्टिक मिसाइलें भी विकसित करती है। मामले में ओबैदुल्लाह को एक साल की सजा हुई थी।

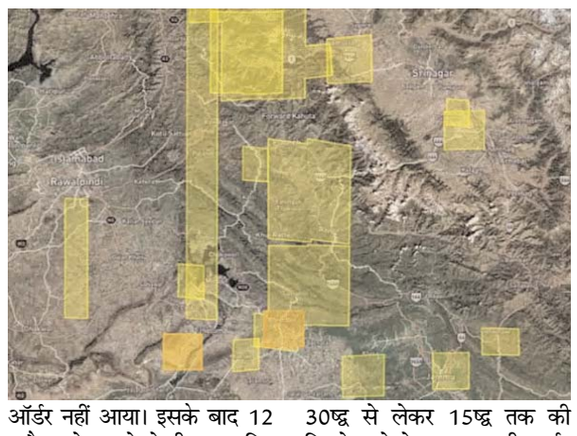

मेयर पद की उम्मीदवार समेत चार की गोली मारकर हत्या, लाइव स्ट्रीमिंग में कैद हुई पूरी घटना

मैक्सिको, एजेंसी। मैक्सिको की मेयर पद की उम्मीदवार समेत चार लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मेयर पद की उम्मीदवार येसेनिया लारा गुटेरेज को गोली उस वक्त मारी गई, जब वे मेयर चुनाव के लिए प्रचार कर रहीं थी। मेयर उम्मीदवार की हत्या की घटना फेसबुक पर पोस्ट लाइव स्ट्रीमिंग में दर्ज हो गई। वीडियो में दिख रहा है कि येसेनिया लारा गुटेरेज प्रचार के दौरान लोगों से मिल रहीं थी। इस दौरान उनके समर्थकों ने उन्हें घेरा हुआ था।

लाइव स्ट्रीमिंग में कैद हुई हत्या की घटना : गुटेरेज जब लोगों से मिलते हुए सड़क से गुजर रहीं थी। इसी दौरान हमलावरों ने उन पर गोली चला दी। इस दौरान कुल 20 राउंड फायरिंग हुई, जिसमें मेयर पद की उम्मीदवार गुटेरेज समेत कुल चार लोगों की मौत हो गई। घटना मैक्सिको के वेराक्रूज की है।

मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया

शीनबाम ने हमले की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि हत्या की वजह अभी साफ नहीं है। इसकी जांच की जा रही है। येसेनिया गुटेरेज, मैक्सिको की राष्ट्रपति की पार्टी मोरेना पार्टी की सदस्य थीं। गोलीबारी की घटना में कुल चार लोगों की मौत समेत तीन अन्य लोग घायल भी हुए हैं। मेयर पद के लिए मतदान एक जून को होना था। जांच एजेंसियां हत्या के मामले की जांच में जुट गई हैं।

मैक्सिको में राजनीतिक हिंसा का इतिहास : मैक्सिको में चुनाव के दौरान उम्मीदवारों पर हमले का पुराना इतिहास है। साल 2024 में मैक्सिको में रिकॉर्ड नंबर में राजनीतिक-आपराधिक हिंसा में लोगों की जान गई थी। इस दौरान 661 लोगों और प्रतिष्ठानों पर हमले हुए। जिन पर हमले हुए, वो या तो स्थानीय नगर निगम में अहम पदों पर थे या फिर चुनाव लड़ रहे थे। बीते साल मई में भी मैक्सिको के गुएरो शहर में मेयर पद के उम्मीदवार की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके कुछ दिन बाद ही कोटिजा शहर की मेयर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। अक्तूबर में चिलपैनकिंगो शहर के मेयर की भी हत्या कर दी गई थी।

आम चुनाव में जीत के बाद ऑस्ट्रेलियाई कैबिनेट का शपथ ग्रहण, पहले दौरे पर इंडोनेशिया जाएंगे एल्बानीज

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई चुनाव में दमदार जीत के बाद मंगलवार को नई सरकार की कैबिनेट का शपथ ग्रहण समारोह हुआ। चुनाव में एंथनी एल्बानीज के नेतृत्व में सेंटर लेफ्ट लेबर पार्टी ने जीत दर्ज की है। अभी भी वोटों की गिनती जारी है। ऑस्ट्रेलियाई संसद की कुल 150 सीटों में से लेबर पार्टी 92 से 95 सीटें जीत सकती है। पिछले चुनाव में लेबर पार्टी ने 78 सीटों पर जीत दर्ज की थी। पहले विदेश दौरे पर इंडोनेशिया जाएंगे एंथनी एल्बानीज विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी को सिर्फ 41 सीटों से संतोष करना पड़ा है और यह पार्टी के सबसे खराब प्रदर्शनों में से एक है। पार्टी ने मंगलवार को सूसन ले को अपना नया नेता चुन लिया क्योंकि पूर्व नेता पीटर डटन अपनी संसदीय सीट पर भी चुनाव हार गए, जिसके बाद उन्हें पार्टी के नेता का पद छोड़ना पड़ा। कैबिनेट के शपथ ग्रहण के बाद मंगलवार को ही कैबिनेट की पहली बैठक हुई। प्रधानमंत्री एंथनी एल्बानीज बुधवार को अपने नए कार्यकाल के पहले विदेश दौरे पर इंडोनेशिया जा रहे हैं। वहीं से वे रोम के लिए रवाना होंगे, जहां वे नए पोप लियो 14वें के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होंगे। रोम में एंथनी एल्बानीज दुनिया के कई नेताओं से मुलाकात कर सकते हैं। जिनमें कनाडा के नए पीएम मार्क कार्नी भी शामिल हैं। नई कैबिनेट में बड़े बदलाव नहीं एंथनी एल्बानीज की नई कैबिनेट में 30 नाम शामिल हैं। नई कैबिनेट में उनकी पिछली सरकार में उद्योग और

विज्ञान मंत्री रहे एड ह्युसिक को जगह नहीं मिली है। ह्युसिक ने आरोप लगाया है कि इस्राइल की आलोचना करने के लिए उन्हें कैबिनेट में जगह नहीं दी गई है। ह्युसिक बोस्नियाई मूल के मुस्लिम नेता हैं। ऑस्ट्रेलिया की नेशनल इमाम काउंसिल के सलाहकार बिलाल रऊफ ने पीएम एल्बानीज से जवाब मांगा है कि क्या ह्युसिक को इस्राइल की आलोचना करने के चलते कैबिनेट से बाहर किया गया है? एंथनी एल्बानीज की नई कैबिनेट में किसी यहूदी नेता को जगह नहीं मिली है। कुछ बदलाव के अलावा एंथनी एल्बानीज की नई कैबिनेट पिछली कैबिनेट जैसी ही है।

अपने नुकसान को छिपाने में जुटा पाकिस्तान, अमेरिका के भरोसे करना चाहता है भरपाई

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत ने चार दिन में ही पाकिस्तान को छठी का दूध याद दिला दिया। इसके बाद अब पाकिस्तान किसी तरह से अपने नुकसान को छिपाने की कोशिश में लगा हुआ है। दूसरी तरफ वह यह भी कबूल कर रहा है कि उसे जो नुकसान हुआ है उसकी भरपाई अमेरिका के साथ ट्रेड डील से हो जाएगी। पाकिस्तान के वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब ने कहा कि युद्ध में इतना नुकसान नहीं हुआ कि फिर से इकनॉमिक असेसमेंट करना पड़े। बता दें कि पाकिस्तान की हालत पहले से ही इतनी खराब है कि वहां की आवाम को रोटियों के लाले हैं। ऐसे में पाकिस्तान की सरकार का यह बड़बोलापन आसानी से समझा जा सकता है। औरंगजेब ने कहा, अमेरिका के साथ ट्रेड डील नेभी दोनों देशों में सीजफायर करवाने में बड़ी भूमिका निभाई है। जल्द ही यह आगे बढ़ सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ ट्रेड डील को आगे बढ़ाएगा। अब इसको लेकर पाकिस्तान इतराने लगा है। अमेरिका ने पाकिस्तान पर 29 फीसदी टैरिफ लगाया था। हालांकि 90 दिन की राहत मिलने की वजह से यह टैरिफ लागू नहीं किया गया है। पाकिस्तान अपनी आदत के मुताबिक दुनियाभर में भीख मांगकर काम चला रहा है। भारत से तनाव के बीच भी उसे

आईएमएफ से 1.4 अरब डॉलर का कर्ज मिला। अगले ही महीने पाकिस्तान सरकार बजट का ऐलान करेगी। औरंगजेब से जब सेना के बजट को बढ़ाने की बात पूछी गई तो वह कन्नी काट गए। दरअसल पाकिस्तान कर्ज पर ही चल रहा है। ऐसे में रक्षा बजट बढ़ाना भी टेढ़ी खीर है। चार दिन के बाद ही पाकिस्तान घुटनों पर आ गया और वह अमेरिका समेत कई देशों से सीजफायर करवाने की मिन्नतें करने लगा। भारत ने कहा कि वह कभी युद्ध नहीं चाहता है। भारत और पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशकों (डीजीएमओ) ने सोमवार को ''शत्रुतापूर्ण'' सैन्य कार्रवाइयों से बचने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया और सीमा व अग्रिम क्षेत्रों से अपने-अपने सैनिकों की संख्या में कमी लाने के लिए तत्काल कदम उठाने पर सहमति जाहिर की। इस संबंध में एक बयान में कहा गया कि दोनों अधिकारियों ने 'हॉटलाइन' पर हुई बातचीत में दोनों पक्षों की ओर से गोलीबारी नहीं करने या एक-दूसरे के खिलाफ कोई ''आक्रामक और शत्रुतापूर्ण'' कार्रवाई से बचने की प्रतिबद्धता को कायम रखने पर ध्यान केंद्रित किया। दोनों देशों के डीजीएमओ द्वारा सभी सैन्य कार्रवाइयों को रोकने पर सहमति जाहिर करने के दो दिन बाद हुई।

आईपीएल 2025 : बचे मैचों के लिए नया नियम लागू, फ्रेंचाइजी को मिलेगी बड़ी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) गवर्निंग काउंसिल ने आईपीएल 2025 के शेष चरण के लिए 'अस्थायी प्रतिस्थापन' नियम लागू करने का फैसला किया है। सभी दस फ्रेंचाइजी को सीजन के अंत तक अस्थायी प्रतिस्थापन खिलाड़ियों को शामिल करने की अनुमति होगी, लेकिन ये खिलाड़ी 2026 के लिए रिटेंशन के पात्र नहीं होंगे। यह निर्णय भारत-पाकिस्तान सीमा तनाव के कारण एक सप्ताह के निलंबन के बाद लिया गया, जिसके चलते लीग 17 मई से फिर शुरू होगी और 3 जून को समाप्त होगी।

निलंबन के कारण आईपीएल का शेड्यूल अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर से टकरा गया, जिससे जेक फ्रेजर-मैकगर्क और जेमी ओवरटन जैसे विदेशी खिलाड़ी अनुपलब्ध हो गए। कई फ्रेंचाइजी के पास बैकअप खिलाड़ी नहीं हैं, जिसके चलते नियम में बदलाव जरूरी हो गया। मूल नियम के अनुसार, टीमें चोट या बीमारी के मामले में 12वें मैच तक प्रतिस्थापन शामिल कर सकती थीं, लेकिन असाधारण परिस्थितियों के कारण गवर्निंग काउंसिल ने नियमों में ढील दी।

काउंसिल ने फ्रेंचाइजी को सूचित किया कि अस्थायी प्रतिस्थापन खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं, व्यक्तिगत कारणों या चोट के चलते अनुपलब्ध खिलाड़ियों की जगह ले सकते हैं। हालांकि, ये खिलाड़ी 2026 की नीलामी में पंजीकरण करना होगा और रिटेंशन के लिए पात्र नहीं होंगे। निलंबन से पहले शामिल प्रतिस्थापन खिलाड़ी रिटेंशन के लिए योग्य रहेंगे। शेष 13 ग्रुप स्टेज मैच बेंगलुरू, जयपुर, दिल्ली, लखनऊ, मुंबई और अहमदाबाद में होंगे, लेकिन चार प्लेऑफ और 3 जून के फाइनल के स्थानों की घोषणा बाकी है। निलंबन ने बीसीसीआई को शेड्यूल बढ़ाने के लिए मजबूर किया, जिससे फ्रेंचाइजी के लिए खिलाड़ियों की उपलब्धता चुनौती बन गई है। यह नियम फ्रेंचाइजी को लचीलापन प्रदान करेगा, खासकर उन टीमों को जो विदेशी खिलाड़ियों की अनुपस्थिति से जूझ रही हैं। हालांकि, अस्थायी प्रतिस्थापन का सीमित प्रभाव हो सकता है, क्योंकि टीमें लंबे समय तक रणनीति बनाने के लिए इन खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं कर सकेंगी। यह कदम आईपीएल 2025 को सुचारू रूप से पूरा करने और प्रतिस्पर्धा का स्तर बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

श्रीलंका में स्नेह राणा की सफलता का राज धीमी और फुल लेंथ गेंदबाजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्नेह राणा ने श्रीलंका में त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला में भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई और इस ऑफ स्पिनर ने कहा कि उनकी सफलता में गेंदबाजी कोच अविष्कार साल्वी की अहम भूमिका रही। साल्वी ने पिच को काफी अच्छी तरह पढ़ा और स्नेह को कम गति से गेंदबाजी करने की सलाह दी जो उनके काफी काम आई। बल्लेबाजी की अनुकूल पिचों पर स्नेह गेंद की गति में विविधता लाई जो काफी महत्वपूर्ण साबित हुई। उन्होंने श्रृंखला में 15 विकेट चटकाए और कई देशों की श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया की कैथरीन फिट्जपैट्रिक के लंबे समय से चले आ रहे रिकॉर्ड की बराबरी की।

स्नेह ने कहा, 'मैंने हमारे गेंदबाजी कोच अविष्कार सर से बात की। उन्होंने हमें बताया कि वहां किस तरह की गेंदबाजी कामयाब रहेगी। गेंद बल्ले पर काफी अच्छी तरह आ रही थी इसलिए हमें धीमी और फुल लेंथ की गेंद फेंकने की सलाह दी गई।' इस ऑफ स्पिनर ने कहा, 'मैं बेहद खुश हूं, मुझे खुशी है कि मुझे इतने लंबे समय बाद राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलने का मौका मिला। इस जर्सी को दोबारा पहनकर काफी अच्छा महसूस हो रहा है।'

श्रीलंका में सपाट पिचें थी और एक मैच में तो 600 से अधिक रन बने लेकिन स्नेह ने अपनी सटीक गेंदबाजी से बल्लेबाजों पर दबदबा बनाया। स्नेह ने महिला त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला में सर्वाधिक विकेट के नूशीन अल खादीर और न्यूजीलैंड की राशेल पुलर के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा जिन्होंने 2002 में 12 विकेट चटकाए थे।

स्नेह ने कहा, 'जीत की लय हासिल करना हमेशा अच्छा होता है। इस तरह की परिस्थितियों में दबाव में प्रदर्शन करने से आपको अतिरिक्त आत्मविश्वास और अनुभव मिलता है। और निजी तौर पर इतने लंबे समय के बाद अपने देश के लिए प्रदर्शन करना और श्रृंखला की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने जाने से मुझे काफी मदद मिली।'

स्नेह को 2025 महिला प्रीमियर लीग की खिलाड़ियों की नीलामी में किसी टीम ने नहीं चुना और बाद में उन्हें भारतीय टीम में चोटिल श्रेयंका पाटिल के विकल्प के तौर पर जगह मिली। श्रीलंका में शानदार प्रदर्शन के बाद स्नेह इस साल स्वदेश में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की दावेदारों में शामिल हैं।

आईपीएल के बचे मैचों में विराट को कप्तान बनाना चाहती है आरसीबी

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार के चोटिल होने के कारण आईपीएल सत्र के बचे हुए मैचों में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली कप्तानी एक बार फिर कप्तानी संभाल सकते हैं। पाटीदार को पिछले मैच में चोट लग गयी थी जिसे ठीक होने में अभी समय लगेगा। ऐसे में आरसीबी प्रबंधन एक ऐसे खिलाड़ी को कप्तान बनाना चाहती है जिसे अनुभव हो और इसमें विराट से बेहतर कोई नहीं है। विराट ने लंबे समय तक टीम की कप्तानी की है। 17 मई से फिर शुरु हो रहे सत्र में विदेशी खिलाड़ी भी नहीं रहेंगे। ऐसे में आरसीबी प्रबंधन चाहता है कि ऐसे व्यक्ति कप्तान बने जिससे टीम के प्रदर्शन में कोई फर्क ना पड़े। आईपीएल के इस सत्र में अब तक आरसीबी का प्रदर्शन अच्छा रहा है और वह प्लेऑफ की दौड़ में शामिल है।

टीम अपने पहले खिताब की ओर बढ़ रही है। इसी कारण टीम प्रबंधन के लोग चाहते हैं कि विराट कप्तानी के लिए मान जाएं हालांकि इसकी संभावना कम ही है। विराट ने एक दिन पहले ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी जबकि उन्हें टीम की कप्तानी संभालने कहा गया था। आरसीबी ने आईपीएल में अब तक अच्छा प्रदर्शन करते हुए 11 मैचों में आठ जीत के साथ ही 16 अंक अंक तालिका किये हैं और वह अंक तालिका में दूसरे नंबर पर है।

आरसीबी के पास कप्तानी के लिए अन्य विकल्प के तौर पर कुणाल पांड्या, भुवनेश्वर कुमार और जितेश शर्मा जैसे खिलाड़ी हैं। टीम के लिए अब लीग के बचे हुए मुकाबले आसान नहीं होंगे क्योंकि बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण बाहर हो गये हैं। इसके अलावा, जोश हेज़लवुड, फिल साल्ट और लियाम लिविंगस्टोन जैसे विदेशी खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के कारण अगले मैचों के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। इसके बाद भी आरसीबी प्लेऑफ़ के लिए एक मजबूत दावेदार बनी रहेगी।

इंग्लैंड दौरे पर यशस्वी और राहुल कर सकते हैं भारतीय टीम की शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम आईपीएल के बाद इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। इस दौरे में अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली के नहीं होने से भारतीय टीम की बल्लेबाजी में बदलाव नजर आयेगा क्योंकि ये दोनो ही पिछले एक दशक से खेलते रहे हैं। रोहित जहां पारी की शुरुआत करते रहे हैं। वहीं विराट नंबर चार पर खेलते हैं। रोहित की जगह पर अब यशस्वी जायसवाल पारी की शुरुआत करते दिख सकते हैं। उनके जोड़ीदार के तौर पर अनुभवी केएल राहुल उतरेंगे। इन दोनो ने ऑस्ट्रेलिया में अच्छी बल्लेबाजी की थी। इसके अलावा

इंग्लैंड में राहुल ने पहले कुछ रन भी बनाए हैं। वहीं नंबर तीन पर शुभमन गिल बल्लेबाज करेंगे। वह पहले भी इसी नंबर पर उतरते रहे हैं। नंबर चार की जगह विराट कोहली के जाने से खाली हो गई है। इसके लिए साई सुदर्शन, करुण नायर और श्रेयस अय्यर जैसे दावेदार हैं। सुदर्शन ने अभी तक टेस्ट क्रिकेट खेले नहीं खेला है जबकि करुण नायर भी 8 साल से टीम से बाहर हैं। इसके अलावा श्रेयस अय्यर भी करीब डेढ़ साल से टेस्ट क्रिकेट से दूर चल रहे हैं। ऐसे में इनमें से किसे जगह मिलती है ये देखना होगा। वहीं पांचवें नंबर पर ऋषभ पंत, छठे नंबर पर नितीश कुमार रेड्डी, सातवें पर रविंद्र जडेजा और 8वें पर वॉशिंगटन सुंदर या शार्दुल ठाकुर खेल सकते हैं। इस तरह भारत के पास कम से कम 8 नंबर तक अच्छी बैटिंग होगी। हालांकि, अभी टीम का सिलेक्शन नहीं हुआ है।

विराट का विकल्प मिलना आसान नहीं रहेगा : पुजारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के संन्यास लेने के कारण खाली हुए चौथे नंबर की कमी को भरना आसान नहीं होगा। पुजारा ने कहा कि विराट लंबे समय से नंबर-4 पर बल्लेबाजी करते रहे हैं। साल 2013 में सचिन तेंदुलकर के संन्यास के बाद से 115 टेस्ट मैचों में से कोहली ने 99 मैचों में चौथे स्थान पर बल्लेबाजी की है। इससे समझा जा सकता है कि इस नंबर पर उनकी अहमियत क्या है। ऐसे में विराट के संन्यास के बाद इस जगह के लिए कई नाम उभरे हैं पर इसके बाद भी उनका सही विकल्प मिलना आसान नहीं होगा। पुजारा ने कोहली के विकल्प को लेकर कहा, हमें यह पता लगाने के लिए कुछ सीरीज की जरूरत होगी कि नंबर चार पर बल्लेबाजी के लिए कौन सबसे उपयुक्त है, क्योंकि यह एक अहम स्थान है। आपको नंबर-4 पर बल्लेबाजी के लिए अपने सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज की जरूरत होती है। और इस समय मुझे लगता है कि यह एक ऐसा स्थान है जहां टीम प्रबंधन को यह पता लगाना होगा कि नंबर-4 पर सबसे उपयुक्त खिलाड़ी कौन है। उन्होंने कहा, 'ऐसे कई खिलाड़ी हैं जो अंतिम ग्यारह में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रहे हैं पर अभी तक किसी ने भी अपनी जगह पक्की नहीं की है। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें कुछ समय लगेगा।'

पुजारा ने आगे कहा, अभी कोई भी फैसला नहीं किया जा सकता है पर यह देखना अहम होगा कि इंग्लैंड में कौन अच्छा प्रदर्शन करता है, क्योंकि जो इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन कर सकता है, वह चौथे नंबर पर खेल सकता है। वहीं, पुजारा ने शुभमन गिल के बारे में कहा, वह निश्चित रूप से एक विकल्प हैं पर अभी वह नंबर-3 पर बल्लेबाजी कर रहे हैं। ऐसे में क्या वह अपना स्थान बदलने तैयार होंगे हमें देखना होगा। दिग्गज बल्लेबाज ने कहा, 'शुभमन ऐसे खिलाड़ी है जो नई गेंदों को खेलने में अधिक सक्षम है। नंबर-3 पर बल्लेबाजी शुरू करने से पहले वह ओपनिंग करते थे। वह तब बल्लेबाजी करना पसंद करते है जब गेंद थोड़ी सख्त और नई हो। क्या वह पुरानी गेंद से खेल पाएंगे? इस समय यह एक बड़ा सवाल है।' दिसंबर 2020 में सबसे लंबे फॉर्मेट में डेब्यू करने के बाद से गिल ने अब तक 32 टेस्ट में शीर्ष तीन से बाहर बल्लेबाजी नहीं की है। उन्होंने 2023 में वर्ल्ड टेस्ट

चैंपियनशिप के चक्र की शुरुआत में नंबर-3 पर खेलने से पहले ज्यादातर पारी की शुरुआत की है। पुजारा का मानना है कि गिल शीर्ष क्रम में बने रहने के लिए सबसे उपयुक्त हैं हालांकि नंबर-4 पर जाने की संभावना को खारिज नहीं किया। पुजारा ने कहा, चूंकि उन्होंने नई गेंद से अच्छी बल्लेबाजी की है, इसलिए मैं अब भी कहूंगा कि उन्हें शीर्ष तीन में बल्लेबाजी करनी चाहिए, जो उनकी आइडियल पोजीशन है। यह उनके लिए उपयुक्त है।

शमी बोले अभी संन्यास का इरादा नहीं , अफवाह फैलाने वालों पर भड़के

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज मोहम्मद शमी ने कहा है कि अभी उनका संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। शमी ने उन लोगों को भी आड़े हाथों लिया है जो उनके संन्यास की बातें कर रहे हैं। ऐसे में विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास लेने के बाद से ही शमी के संन्यास को लेकर भी काफी अटकलें तेज हो रही हैं। शमी ने सोशल मीडिया में स्क्रीनशॉट साझा करते हुए संन्यास की खबरों को खारिज कर दिया है। शमी ने लिखा, बहुत अच्छा महाराज, अपने काम के दिन भी गिन लो, विदाई का कितना है बाद में देख लो। हमारा आप जैसे लोगों ने नुकसान कर दिया है। भविष्य को लेकर कभी तो अच्छा बोल लिया करें, आज का सबसे खराब स्टोरी, सॉरी। गौरतलब है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी फिटनेस समस्याओं से परेशान हैं। आईपीएल 2025 में वह हैदराबाद के लिए खेल रहे हैं पर उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर सके हैं और इस वजह से उनके भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं। उन्होंने पिछले दो साल से भारत के लिए टेस्ट मैच नहीं खेला है।

आईपीएल के शेष सत्र में खेलेंगे या नहीं, ट्रेंट बोल्ट ने ले लिया फैसला

मुम्बई । न्यूजीलैंड़ के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के शेष सत्र में अपनी टीम मुम्बई इंडियंस के लिए खेलने का निर्णय किया है। 36 वर्षीय बोल्ट को मुम्बई इंडियंस ने मेगा नीलामी में 12.5 करोड़ रुपए में खरीदा था। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने IPL के इस सत्र में 8.49 की इकॉनमी रेट से 18 विकेट लिए हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 26 रन देकर 4 विकेट अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। वह पूरे टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। पांच बार की चैंपियन मुम्बई को अब भी अपने तीन प्रमुख विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता का इंतजार है। दक्षिण अफ्रीका के रायन रिकल्टन और कोर्बिन बॉश, और इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स की भागीदारी को लेकर अब भी संशय बना हुआ है। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट बोर्ड के अनुसार उनके खिलाड़ियों की एनओसी 25 मई तक वैध है। इंग्लैंड के क्रिकेट बोर्ड (ECB) ने आईपीएल में भाग लेने वाले इंग्लैंड के खिलाड़ियों को 29 मई से शुरू हो रही वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज के लिए समय पर लौटने का निर्देश दिया है।

1,151 दिनों से नंबर वन : टेस्ट ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने रचा इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने टेस्ट क्रिकेट में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में सबसे लंबे समय तक नंबर 1 की पोजीशन पर रहने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। जडेजा ने 9 मार्च 2022 को वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर को पछाड़कर यह शीर्ष स्थान हासिल किया था और तब से अब तक 1,151 दिनों (लगभग 3 साल से अधिक) तक इस पोजीशन पर कायम हैं। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने दिग्गज ऑलराउंडरों जैसे जैक्स कैलिस, कपिल देव और इमरान खान को पीछे छोड़ दिया है।

जडेजा की शानदार ऑलराउंड प्रतिभा

जडेजा ने मार्च 2022 से अब तक 23 टेस्ट मैचों में 36.71 की औसत से 1,175 रन बनाए, जिसमें 3 शतक और 5 अर्धशतक शामिल हैं। गेंदबाजी में भी उन्होंने 22.34 की शानदार औसत से 91 विकेट झटके, जिसमें 6

बार पारी में 5 विकेट और 2 बार मैच में 10 विकेट लेने का कारनामा शामिल है। उन्होंने भारत को इंग्लैंड, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ कई टेस्ट जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

400 रेटिंग पॉइंट्स के साथ नंबर वन

वर्तमान में जडेजा 400 रेटिंग पॉइंट्स के साथ आईसीसी टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में शीर्ष पर हैं, जबकि बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज 327 पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर हैं। जडेजा का यह दूसरा कार्यकाल नंबर 1 के रूप में है, इससे पहले अगस्त 2017 में वह एक सप्ताह के लिए इस पोजीशन पर रहे थे। जडेजा ने 2012 में इंग्लैंड के खिलाफ नागपुर में टेस्ट डेब्यू किया। शुरुआती करियर में उन्हें रविचंद्रन अश्विन जैसे स्पिनरों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा, लेकिन 2013 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 4-0 की ऐतिहासिक जीत में उनके 24 विकेट ने उन्हें स्थापित कर दिया।

2024 में जडेजा का प्रदर्शन

पिछले साल जडेजा ने 527 रन बनाए और 48 विकेट लिए, जिसने उन्हें ICC टेस्ट टीम ऑफ द ईयर 2024 में जगह दिलाई। चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ खेले गए टेस्ट में उन्होंने 86 रन बनाए और 5 विकेट लिए, जिसके बाद उनकी रेटिंग 475 के करियर-बेस्ट स्तर पर पहुंच गई। जडेजा की इस उपलब्धि पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर प्रशंसकों ने जमकर उत्साह दिखाया। एक यूजर ने लिखा, '1,151 दिन तक नंबर 1! सर रविंद्र जडेजा, आप भारत के सबसे बड़े ऑलराउंडर हैं।' एक अन्य पोस्ट में कहा गया, 'जडेजा ने 148 साल के क्रिकेट इतिहास में वह कर दिखाया, जो पहले कभी नहीं हुआ।'

लक्ष्य सेन थाईलैंड ओपन से बाहर, आकर्षि और उन्नति अगले दौर में

बैंकॉक । भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन थाईलैंड ओपन के पहले दौर से बाहर हो गए हैं जबकि आकर्षि कश्यप और उन्नति हुड्डा इस सुपर 500 टूर्नामेंट में कड़े मुकाबले जीतकर अगले दौर में पहुंच गईं। सेन को आयरलैंड के एन एंगुयेन ने एक घंटे 20 मिनट तक चले मैच में 18.21, 21.9, 17.21 से हराया। पहला गेम हारने के बाद सेन ने दूसरे में लय हासिल कर ली लेकिन निर्णायक गेम में एंगुयेन ने उन्हें उबरने का मौका ही नहीं दिया। प्रियांशु राजावत भी पहले दौर में बाहर हो गए जिन्हें इंडोनेशिया के अल्वी फरहान ने 21.13, 17.21, 21.16 से मात दी। महिला एकल में आकर्षि ने जापान की कोआरू सुगियामा को 21.16, 20.22, 22.20 से हराया। उन्नति ने थाईलैंड की थामोंवान एन को 21.14, 18.21, 23.21 से मात दी। रक्षिता श्री संतोष रामराज पहले दौर में सिंगापुर की यिओ जिया मिन से 18.21, 7.21 से हार गई।

भारतीय टीम में बहुत अधिक प्रतिभा है, रोहित-कोहली के संन्यास पर बोले इंग्लैंड के तेज गेंदबाज

नई दिल्ली - इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने विराट कोहली को टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले अब तक के सबसे महान बल्लेबाजों में से एक बताया है और उन्हें पूरा विश्वास है कि भारत के पास अनुभवी खिलाड़ियों के संन्यास के बाद उनकी जगह लेने के लिए पर्याप्त प्रतिभा है। कोहली ने सोमवार 12 मई को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया और 123 मैचों में 9,230 रन बनाकर अपने 14 साल के शानदार करियर का अंत किया जिसमें 30 शतक और 31 अर्द्धशतक शामिल हैं। कोहली ग्रीम स्मिथ (53 जीत), रिकी पोंटिंग (48 जीत) और स्टीव वॉ (41 जीत) के बाद चौथे सबसे सफल टेस्ट कप्तान हैं। कोहली के 30 टेस्ट शतक उन्हें सचिन तेंदुलकर (51 शतक), राहुल द्रविड़ (36) और सुनील गावस्कर (34) के बाद चौथे सबसे सफल भारतीय बल्लेबाज बनाते हैं। कोहली ने 7 टेस्ट दोहरे शतक भी बनाए, जो किसी भारतीय द्वारा अब तक का सबसे अधिक है। 36 वर्षीय भारतीय दिग्गज ने एंडरसन के साथ एक महाकाव्य प्रतिद्वंद्विता साझा की, जिसमें कई अविस्मरणीय लड़ाइयां हुईं। उन्होंने इंग्लैंड के महान खिलाड़ी के खिलाफ 36 पारियों में 43.57 की औसत से 305 रन बनाए, जबकि सात बार उनके सामने हारे। एंडरसन ने कहा, 'महान खिलाड़ी। शर्मा के संन्यास लेने के कारण एक नया कप्तान होगा। कोहली, अब तक के सबसे महान टेस्ट बल्लेबाजों में से एक। वहां बड़े पद भरने हैं, लेकिन उनके दल में बहुत अधिक प्रतिभा है। आपको बस आईपीएल देखना होगा। वे अब आईपीएल से ऐसे खिलाड़ियों को टेस्ट क्रिकेट में ला रहे हैं जो बहुत ही आक्रामक और निडर हैं।' कोहली का यह निर्णय रोहित शर्मा द्वारा सबसे लंबे प्रारूप में अपने करियर को समाप्त करने की आश्चर्यजनक घोषणा के तुरंत बाद आया। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज कोहली और रोहित ने भारत के इंग्लैंड दौरे से ठीक एक महीने पहले संन्यास ले लिया, जो एक नए विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (WTC) चक्र की शुरुआत का प्रतीक होगा। एंडरसन ने कहा, 'यह एशेज के साथ एक बहुत बड़ा साल है, लेकिन कुछ गति बनाए रखना महत्वपूर्ण है। अगर मैं ईमानदारी से कहूं, तो अपने करियर को पीछे देखता हूं, तो ऐसा बहुत बार हुआ है, जब एशेज से 18 महीने पहले प्रबंधन और यहां तक कि खिलाड़ी भी उसी की ओर देखने लगे और वास्तव में भूल गए कि उनके सामने क्या है। भारत घर पर भी एक कठिन चुनौती होने जा रहा है। वे एक मजबूत टीम हैं।'

शॉन टेट बने बांग्लादेश के नये गेंदबाजी कोच

ढ़ाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने आंद्रे एडम्स के पद छोड़ने के बाद पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज शॉन टेट को नया तेज गेंदबाजी कोच बनाया है। टेट आंद्रे एडम्स की जगह लेंगे और नवंबर 2027 तक बांग्लादेश क्रिकेट टीम के साथ बने रहेंगे। बीसीबी ने कहा कि पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर और गेंदबाजी कोच के रूप में टेट के पास अच्छा अनुभव है जिसका लाभ बांग्लादेश की टीम को मिलेगा। टैट ने सभी प्रारूपों में 59 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते हुए अपनी तेज गति और आक्रामक गेंदबाजी से 95 विकेट लिए हैं। इससे पहले वह पाकिस्तान, वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान की टीम के गेंदबाजी कोच रहे हैं। वहीं टेट ने बांग्लादेश टीम का कोच बनाये जाने पर खुशी जतायी और कहा, 'अभी बांग्लादेश क्रिकेट टीम के साथ जुड़ने का अच्छा समय है। उसके यहां नई प्रतिभाएं सामने आ रही हैं। यह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट है और हर कोई उम्मीद करता है कि नई प्रतिभाएं बेहतर परिणाम लाएगी। मेर लक्ष्य गेंदबाजों को और बेहतर बनाते हुए टीम को जीत की ओर ले जाना रहेगा।' टेट के अनुसार मुख्य कोच फिल सिमंस के साथ काम करने का अवसर मिलना भी उनके लिए खुशी की बात है। वह इसके लेकर उत्साहित हैं।'

पहलगाम हमला: पाकिस्तान का राजगीर में एशिया कप हॉकी खेलना मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया सरकार के परामर्श का इंतजार कर रहा है लेकिन पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच इस साल हीरो एशिया कप हॉकी में पाकिस्तान का भाग लेना मुश्किल लग रहा है। एशिया कप बिहार के राजगीर में 27 अगस्त से सात सितंबर के बीच खेला जायेगा । मेजबान भारत, पाकिस्तान, जापान, कोरिया, चीन, मलेशिया, ओमान और चीनी ताइपै को इसमें भाग लेना है। यह अगले साल नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले विश्व कप का क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी है।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा, 'अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगा लेकिन हम सरकार के दिशा निर्देशों का पालन करेंगे जैसा पहले भी होता आया है। अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। पहलगाम में क्रूर आतंकवादी हमले और आपरेशन सिंदूर के बाद अभी कुछ कहना मुश्किल है। अभी टूर्नामेंट में तीन महीने का समय है लेकिन हम सरकार की सलाह का पालन करेंगे। इसमें कोई दोराय नहीं है।'

पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादी हमले में 26 भारतीयों की मौत हो गई थी जिसमें अधिकांश पर्यटक थे। इसके बाद से भारत सरकार ने सभी पाकिस्तानियों को देश छोड़कर जाने के आदेश दिए। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले जम्मू कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों पर आपरेशन सिंदूर के जरिये मिसाइल हमले किए। पाकिस्तान ने जवाब में ड्रोन और मिसाइल हमले किए जिन्हें भारत की शानदार वायु रक्षा प्रणाली ने नाकाम कर दिया। भारत ने पाकिस्तान के कई प्रमुख शहरों में सैन्य ठिकानों और वायु रक्षा प्रणाली को नेस्तनाबूद कर दिया। दोनों देश दस मई को युद्धविराम पर राजी हो गए जब पाकिस्तान के सैन्य अभियान के महानिदेशक ने भारत के डीजीएमओ से संपर्क किया। महासंघ के एक सूत्र ने कहा, 'अगर सरकार मंजूरी नहीं देती है तो पाकिस्तानी टीम यहां नहीं आएगी। यह सब सरकार के उस समय के रूख पर निर्भर करता है।' अगर पाकिस्तान को भारत आने की मंजूरी नहीं मिलती है तो टूर्नामेंट सात टीमों के साथ होगा या एक नयी टीम को बुलाया जाएगा। यह फैसला एशियाई हॉकी महासंघ लेगा। एक अधिकारी ने बताया, 'अभी यह कहना मुश्किल है कि नई टीम कौन सी होगी या यह सात टीमों के साथ ही होगा। एशियाई हॉकी महासंघ इस पर फैसला लेगा।' पाकिस्तान हॉकी टीम ने पिछली बार लखनऊ में 2016 जूनियर विश्व कप नहीं खेला था जो पठानकोट आतंकवादी हमले के कुछ महीने बाद ही हुआ था। उसकी जगह मलेशिया को शामिल किया गया था। मौजूदा हालात में पाकिस्तान का 28 नवंबर से दस दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होने वाले जूनियर विश्व कप में खेलना भी मुश्किल है। एशिया कप अगले साल नीदरलैंड और

बेल्जियम में 14 से 30 अगस्त तक होने वाले विश्व कप का क्वालीफायर टूर्नामेंट भी है।

गेल इंडिया लिमिटेड के तिमाही नतीजे किए जारी, 2,491.76 करोड़ रुपये का कंसोलिडेटेड शुद्ध लाभ

मुंबई।

गेल इंडिया लिमिटेड ने मंगलवार को मार्च 2025 को खत्म हुई तिमाही के नतीजे जारी किए। इस तिमाही में कंपनी को 2,491.76 करोड़ रुपये का कंसोलिडेटेड शुद्ध लाभ हुआ। यह बीते साल की इसी तिमाही में हुए 2,468.71 करोड़ के मुनाफे के करीब बराबर है। हालांकि, दिसंबर 2024 वाली पिछली तिमाही की तुलना में मुनाफा में भारी गिरावट आई है। तब कंपनी का मुनाफा 4,081.56 करोड़ था, यानी इस बार मुनाफा करीब 39 प्रतिशत कम हुआ है। कंपनी की कुल ऑपरेशनल आय यानी रेवेन्यू 36,551.15 करोड़ रही, जो एक साल पहले की 32,833.24 करोड़ से 11.3 प्रतिशत ज़्यादा है। लेकिन पिछली तिमाही के 36,937.05 करोड़ से थोड़ा कम है। गेल के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 1 रुपये प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड देने की सिफारिश की है। कंपनी ने बताया कि यह 6.50 के इंटरिम डिविडेंड के अतिरिक्त है, जो पहले ही इस साल के दौरान दिया जा चुका है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय बाजार दो पैसे की बढ़त के साथ ही 85.28 पर बंद हुआ। इससे पहले मंगलावार को को भारतीय रुपया छह पैसे की बढ़त के साथ ही 85.30 पर बंद हुआ। गत दिवस सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में 74 पैसे मजबूत होकर 84.62 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भारतीय परिसंपत्तियों में विदेशी निवेशकों की निरंतर रुचि ने स्थानीय मुद्रा को मौलिक समर्थन दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.70 प्रति डॉलर पर खुला और फिर डॉलर के मुकाबले 84.74 पर लुढ़क गया। हालांकि, यह फिर वापसी करता हुआ 84.62 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 74 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.36 पर बंद हुआ था।

जल्द लॉन्च होगी 5 नई इलेक्ट्रिक कारें

नई दिल्ली।

ग्राहकों के रुझान को देखते हुए भारतीय बाजार में जल्द ही पांच नई इलेक्ट्रिक कारें लांच होने वाली है। टाटा मोटर्स और मारुति सुजुकी जैसी दिग्गज कार निर्माता कंपनियां भारतीय मार्केट में अपनी नई इलेक्ट्रिक कारों को लॉन्च करने की तैयारी कर रही हैं। आइए जानते हैं, ऐसी ही 5 अपकमिंग इलेक्ट्रिक कारों के बारे में। महिंद्रा अपनी पॉपुलर एसयूवी एक्सयूवी 700 का इलेक्ट्रिक वैरिएंट लॉन्च करने जा रही है, जिसे महिंद्रा एक्सईवी 7ई नाम दिया जाएगा। इस इलेक्ट्रिक एसयूवी की बैटरी पैक की जानकारी अभी तक नहीं दी गई है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह कार सिंगल चार्ज पर 500 किमी से ज्यादा की रेंज ऑफर कर सकती है। एमजी भारतीय बाजार में एम9 एमपीवी को लॉन्च करने की योजना बना रही है। इसमें 90 केडब्ल्यूएच की बैटरी का उपयोग किया जाएगा, जो सिंगल चार्ज पर लगभग 430 किमी की रेंज प्रदान कर सकती है। इसे प्रीमियम एमजी आउटलेट्स से बेचा जाएगा। मारुति सुजुकी अपनी पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी ई विटारा को लॉन्च करने वाली है। यह कार दो बैटरी पैक ऑप्शन के साथ आएगी, जो सिंगल चार्ज पर 500 किमी से ज्यादा की रेंज देने की क्षमता रखती है। टाटा मोटर्स अपनी लोकप्रिय एसयूवी हैरियर का इलेक्ट्रिक वेरिएंट लॉन्च करने की तैयारी में है। टाटा हैरियर ईवी सिंगल चार्ज पर 500 किमी से ज्यादा की रेंज दे सकती है, जैसा कि टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। महिंद्रा एक्सयूवी 3एक्स0 का इलेक्ट्रिक वेरिएंट लॉन्च किया जाएगा, जिसे कई बार टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। इस इलेक्ट्रिक एसयूवी की रेंज सिंगल चार्ज पर 400 से 450 किमी हो सकती है।

भारत 80 देशों को रक्षा उपकरणों का कर रहा निर्यात, दस साल में 34 फीसदी बढ़ोतरी

सरकार लगातार रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी हथियारों के उत्पादन पर दे रही जोर

नई दिल्ली।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले का भारत ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया जिसे वह कभी भूल नहीं पाएगा। भारतीय सेना ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकी शिविरों को तबाह कर दिया बल्कि उसके हर नापाक इरादे को नाकाम कर दिया। मीडिया रिपोर्ट में खुफिया सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले क्षेत्र पीओके में 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। इस कार्रवाई में लश्कर-ए-तैयबा के 100 से भी ज्यादा आतंकी मारे गए। अब भारतीय रक्षा क्षेत्र से एक और अच्छी खबर आई है। भारत दुनिया के 80 देशों को रक्षा उपकरणों का निर्यात कर रहा है और पिछले 10 सालों में इस क्षेत्र में करीब 34 गुना वृद्धि दर्ज की है। आंकड़ों के मुताबिक 2013-14 में भारत का रक्षा निर्यात मात्र 686 करोड़ रुपए था जो अब बढ़कर 23,622 करोड़ पर पहुंच गया है। रक्षा क्षेत्र में यह शानदार वृद्धि वैश्विक स्तर पर भारत के बढ़ते दबदबे को दर्शाती है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में निजी क्षेत्र ने 15,233 करोड़ रुपए का रक्षा निर्यात किया जबकि सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा उपक्रमों ने रिकॉर्ड 8,389 करोड़ रुपए के हथियारों का निर्यात किया है। डिफेंस पीएसयू के निर्यात में ही करीब 42.85 फीसदी की वृद्धि हुई, जो दुनिया भर में भारतीय हथियारों की बढ़ती मांग को इंगित करती है। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत सरकार लगातार रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी हथियारों के उत्पादन पर जोर दे रही है। भारत का लक्ष्य 2029 तक अपने रक्षा निर्यात को 50 हजार करोड़ रुपए तक पहुंचाना है। भारत जिन प्रमुख हथियारों का निर्यात करता है उनमें आकाश मिसाइल, ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल और पिनाका रॉकेट शामिल हैं। इसके अलावा के9 वज्र तोप, बीओटी प्लेटफॉर्म, डोर्नियर 228 लड़ाकू विमान और हल्का लड़ाकू विमान तेजस भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी पसंद किया जा रहा है। वहीं पहलगाम हमले का मुंहतोड़ जवाब देने के साथ रक्षा निर्यात में भारत की यह तेजी से बढ़ती ताकत देश को न केवल सुरक्षित बना रही है बल्कि वैश्विक स्तर पर एक अहम सैन्य और आर्थिक शक्ति के रूप में भी स्थापित कर रही है।

भारत में थोक महंगाई दर अप्रैल में 13 महीनों के निचले स्तर पर

नई दिल्ली।

भारत में थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई या थोक महंगाई दर अप्रैल में कम होकर 13 महीनों के निचले स्तर 0.85 प्रतिशत पर आ चुकी है, जो कि मार्च में 2.05 प्रतिशत पर थी। इसकी जानकारी वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा बुधवार को दी गई। थोक महंगाई दर में कमी की वजह खाद्य उत्पादों की कीमतों में कमी आना है। अप्रैल में खाद्य उत्पादों पर थोक महंगाई दर कम होकर 2.55 प्रतिशत रही है, जो कि मार्च में 4.66 प्रतिशत पर थी। मोदी सरकार ने बताया कि अप्रैल में थोक महंगाई दर सकारात्मक रहने की वजह खाद्य उत्पादों, केमिकल और केमिकल उत्पादों, ट्रांसपोर्ट उपकरणों और अन्य मशीनों की मैन्युफैक्चरिंग की कीमत में बढ़ोतरी होना है। मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों में महंगाई दर बढ़कर 2.62 प्रतिशत हो गई है। फ्यूल एंड पावर और प्राथमिक उत्पादों में महंगाई दर गिरकर 2.18 प्रतिशत और 1.44 प्रतिशत रह गई है। थोक महंगाई दर में कमी तब देखने को मिली है, जब खुदरा महंगाई दर कई सालों के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गई है। केंद्र सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल में खुदरा महंगाई दर घटकर 3.16 प्रतिशत हो गई है, जो कि मार्च में 3.34 प्रतिशत थी। यह खुदरा महंगाई दर का जुलाई 2019 के बाद सबसे निचला स्तर है। यह लगातार तीसरा महीना था, जब खुदरा महंगाई दर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के महंगाई के टारगेट 4 प्रतिशत के नीचे रही है। महंगाई में कमी आने से आरबीआई के पास आने वाले समय में रेपो रेट में कमी करने के लिए पर्याप्त जगह होगी।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। दुनिया भर से मिले जुले संकेतों के बीच ही दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 182 अंक बढ़कर 81,330.56 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 89 अंक करीब 0.36 फीसदी ऊपर आकर 24,666.90 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स पर टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एमएंडएम के शेयर ऊपर आये जबकि एशियन पेंट्स, पावर ग्रिड कॉर्प, टाटा मोटर्स, कोटक महिंद्रा बैंक, एनटीपीसी के शेयर गिरे। निफ्टी पर टाटा स्टील, श्रीराम फाइनेंस, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि एशियन पेंट्स, सिप्ला, टाटा मोटर्स, कोटक महिंद्रा बैंक, एनटीपीसी के शेयर नुकसान में रहे। इसके अलावा बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में 1-1 फीसदी का उछाल आया।

आज एफएमसीजी और बैंक शेयरों को छोड़कर, अन्य सभी सेक्टोरल इंडेक्स बढ़त पर रहे, जिसमें रियल्टी, ऑयल एंड गैस, आईटी और मेटल इंडेक्स में 1-2 फीसदी की तेजी रही। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सुबह आईटी और स्टील स्टॉक्स में बढ़त रही जिससे भी बाजार उछला। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारती एयरटेल के शेयर में तेजी से भी बाजार में उत्साह आया। आज सेंसेक्स बढ़त के साथ ही 81,278.49 अंक पर खुला। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी मजबूती के साथ 24,613.80 अंक पर खुला।

वहीं गत दिवस बाजार भारी गिरावट पर बंद हुआ था। आज सुबह धातु शेयरों में तेजी रही।

अमेरिका के सुरक्षा शुल्क लगाए जाने से भारत और अमेरिका के बीच 7.6 अरब डॉलर का निर्यात प्रभावित होगा, जिस पर अमेरिका का शुल्क संग्रह 1.91 अरब

डॉलर होगा। इसी के अनुसार भारत की रियायतों के निलंबन के बाद अमेरिका के उत्पादों पर भी समान शुल्क वसूला जाएगा। इसके कारण भी धातु शेयरों में बढ़त रही। वहीं एशियाई बाजारों में बुधवार को मिश्रित कारोबार हुआ। जापान का निक्केई 225 0.57 फीसदी गिरा जबकि टॉपिक्स में 1.05 फीसदी की गिरावट रही। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.67 फीसदी ऊपर रहा और कोसडैक 0.02 फीसदी की बढ़त के साथ स्थिर रहा। ऑस्ट्रेलिया का बेंचमार्क एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.1 फीसदी की गिरावट के साथ नकारात्मक पूर्वाग्रह के साथ स्थिर रहा। हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स 1.16 फीसदी बढ़ा जबकि चीन का सीएसआई 300 0.21 फीसदी नीचे रहा। वहीं दूसरी और अंतरराष्ट्रीय बाजारों की बात करें तो वॉल स्ट्रीट इंडेक्स मिले-जुले रुख के साथ बंद हुआ। एसएंडपी 500 0.72 फीसदी बढ़कर 5,886.55 पर बंद हुआ। नैस्डैक कंपोजिट 1.61 फीसदी ऊपर आकर 19,010.08 पर बंद हुआ। जबकि डॉव जोन्स 0.64 फीसदी गिरकर 42,140.43 पर बंद हुआ। इसके अलावा अमेरिकी शेयर फ्यूचर्स में भी गिरावट रही।

डिजिटल कॉमर्स छोटे-मझोले कारोबारियों के लिए गेम-चेंजर साबित हो रहे

ओएनडीसी प्लेटफॉर्म पर एक लाख से ज्यादा एमएसएमई कारोबार जुड़ जाएंगे

नई दिल्ली।

सरकारी डिजिटल व्यापार मंच ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स अब छोटे और मझोले कारोबारियों के लिए गेम-चेंजर साबित हो रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस मंच से जुड़ने वाले एमएसएमई की आय में औसतन 20 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यह बढ़त विशेष रूप से छोटे और मझोले शहरों में देखने को मिली है। रिपोर्ट के मुताबिक ओएनडीसी से सबसे ज्यादा एमएसएमई राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र जैसे राज्यों से जुड़े हैं। इन राज्यों में डिजिटल व्यापार को अपनाने की रफ्तार तेज हुई है। पिछले एक साल में इस मंच से जुड़े एमएसएमई की संख्या में जबरदस्त इजाफा हुआ है। कंपनी का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026-27 तक ओएनडीसी प्लेटफॉर्म पर एक लाख से ज्यादा एमएसएमई कारोबार जुड़ जाएंगे। ईजी-पे के मैनेजिंग डायरेक्टर ने कहा कि ओएनडीसी के साथ हमारा गठजोड़ यह दर्शाता है कि अब छोटे शहरों से भी कारोबार करना आसान और सुलभ होता जा रहा है। यह मंच व्यापार को डेमोक्रेटिक और डीसेंट्रलाइज्ड बनाता है, जिससे छोटे व्यापारी भी बड़े ब्रांड्स से मुकाबला कर सकते हैं। ईजी-पे उन शुरुआती फिनटेक कंपनियों में से है, जो ओएनडीसी पर रिटेल और फाइनेंशियल सर्विसेज को जोड़कर एमएसएमई को डिजिटल भुगतान और ऑनलाइन बिक्री जैसे सुविधाएं प्रदान कर रही है। इससे छोटे व्यापारियों की

पहुंच और मुनाफा दोनों में इजाफा हो रहा है। ओएनडीसी का यह मॉडल देश के टियर-2 और टियर-3 शहरों में व्यापार को डिजिटल रूप से सशक्त बना रहा है। यह मंच न केवल तकनीकी सहायता देता है, बल्कि एमएसएमई को बड़े बाजारों से जोड़कर उन्हें डिजिटल इकॉनमी में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अग्रसर करता है।

भारतीय बाजार में किआ ने कैरेंस क्लैविस लॉन्च किया

नई दिल्ली।

किआ इंडिया ने अपनी पॉपुलर एमपीवी कैरेंस का अपडेटेड वर्जन कैरेंस क्लैविस भारतीय बाजार में लॉन्च कर दिया है। इसे एक प्रीमियम एमपीव्ही के रूप में पेश किया गया है, जो पहले से मौजूद कैरेंस मॉडल के साथ बेचा जाएगा। कैरेंस क्लैविस को लेकर कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं, जिनमें एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस), नया डिजाइन और स्मार्ट फीचर्स शामिल हैं। किआ कैरेंस क्लैविस में लेवल-2 एडीएस सुइट दिया गया है, जो ड्राइविंग के दौरान सुरक्षा और आराम को बढ़ाता है। इस एमपीवी में 360-डिग्री कैमरा और 360-डिग्री सराउंड कैमरा भी जोड़ा गया है, जिससे पार्किंग और मैन्युवरिंग में आसानी होती है। हाई ट्रिम्स में डुअल-चैनल डैशकैम सिस्टम भी दिया गया है, जो वाहन के आगे और पीछे की निगरानी करता है, खासकर अचानक होने वाली घटनाओं के दौरान। डिजाइन में भी कई बदलाव किए गए हैं। इसमें ईवी5-प्रेरित फ्रंट एलईडी डीआरएल सिग्नेचर और ट्रिपल आइस-क्यूब एलईडी हेडलाइट्स दी गई हैं। रियर में नया कनेक्टेड एलईडी टेल लाइट सिग्नेचर है, जो इसकी खूबसूरती में चार चांद लगाता है। स्मार्ट की फीचर में रिमोट इंजन स्टार्ट और विंडो कंट्रोल की सुविधा दी गई है। किआ कैरेंस क्लैविस में 17-इंच के डुअल कलर अलॉय व्हील्स और पैनोरमिक सनरूफ भी दिया गया है।

पर्सनल लोन के डिफॉल्ट होने के खतरे से चिंतित आरबीआई, नियमों को सख्त करने में जुटा

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) बिना गिरवी रखे मिलने वाले व्यक्तिगत कर्ज, जैसे पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड के नियमों को और सख्त करने में जुटी हुई है। बिना गिरवी वाले कर्ज में डिफॉल्ट का खतरा बढ़ रहा है। इस बात से आरबीआई चिंतित है। नवंबर 2023 में आईबीआई ने इन कर्जों पर रिस्क वेट 100 से बढ़ाकर 125 प्रतिशत कर दिया था, लेकिन अब और कड़े कदम जरूरी हैं। आरबीआई ने बैंकों को अपनी कर्ज देने की नीतियों को सख्त करने के निर्देश दिए हैं। कर्ज लेने वालों की क्रेडिट स्कोर के आधार पर ऋण की अधिकतम सीमा तय करना होगा। अगर कोई व्यक्ति पहले से होम लोन या ऑटो लोन ले चुका है, तब बैंकों को पर्सनल लोन देते समय अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है।

बैंकों से बातचीत के आधार पर सामने आया कि आईबीआई को रिटेल लोन के तेजी से बढ़ने और इसमें छिपे जोखिमों को लेकर चिंता है। मार्च 2024 में पर्सनल लोन में वार्षिक वृद्धि 14 प्रतिशत रही (पिछले साल सामान अवधि में 17.6 प्रतिशत थी)। निजी बैंक अभी भी तेजी से ये कर्ज दे रहे हैं, जबकि सरकारी बैंकों का फोकस

कम है। दिसंबर 2023 की वित्तीय स्टेबिलिटी रिपोर्ट के मुताबिक, प्राइवेट बैंकों में कर्ज माफ करने (राइट-ऑफ) की संख्या तेजी से बढ़ी है, जो जोखिम का संकेत है।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया जल्द ही (अगले 15 दिनों में) इन नए दिशा-निर्देशों का ड्राफ्ट जारी कर सकता है। बैंकों से अपेक्षा है कि वे इन कर्जों को लेकर अधिक सतर्कता बरतेंगे और केवल योग्य उधारकर्ताओं को ही ऋण दे।

माइक्रोसॉफ्ट 3 फीसदी कर्मचारियों की करेगी छंटनी, कई विभागों पर पड़ेगा असर

प्रवक्ता ने कहा- हम लगातार बदलाव कर रहे हैं, जो कंपनी को बनाएंगे बेहतर

नई दिल्ली।

दिग्गज टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने दुनिया भर में अपने 3 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी करने का फैसला किया है। कंपनी के पास जून 2024 तक करीब 2,28,000 कर्मचारी थे यानी अब 6,800 कर्मचारियों को कंपनी बाहर का रास्ता दिखाएगी। माइक्रोसॉफ्ट ने 2023 में भी 10,000 कर्मचारियों को निकाला था। छंटनी का असर कई विभागों, स्तरों और क्षेत्रों पर पड़ेगा। कंपनी का कहना है कि यह छंटनी कंपनी के संगठनात्मक ढांचे को सरल बनाने की रणनीति का हिस्सा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक माइक्रोसॉफ्ट के प्रवक्ता ने कहा कि हम लगातार उन बदलावों को लागू कर रहे हैं, जो कंपनी को बेहतर बनाने के लिए जरुरी है। जनवरी 2023 में कंपनी की छंटनी में होलोलैंस और अन्य हार्डवेयर डिवीजन की टीमें प्रभावित हुई थीं। यह छंटनी ऐसे समय की जा रही है जब माइक्रोसॉफ्ट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर पर बड़ा निवेश कर रही है। कंपनी ने इस वित्तीय वर्ष में एजुरे और एआई सेवाओं को मजबूत करने के लिए 80 अरब डॉलर खर्च करने का लक्ष्य रखा है। छंटनी की खबर बाजार में फैलते ही माइक्रोसॉफ्ट के शेयर

449.26 डॉनर पर पहुंच गए। यह इस साल का अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। जुलाई 2023 में कंपनी का शेयर रिकॉर्ड 467.56 डॉलर रहा था। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा कि इस बार की छंटनी प्रदर्शन आधारित नहीं है यानी जिन लोगों की नौकरी जा रही है, उन्हें उनके काम की वजह से नहीं निकाला जा रहा। कंपनी का मकसद प्रबंधन स्तर को कम करना और काम को और ज्यादा आसान बनाना है। खास बात यह है कि माइक्रोसॉफ्ट ने अप्रैल 2024 में अपने तिमाही नतीजों में उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया था, फिर भी यह छंटनी दिखाती है कि माइक्रोसॉफ्ट अपने संसाधनों का इस्तेमाल और भी प्रभावी तरीके से करना चाहती है। टेक सेक्टर में छंटनियों का सिलसिला जारी है। मेटा ने भी इस साल प्रदर्शन आधारित निकासी के जरिए 5 फीसदी कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया था, जबकि सेल्सफोर्स ने एक हजार से ज्यादा पदों को खत्म कर दिया है। दोनों कंपनियां भी एआई की ओर बढ़ रही हैं।

गूगल के सीईओ पिचाई ने निभाई कस्टमर की भूमिका, एलन मस्क ने दिया जवाब

कहा- दुनिया के सबसे समझदार और प्रभावशाली लोग एक्स पर ही बात करते हैं

नई दिल्ली।

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई को टेस्ला के सीईओ और दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क ने जवाब दिया, जिसको लेकर यूजर्स के कमेंट आ रहे हैं। दरअसल, क्रोरा के सीईओ एडम डी एंजेलो ने गूगल मीट के ऑडियो क्वालिटी पर शिकायत की। उन्होंने ट्वीट किया कि हमने क्रोरा में जूम की जगह गूगल मीट इस्तेमाल किया लेकिन ऑडियो में दिक्कत आई। इसलिए हम जूम पर वापस लौट रहे हैं। इस पर सुंदर पिचाई ने तुरंत जवाब दिया एडम, हम इसकी जाँच करेंगे और ठीक करेंगे। मेरे अनुभव में तो यह ठीक काम करता है, लेकिन हम समस्या का पता लगाएंगे। एडम ने कहा धन्यवाद! अगर ठीक हो गया तो हम गूगल मीट पर वापस आ जाएंगे। इस पोस्ट पर कुछ ही मिनटों में 4000 से ज्यादा व्यूज आ गए। इस बातचीत को क्रोरा के सह-संस्थापक ने शेयर किया और लिखा- जब गूगल का सीईओ एक्स पर कस्टमर सपोर्ट करने लगे, तो समझो गूगल एजीआई (आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस) की रेस जीतने वाला है। इस पर एलन मस्क ने जवाब दिया दुनिया के सबसे समझदार और प्रभावशाली लोग एक्स पर ही बात करते हैं। एक यूजर ने लिखा- सीईओ का सीधे रिप्लाई करना कमाल का है! दूसरा ने कहा कि एक्स पर इन लीडर्स की बातचीत से हमें उनकी कंपनियों की चुनौतियों का पता चलता है। तीसरे ने कहा पहले सोशल मीडिया सिर्फ शहरों तक सीमित था, अब यह ग्लोबल प्लेटफॉर्म बन गया है। आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस (एजीआई) एक ऐसी एआई तकनीक है जो मनुष्यों की तरह सोचने, समझने, सीखने और किसी भी कार्य को स्वतंत्र रूप से करने की क्षमता रखती है। यह मौजूदा एआई सिस्टम्स बिल्कुल अलग है, जो सिर्फ स्पेशलाइज्ड टास्क के लिए ट्रेंड होते हैं। यह किसी एक काम तक सीमित नहीं हैं, बल्कि नए काम सीखने, समस्याएं सुलझाने और तर्क करने में मनुष्यों जैसे लचीली हैं। अगर एजीआई को पेंटिंग सिखाई जाए, तो वह उसी समझ का इस्तेमाल संगीत बनाने या गणित की समस्या हल करने में भी कर सकेगा। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि एजीआई 2040-2050 तक आ सकता है, जबकि कुछ इसे सैद्धांतिक ही मानते हैं। एजीआई मेडिकल रिसर्च, जलवायु परिवर्तन या गरीबी जैसी वैश्विक समस्याओं को हल करने में भी मदद कर सकता है, लेकिन इसके साथ बड़े जोखिम भी हैं। कुलमिलाकर एजीआई एक ह्यूमन-लेवल एआई है, जो अभी तक सिर्फ विज्ञान कथाओं और रिसर्च पेपर्स में मौजूद है। यह एआई का अगला और सबसे बड़ा कदम माना जाता है।

खाद्य पदार्थों की कीमतों में गिरावट का असर

अप्रैल में थोक महंगाई 13 महीने के निचले स्तर 0.85 प्रतिशत पर, रोजमर्रा की वस्तुएं हुईं सस्ती

नई दिल्ली।

अप्रैल महीने में थोक महंगाई 2.05 प्रतिशत से घटकर 0.85 प्रतिशत पर आ गई है। ये महंगाई का 13 महीनों का निचला स्तर है। इससे पहले मार्च 2024 में महंगाई 0.53 प्रतिशत पर थी। वहीं फरवरी 2025 की महंगाई दर को सरकार ने संशोधित किया है। इसे 2.38 प्रतिशत से बढ़ाकर 2.45 प्रतिशत कर दिया गया है। रोजाना की जरूरत के सामान और खाने-पीने की चीजों की कीमतों के घटने से महंगाई घटी है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने आज यानी 14 मई को ये आंकड़े जारी किए। रोजाना की जरूरत वाले सामानों की महंगाई 0.76 प्रतिशत से घटकर -1.44 प्रतिशत हो गई। खाने-पीने की चीजों की महंगाई 4.66 प्रतिशत से घटकर 2.55 प्रतिशत हो गई। फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर 0.20 प्रतिशत से घटकर -2.18 प्रतिशत रही। मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 3.07 प्रतिशत से घटकर 2.62 प्रतिशत रही।

होलसेल प्राइस इंडेक्स का आम आदमी पर असर

थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए होलसेल प्राइस इंडेक्स को कंट्रोल कर सकती है।

जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। होलसेल प्राइस इंडेक्स में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है।

17 साल बाद फिर साथ काम करेंगे अक्षय और सैफ

बॉलीवुड के दो दिग्गज सितारे अक्षय कुमार और सैफ अली खान 17 साल बाद एक बार फिर बड़े पर्दे पर साथ नजर आने वाले हैं। यह जोड़ी प्रियदर्शन के निर्देशन में एक सस्पेंस से भरी थ्रिलर फिल्म में धमाल मचाएगी। दोनों ने आखिरी बार 2008 में फिल्म 'ताशन' में साथ काम किया था। इस नई फिल्म की खबर ने फैंस में उत्साह की लहर दौड़ा दी है।

इस फिल्म में साथ करेंगे काम

अक्षय कुमार और सैफ अली खान की नई फिल्म को लेकर फैंस भी उत्साहित हो गए हैं। हिंदुस्तान टाइम्स ने एक सूत्र के हवाले से बताया, अक्षय और सैफ हमेशा से एक-दूसरे के काम के प्रशंसक रहे हैं। दोनों को एक साथ काम करने में मजा आता है। जैसे ही उन्होंने इस फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ी, वे तुरंत इसके लिए तैयार हो गए। सूत्र ने यह भी खुलासा किया कि यह फिल्म एक रोमांचक थ्रिलर है, जो दर्शकों को शुरू से अंत तक बांधे रखेगी। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी यह फिल्म सस्पेंस और मनोरंजन का जबरदस्त मिश्रण होगी।

कब शुरू होगी शूटिंग?

फिल्म की शूटिंग अगस्त 2025 में शुरू होने की उम्मीद है और यह 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हालांकि, फिल्म का नाम और कहानी अभी गुप्त रखी गई है, लेकिन सूत्रों का दावा है कि यह एक दमदार कहानी होगी। अक्षय और सैफ की जोड़ी पहले भी 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी', 'आंखें' और 'ये दिल्लगी' जैसी फिल्मों में जादू दिखा चुकी है, और अब फैंस इस नई फिल्म से भी वैसी ही उम्मीदें लगाए बैठे हैं।

अक्षय-प्रियदर्शन की हिट जोड़ी

अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी बॉलीवुड में हिट फिल्मों की गारंटी रही है। दोनों ने 'हेरा फेरी', 'गरम मसाला', 'भूल भुलैया' और 'दे दना दन' जैसी सुपरहिट फिल्में दी हैं। फिलहाल, अक्षय और प्रियदर्शन अपनी अगली फिल्म 'भूत बंगला' की शूटिंग में व्यस्त हैं, जो 14 साल बाद उनकी एक साथ वापसी है। इसके अलावा, दोनों 'हेरा फेरी 3' पर भी काम कर रहे हैं, जो फैंस के लिए एक और बड़ा सरप्राइज है।

दो सुपरस्टार को एक साथ फिल्म में देखना चाहते हैं विजय

अभिनेता विजय देवरकोंडा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म किंगडम को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। विजय ने बॉलीवुड और टॉलीवुड के दो सुपरस्टार्स को एक साथ फिल्म में देखने की बात कही, जिसके पीछे की वजह है उनका धमाकेदार बॉक्स ऑफिस कल्केशन। आइए जानते हैं विजय ने किन दो अभिनेताओं को देखने की मांग की है। खबर के मुताबिक, मुंबई में वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट के दूसरे दिन विजय देवरकोंडा भी शामिल हुए। इस दौरान विजय ने कहा वह चाहते हैं कि शाहरुख खान और अल्लू अर्जुन भविष्य में किसी फिल्म में एक साथ काम करें। उन्होंने बताया कि शाहरुख की फिल्म ने करीब 800-1000 करोड़ रुपये और अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 ने 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाए। विजय ने यह भी कहा कि अगर दक्षिण और उत्तर भारत के ये बड़े सितारे साथ आएं, तो देश को एकजुट करने में मदद मिलेगी। उनका मानना है कि भारतीय सिनेमा को और आगे ले जाने के लिए ऐसे सहयोग बहुत जरूरी हैं। इससे न सिर्फ ध्यान आकर्षित होगा, बल्कि विकास भी होगा।

ज्वेलथीफ... से ओटीटी पर बड़ी पहचान मिली...

निकिता दत्ता अपनी नई फिल्म ज्वेलथीफ को लेकर चर्चा में हैं। उनकी यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर 56 देशों में ट्रेंड कर रही है। उनसे फिल्मों और को-स्टार्स को लेकर हुई खास बातचीत...

क्या आप पर आप टीवी आर्टिस्ट होने का दवाब था। उस टैग से बाहर कैसे निकली?

टीवी आर्टिस्ट होने का दबाव जरूर होता है और कास्टिंग के समय इन बातों का ध्यान रखा जाता है। हालांकि, इस बात का गर्व है कि मैं उस इंडस्ट्री से आई हैं। 2018 में टीवी शो हासिल खत्म होने के बाद टीवी शो न करने का फैसला लिया था, जो कि आसान नहीं था क्योंकि इसमें अच्छे पैसे को छोड़कर फिर से ऑडिशन देना पड़ता है। इस फैसले में माता-पिता का सपोर्ट बहुत महत्वपूर्ण रहा। कबीर सिंह में काम करने के बाद मेरे लिए चीजें बदल गईं। नाम के साथ जो टीवी का टैग था, वह धीरे धीरे गायब हो गया।

अक्षय स्टारर गोल्ड में सिमरन का किरदार कैसे मिला था?

इसका प्रोसेस आसान था। ऑडिशन हुआ और मैं सेलेक्ट हो गई। गोल्ड के बाद कबीर सिंह की शूटिंग शुरू की थी। इन दो फिल्मों के दौरान मुझमें सहनशीलता आ गई थी। मैंने तय कर लिया था कि टाइम लगे, पर चीजें बदलेंगी, मुझे पीछे नहीं हटना है। गोल्ड के लिए बहुत मेहनत की थी, उम्मीदें भी बहुत थीं, पर वो पूरी नहीं हुई। कबीर सिंह को मैंने ज्यादा सीरियसली नहीं लिया था, सोचा था कि साउथ की फिल्म सबने देखी है तो इसे क्यों देखेंगे। मैंने ऐसा डायरेक्टर भी पहली बार देखा था जिसने अपनी ही फिल्म दो भाषाओं में बनाई हो। मुझे लगा था कबीर सिंह नहीं चलेगी पर जब फिल्म आई और रिस्पॉन्स मिला, वो शॉकिंग था।

संदीप वांगा रेड्डी से आपकी पहली मुलाकात कब हुई थी?

मुझे शूटिंग से दो हफ्ते पहले कॉल आया, जिसमें अर्जुन रेड्डी के हिंदी रीमेक के बारे में बताया गया। फिल्म न देखने पर, किरदार के बारे में बताया गया और संदीप वांगा से मिलने से पहले देखने को कहा गया। फिल्म देखने के बाद, संदीप से मुलाकात हुई, जिन्होंने फिल्म के बारे में पूछा और यह जानने के बाद कि मुझे अपना रोल समझ आ गया है, संदीप सर की तरफ से मुझे सीधे सेट पर मिलने के लिए कहा गया। कुछ कॉस्ट्यूम ट्रायल के बाद, मैंने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी थी। इस्तेफाक है इस फिल्म से मेरा करियर बदल गया।

अभिषेक, शाहिद, सैफ और इमरान के साथ काम करके आपने क्या सीखा?

मैंने अभिषेक बच्चन के साथ बिग बुल में काम किया। इतने बड़े बैकग्राउंड से होने के बाद भी वो बहुत विनम्र हैं, सबसे अच्छे से पेश आते हैं और काफी मजाकिया भी हैं। उनकी एक और अच्छी बात है कि वो अपने छोटे से छोटे सीन के लिए भी क्यू देते हैं, भले ही कैमरे में न दिख रहे हों। शाहिद से एक्टिंग का प्रोसेस सीखा और इमरान में बहुत धैर्य है। सैफ भी काफी मजाकिया हैं। उनका नवाब वाला बिहेवियर है।

आपके लिए सफलता क्या है?

सक्सेस एक बहुत ही रिलेटिव टर्म है। आप कभी भी पूरी तरह संतुष्ट नहीं होंगे। आज अगर मैं अपनी फिल्म के होर्डिंग्स देख रही हूं, तो कल मैं और ज्यादा देखना चाहूंगी। मैं नहीं चाहती कि इसका अंत हो। सफलता हमेशा एक ऐसा पैमाना है जिसे आप बढ़ाते ही जाते हैं। मेरे लिए सफलता रात में सुकून से सोना है और अपने काम से संतुष्टी है। बाकी ओटीटी से भी करियर बदल रहा है।

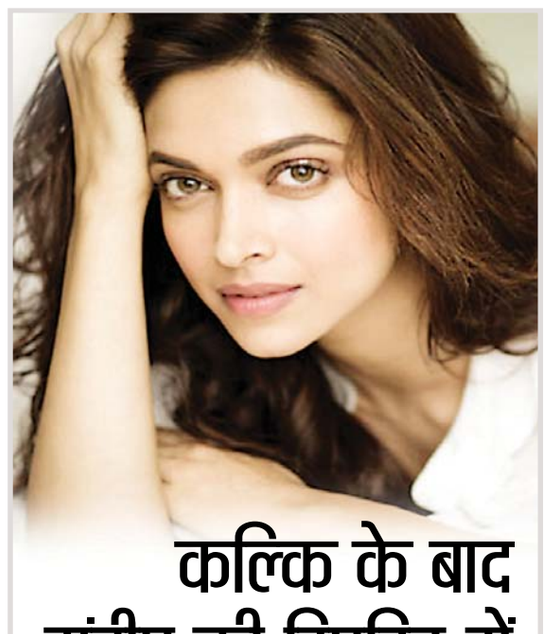

कल्कि के बाद संदीप की स्पिरिट में फिर साथ दिखेंगे प्रभास और दीपिका

प्रभास और दीपिका पादुकोण हाल ही में ब्लॉकबस्टर फिल्म कल्कि 2898AD में पहली बार साथ दिखे थे। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 1,000 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की। अब दोनों एक बार फिर साथ काम करने के लिए तैयार हैं। जहां कल्कि के सीक्वल की चर्चाएं जोरों पर हैं, वहीं प्रभास-दीपिका निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म स्पिरिट में भी साथ दिखेंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, दीपिका ने आखिरकार स्पिरिट के लिए हामी भर दी है। निर्देशक संदीप शुरू से ही इस फिल्म के लिए दीपिका को कास्ट करना चाहते थे। हालांकि, शुरुआती बातचीत में दीपिका ने अपनी प्रेग्नेंसी के कारण फिल्म में काम करने में असमर्थता जताई थी लेकिन बाद में संदीप ने फिल्म के शूटिंग शेड्यूल में बदलाव किया और दोबारा दीपिका से संपर्क किया, जिसके बाद दीपिका इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के लिए राजी हो गईं। संदीप ने दीपिका के लिए फिल्म में एक दमदार किरदार लिखा है।

दिनेश विजन ने 'महावतार' को बताया अपनी सबसे बड़ी फिल्म

'छावा' में अपने दमदार अभिनय की छाप छोड़ने वाले अभिनेता विक्की कौशल एक और पीरियड ड्रामा में नजर आएंगे। यह फिल्म काफी बड़े स्तर बनाए जाने की संभावना है। दरअसल, हम बात कर रहे हैं विक्की कौशल की आगामी फिल्म 'महावतार' की, जिसमें विक्की कौशल चिरंजीवी परशुराम की भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म मेडॉक फिल्म्स के अंतर्गत बनाई जाएगी। अब फिल्म को लेकर प्रोड्यूसर दिनेश विजन ने बात की और इसे उनकी अब तक की सबसे बड़ी फिल्म बताया है। मुंबई में हो रहे वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) में पहुंचे निर्माता दिनेश विजन ने हॉलीवुड और बॉलीवुड की फिल्मों में अंतर और अपनी आगामी फिल्म 'महावतार' को लेकर खुलकर बात की।

'संस्कृति से जुड़ी कहानियां बनाने की जरूरत'

दिनेश विजन का मानना है कि फिल्में जितना ज्यादा स्थानीयता और संस्कृति से जुड़ी होंगी, उतना सफल होने की उम्मीद ज्यादा रहेगी। उन्होंने कहा, कोविड महामारी के बाद हिंदी फिल्म निर्माताओं ने आम आदमी के लिए फिल्में बनाना सीख लिया है। 'स्त्री' और 'छावा' हमारी अपनी संस्कृति की कहानियों के उदाहरण हैं, जितना संभव हो उतना स्थानीय कहानियां कहने की जरूरत है। ऐसा मैंने तलाशा है। जब फिल्में आपके अपने बाजार में इस तरह का बिजनेस करती हैं, तो आपके पास इसे आगे बढ़ाने और बड़ा करने के लिए पैसा होता है।

ऐसे आई 'महावतार' जैसी बड़ी फिल्म बनाने की हिम्मत

विक्की कौशल के साथ अपने आगामी प्रोजेक्ट 'महावतार' के बारे में बात करते हुए, दिनेश विजन ने कहा, हम 'महावतार' बनाने का प्रयास कर रहे हैं, जो शायद हमारी अब तक की सबसे बड़ी फिल्म है। हमारे पास विश्व स्तरीय फिल्म बनाने की तकनीक उपलब्ध थी। साथ ही हम ऐसा इसलिए कर पा रहे हैं क्योंकि फिल्मों ने काम किया है, इसलिए हम यह जोखिम उठाने को तैयार हैं।

मैं जिस दौर से गुजरा, नहीं चाहता मेरा दुश्मन तक गुजरे

सलमान खान जैसे दिग्गज स्टार की फिल्म हीरो से अपने करियर का आगाज करने वाले सूरज पंचोली अपनी फिल्मी पारी की शुरुआत में ही जिया खान प्रकरण के कारण विवादों में घिर गए थे। इन विवादों से निकलने में एक्टर आदित्य पंचोली और जरीना वहाब के इस अदाकार बेटे को समय जरूर लगा, मगर अब 4 साल के गैप के बाद वे एक बार फिर ऐतिहासिक फिल्म केसरी वीर से अपना कमबैक करने जा रहे हैं। इस मुलाकात में वे फिल्म, विवाद, गैप, कठिन समय, सोशल मीडिया और अपने परिवार के बारे में बातें करते हैं।

साल 2015 में करियर की शुरुआत(फिल्म हीरो) में ही विवादों (जिया खान प्रकरण) में घिर जाने के बाद कितना मुश्किल था वो दौर? कभी लगता था कि इससे निकल पाएंगे?

बहुत ही कठिन, क्योंकि पूरे 12 साल लग गए, इससे निकलने में। मेरी जिंदगी को ट्रैक पर दोबारा आने में पूरे बारह वर्ष लग गए। मेरा कंप्लीट ट्वेंटीज इसी में चला गया। मैं नहीं चाहता मेरा दुश्मन भी उस दौर से गुजर, जिससे मैं गुजरा हूं। पर अब मैं काम करना चाहता हूं, अच्छी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहता हूं। ऐसा नहीं है कि मुझे सिर्फ बॉडी ही दिखानी है। मैं अपनी अभिनय प्रतिभा का भी परिचय देना चाहूंगा।

अब आप चार साल के अंतराल के बाद फिल्मों में आ रहे हैं, अभिनय से दूर रहना कैसा था आपके लिए?

कहा जाता है न कि एक घोड़े को बांध कर रखोगे, तो वो बीमार हो जाएगा। घोड़े का काम ही है दौड़ना। बहुत ही कठिन समय था वो, मगर उस समय मेरा सबसे बड़ा सपोर्ट सिस्टम था, मेरा परिवार। मेरी मां, मेरी बहन और यकीनन मेरे पिता। मेरे परिवार ने मुझे हमेशा ये कहा कि सूरज कभी हार मत मानना। आपने कभी किसी का बुरा नहीं किया, तो आपके साथ कभी बुरा नहीं होगा। आपने अपनी जिंदगी में बचपन से लेकर अब तक जो मेहनत की है, वो सफल होगी। आपको बस अपनी लगन से लगे रहना है। जब आपका बुरा वक्त होता है, तो आपको एक मोटिवेशन की जरूरत पड़ती है और ये मोटिवेशन मुझे परिवार से ही मिला है। अपने परिवार के सहयोग के कारण ही मैं यहां पर हूं। हीरो फिल्म में जिस सूरज पंचोली को आपने देखा था, उससे कहीं बेहतर वर्जन मैं आज हूं। अगर परिवार मेरे साथ न होता, तो पता नहीं क्या ही होता।

सूरज आज सोशल मीडिया पर एक छोटा -सा क्लिप भी आग की तरह फैल कर वायरल हो जाता है। आप जैसा कलाकार सोशल मीडिया को कैसे हैंडल करता है?

ये सच है। हाल ही में मुझे किसी ने ट्रेलर लॉन्च पर पूछा कि पहले के एक्टर्स मुश्किल से नजर आते थे, उनका आसमान के सितारों-सा रुतबा था, मगर आज तो मोबाइल पर स्वाइप करो, तो हर कलाकार उपलब्ध है और यही वजह है कि उनकी वैल्यू नहीं बची। मैं काफी लंबे समय से सोशल मीडिया पर एक्टिव नहीं था। अभी फिल्म आ रही है, तो उसके प्रचार-प्रसार के लिए मेरी टीम पोस्ट करती है। मगर मैं समझता हूं कि सोशल मीडिया का भी एक सेचुरेशन पॉइंट आ ही जाएगा। अब ऑडियंस भी समझने लगी है कि क्या फेक या पेड है और क्या नहीं।

आपको बैशिंग कल्चर और कैंसल कल्चर से डर लगता है, क्योंकि आपको एक झटके में नकार दिया जाता है?

मुझे लगता है, लड़कों से ज्यादा ये लड़कियों के लिए खतरनाक है। मगर समझने वाली बात ये है कि ट्रोलिंग और बैशिंग वही लग करते हैं, जो अंदर से खुश नहीं हैं। निश्चित तौर पर इस पर रोक लगाई जानी चाहिए। जिन लड़कियों के बारे में बात की जाती है, जिन्हें बैशिंग और ट्रोलिंग का शिकार बनाया जाता है, उनके भी भाई होते होंगे या उनकी भी बहन होती होगी। मेरी बहन के बारे में कोई कुछ बोल दे, तो पता नहीं मैं कैसे लूंगा उस बात को। मगर अच्छी बात ये है कि मेरी बहन सोशल मीडिया पर नहीं है।

आप खुद को कितना लकी मानते हैं कि करियर की शुरुआत में आपको सलमान खान का साथ मिला और आज आपके साथ सुनील शेट्टी जैसे सीनियर एक्टर हैं?

मैं बहुत लकी मानता हूं खुद को कि मुझे इतने बड़े कलाकरों का साथ मिला। आज अगर सुनील शेट्टी नहीं होते इस फिल्म में तो ये फिल्म खड़ी ही नहीं होती। सुनील शेट्टी सर हमारी फिल्म के असली भील (नायक) थे। उन्हें अगर मैं फिल्म एक आधारस्तंभ कहूं, तो गलत न होगा। मैं महादेव का शुक्रगुजार हूं कि मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिला। वे कमाल के को-स्टार हैं। एक्शन सीन के दौरान उनकी चपलता देखते बनती थी।

इस हिस्टोरिकल किरदार को करना कितना मुश्किल था आपके लिए?

बहुत ही चुनौतीपूर्ण रहा यह किरदार। मगर इस किरदार को आत्मसात करने के लिए मैंने निर्माता, निर्देशक और पूरी टीम के साथ बहुत सारा वक्त बिताया। मैं फिल्म में हमीरजी गोहिल का किरदार अदा कर रहा हूं, जिन्होंने सोमनाथ मंदिर की रक्षा के लिए हमलावरों से लड़ते हुए अपनी जान दे दी थी। मेरे लिए यह समझना जरूरी था कि हमीरजी कौन थे और सोमनाथ मंदिर के लिए क्यों लड़े थे। हमीर जी गोहिल के बारे में जानते हुए और सीखते हुए मैं भी एक शिवभक्त बन गया। जब भी हमने शूटिंग की, हमारा पहला नारा होता था, हर हर महादेव और इसी नारे के साथ हम अपनी शूटिंग भी खत्म करते थे। आपने अगर थ्री इडियट्स फिल्म देखी होगी, तो उसमें एक डायलॉग है, ऑल इज वेल तो हमारे लिए हर हर महादेव ही हमारा ऑल इज वेल था। इससे हमें बहुत ज्यादा पावर मिला। किरदार की बात करूं, तो इससे बेहतर किरदार मुझे मिल नहीं सकता था। चरित्र के लिए तलवारबाजी सीखी, घुड़सवारी तो खैर मैं बचपन से जानता था, मगर इस चरित्र को भी मुझे अपने अंदर लाना था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः **जितेन्द्र चौधरी**, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in